झारखंड म्यूनिसिपल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (जेएमडीपी) के तहत धनबाद रोड एनसीबी-01 और एनसीबी-02 के लिए धनबाद म्यूनिसिपल कार्पोरेशन (डीएमसी) की पुनर्वास कार्य योजना (आरएपी)

विषयवस्तु
कार्यकारिणी सारांश .................................................................................................................. 6
अध्याय 1. पृष्ठभूमि और परिचय .......................................................................................... 99
1.1 पृष्ठभूमि .......................................................................................................................... 99
अध्याय २. परियोजना के आधीन क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक संस्थ

1. सामाय
2. जनसाधारण क्षेत्र
3. परिवार का प्रकार
4. अनुपूर्णता जनजाति और अनुपूर्णता जाति की जनसंख्या
5. साक्षरता
6. अध्ययन
7. वृत्त श्रमिक
8. अन्य सामाजिक सुविधाएं
9. गर्भस्थता का विलोयन
10. प्रायास
11. अधिक विलोयन
12. मूल निर्माण

अध्याय ३. विकल्पों का विलोयन

परिचय
1. परियोजना परिदृश्य के “साथ” और “बिना”
2. प्रोजेक्ट स्पर्श रेखा के विकल्प

अध्याय ४. सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन

परिचय
1. परियोजना के साधारण प्रभाव
2. परियोजना के प्रतिकूल प्रभाव
3. उप-परियोजना के कारण प्रभावित हो सकने वाली संपत्तियाँ
4. प्रभावित होने वाली निती संपत्तियाँ
5. प्रभावित संस्थाओं के निर्माण का प्रकार
6. संपत्तियों का व्यापित
7. परियोजना से प्रभावित व्यक्तियों की सामाजिक हैप्पनेस
8. पीएस की धार्मिक श्रेणियाँ
9. पीएस की सामाजिक श्रेणियाँ
10. विश्लेषण वर्ग
11. निकाय

अध्याय ५. प्रकाशित

1. परिचय
अध्याय  6. आर एंड आर सिद्धांत, पुनर्वसु रूपरेखा और पात्रता मानक ............................ 34
परिभाषा .......................................................................................................................... 34
6.2 नियामक रूपरेखा ............................................................................... 34
6.3 लागू राज्यों और राज्य नीतियां, अधिनियम और नियम .......................... 34
6.4 विश्व बैंक की संस्थान नीतियां .................................................................. 34
6.5 वैश्विक अन्य और विश्व बैंक की संस्थान नीतियों के बीच दूसरी का विशेषण ................................................................. 34
6.6 झारखंड मुनिसिपल डेवलपमेंट (जेएमडी) के लिए पुनर्वसु नीति रूपरेखा (आरएसएएफ) .................................................. 34
6.7 जेएमडी के लिए आरएसएएफ का उद्देश्य और समावेश एवं विवेक .......................... 34
6.8 आरएसएएफ का स्थापना/संशोधन ................................................................ 34
6.9 धनबाद रोड एनसीबी – ५१०३ और एनसीबी – ०२०२ के लिए पात्रता मानक ................................................................. 34
6.10 पात्रता मानक के लिए परिभाषा ................................................................ 34
6.11 प्रतिष्ठापन लागत के मुद्दाकरण के लिए   .................................................. 34
अध्याय  5. आरएसएफ कार्यवाहन के लिए संस्थान व्यवस्था .................................................. 34
सामान्य .............................................................................................................................. 34
5.2 उप-परियोजना स्तर पर आरएसएफ कार्यवाहन सहायक एजेंसी .......................... 34
5.3 सामाजिक संवेशण की भूमिका और उत्सर्जन .............................. 34
5.4 प्रशिक्षण कोशिका और अनुप्रयोगिक निर्देश ........................................................................... 34
अध्याय  8. लागत का अनुमान और आरएसएएफ कार्यवाहन ................................. 34
परिभाषा .............................................................................................................................. 34
8.2 निर्माण के नुकसान का मुआवजा ............................................................................. 34
8.3 परियोजना प्रभावित परियोजना के लिए आरएसएएफ सहायता .................. 34
8.4 धार्मिक और सामाजिक निर्माण का पुनर्वसु और वृद्धि .................................. 34
8.5 सकल आरएसएएफ कार्यवाहन ........................................................................... 34
अध्याय  4. आरएसएफ के कार्यक्रम ................................................................................. 34
अध्याय  7. आरएसएफ कार्यवाहन के क्षेत्र .............................
<table>
<thead>
<tr>
<th>पारिशय</th>
<th>सुखा निगरानी और रिपोर्टिंग योजना</th>
<th>स्वतंत्र संस्थान लेखा परीक्षा</th>
</tr>
</thead>
</table>

| पारिशय 1. उपलब्धि आरोपों/वंदना का विवरण | पारिशय 2. परियोजना प्रभाव के क्षेत्र में न्यूनता का विवरण | पारिशय 3. प्रशंसक का प्रमाण |

| सारणी 4. परियोजना के साथ और "परियोजना के बाद" प्रभाव परिमाण के स्कोरदेश के समान अवधारणा का अपलोकन | पारिशय 5. बैंकिंग क्रियापरिक्रम के स्वीकार विकल्प | पारिशय 6. सड़क की हिजाज में स्थिरता विकल्पों के फायदे और नुकसान पर विवाद |

| पारिशय 7. संरचनाओं पर प्रभाव | पारिशय 8. प्रभावित निजी संशोधनों का प्रकाश | पारिशय 9. एनएसी—01 और एनएसी—02 के साथ निर्माण का प्रकाश |

| पारिशय 10. संपर्कों का व्यवहार | पारिशय 11. परियोजना सड़क के साथ पीएम का धार्मिक समय | पारिशय 12. परियोजना सड़क के साथ पीएम का सामाजिक स्थानक्षण |

| पारिशय 13. परियोजना सड़क से प्रभावित समुप | पारिशय 14. प्रशंसक पहचान मानक | पारिशय 15. समुदाय परमाण के निर्भर |

| पारिशय 16. एनएसी—01 और एनएसी—02 में धार्मिक निर्भरों पर प्रभाव के संबंध में किए परमाण के निर्भर | पारिशय 17. संरचनाओं में अधिकारियों के साथ परमाण के निर्भर | पारिशय 18. विभिन्न उप-परियोजना बारों के स्तर पर सूचना साधन करना |

| पारिशय 19. विभिन्न उप-परियोजना दरों के स्तर पर सूचना साधन करना | पारिशय 20. पश्चिमी और उत्तर के नागों होने वाली मौतियाँ | पारिशय 21. परियोजना के लिए डरभूर की सुखा नीति की प्रमुखता |

| पारिशय 22. देश के कानूनों और विशेष बैंक की सुखा नीति के बीच दूरी | पारिशय 23. प्रशंसक मानक | सारणी 25. शासक निर्माण/प्रशिक्षण का प्रकाश |

| पारिशय 24. एनएसी—01 के लिए पुनर्याप्ता बजट | पारिशय 25. एनएसी—02 के लिए पुनर्याप्ता बजट | पारिशय 26. प्रशंसक आनुशीलन |

| पारिशय 27. गार्डियन के अनुसार कार्यान्वयन अनुसूची | पिढ़ियों की सूची |

| पिढ़ियों का स्थान | संस्थान व्यवस्था | पिढ़ियों की रुपरेखा |

| अनुसूचक की सूची | अनुसूचक 1. जनगणना प्रभावी | अनुसूचक 2. एनएसी—01 में प्रभावित संरचनाएँ (बैंक - 10+500 से 55+800) |

| अनुसूचक 3. एनएसी—02 में प्रभावित संरचनाएँ (बैंक - 55+800 से 11+700) | अनुसूचक 4. एनएसी—01 में सार्वजनिक संपत्ति संसाधन (पीएम - 50+500 से 11+700) | अनुसूचक 5. एनएसी—02 में सार्वजनिक संपत्ति संसाधन (बैंक - 11+700 से 55+800) |
कार्यकारिणी सारांश
क 9. परिचय और पृष्ठभूमि

झारखंड राज्य ने पिछले दशक में लगातार आर्थिक विकास और वित्तीय लाभ दिखाई है। राज्य का एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और खनन शहर होने के नाते धनबाद की हमेशा से यह मांग रही है कि यहां की मुख्य सड़कों की आवार संरचना सुधारी जाए। इस मांग को तृष्णा करने के लिए कृषि-शहरी मोबिलिटी प्लान, 2006 ने जवाबदेह और सार्वजनिक परिवहन के विकास को शामिल करते हुए सड़क नेटवर्क में सुधार का सुझाव दिया है। झारखंड सरकार ने जुड़कों के तहत धनबाद की नगरीय आवार संरचना को विकसित करने के साथ ही इसके मुख्य मांगों, उप-नगरीय मांगों के साथ ही स्थानीय मांगों को विकसित करके मजबूत और सुंदर बनाने का संकल्प लिया है।

झारखंड सरकार के अर्थन डेवलपमेंट एंड हाउसिंग डिवार्टमेंट (सूक्ष्मदृष्टि) ने झारखंड मूर्तिरितितें डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (जेएमडीय) तैयार किया है, जिसका उद्देश्य नगरीय सेवा वितरण और नगरीय विकास क्षेत्र में चयनित नगरीय स्थानीय निकायों (सूक्ष्मता) में सुधार लाना है। जेएमडीय झारखंड के विभिन्न जिलों में कई उप-परियोजनाओं की योजना और कार्यान्वयन या जोर देता है। झारखंड सरकार ने जेएमडीय के कार्यान्वयन के लिए झारखंड इंस्ट्रूक्रेटर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (जुड़को लिमिटेड) को कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नामित किया है।

जेएमडीय की लागत के लिए झारखंड सरकार विश्व बैंक से लित भारत में सहायता ग्रहण कर रही है और पर्यावरणीय और सामाजिक प्रवास की रूपरेखा (ईएसएमएक) के लिए परमार्श सेवायें और चयनित उप-परियोजना के लिए आवश्यक पर्यावरण और सामाजिक मूल्यांकन अध्ययन जारी करने के लिए प्राप्त कोष के हिस्से को लागू करने पर जोर देती है। जेएमडीय के तहत क्रियान्वित होने वाली उप-परियोजनाओं में धनबाद रोड- एनसीबी- 01 और 02 को चुना गया है।
उपपरियोजना के तहत दो लेन की सड़क को विकसित करने के लिए निर्माण जाना प्रस्तावित है, जिसमें साइकिल ट्रेक और सफेद लेन भी होगी। यह योजना के तहत रसोई-चीजों को विकसित करने के धनबाद शहर के भीतर यातायात का दर्शक कम करना और परिवहन सेवाओं को और बेहतर बनाना प्रस्तावित है। शहर में यातायात के लिए यह रोड एवं बाईखान टिक के तीर पर काम करेगी। इस प्रकार के सुधार से बहुआयामी सामाजिक-आर्थिक लाभ जैसे कि सूची आर्थिक गतिविधियों, कृषि वायुविज्ञान संचालन और संसाधनों के उपयोग में हानि कम होने की उम्मीद है।

क २. उप-परियोजना का संक्षिप्त वर्णन

राज्यम रेखा 95.449 किमी की दूरी है और इसे साइकिल ट्रेक तथा सफेद रोड के साथ चार लेन में अप्रैल करने का प्रस्ताव है। सड़क को दो भागों में विभाजित किया गया है— एनसी-12 (200 किमी से 93.90 किमी) और एनसी-2 (19.90 किमी से 95.44 किमी)। प्रस्तावित सड़क के लंबाई 500 मीटर अर्थव्यापार के आसपास पूर्वविंदुप्राप्त कृषि भूमि है।

क ३. वैकल्पिक विवेशण

विकल्पों का विवेशण करना उन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसमें क्षेत्र, टेक्नोलॉजी, सुरंग और संचालन विभाग के तलाश के लिए सबसे पहले किया जाना चाहिए। इस उप-परियोजना के लिए विकल्पों का विवेशण से तो रोडों पर निर्माण योजना बनाना है। परिसंचरण योजना के लिए विभिन्न तरीकों को पूरा करने और संचालित रुपरेखाओं के सड़क एवं संचालन पर चलने वाले प्रवास को भी ध्यान में रखा गया। विवेशण में यह निश्चित करना आवश्यक है कि 'के बिना' परियोजना परिधियों के मामले में जनसंख्या वृद्धि, वैकल्पिक उपचार में उपयोग और आर्थिक विकास प्रस्तावित परियोजना की अवधि के लिए उपयुक्त नहीं है, व्यक्ति इससे भविष्य में किसी अन्य सुधार पर रुकूसे बनाने में विफलता मिलेगी। इसके साथ ही आर्थिक विकास बाह्य होगा। इस प्रकार, क्षेत्र के समग्र विकास को देखते हुए 'के साथ' परिधियों सबसे अधिक व्यवहारिक साधित हुआ है।

क ४. सार्वजनिक परमाणु

परमाणु कार्यक्रम को कई तरह पर विभाजित किया जाता है, जैसे राज्य स्तर, जिला/शहर/गौरवस्ती स्तर आदि। सार्वजनिक परमाणु बड़ी आवारा और संकटप्रद स्थल पर आयोजित किया गया जहां सड़क के प्रारंभिक वर्षों की योजना के बारे में उन्हें जानकारी देने के बाद गोपी की स्वायत्त बाद दर्ज की गई थी। इस परमाणु में तत्कालीन लोगों ने भाग लिया और परियोजना से जुड़े विविध पक्षों के बारे में अपने भविष्य यथार्थ व्याख्या कर सकते। उपरोक्त विवेशण सार्वजनिक परमाणु और एकजुटी के अंतर्गत, परियोजना प्रभाव क्षेत्र और कार्यक्रम में जनमत सेवाओं में भी सार्वजनिक-आर्थिक संबंध के दौरान भी तत्कालीन लोगों से परमाणु किया गया। इस क्रम में जुड़ने अंतर्गत परियोजना की सार्वजनिक आवेदनों के लिए विविध सरकारी अधिकारियों से भी परमाणु किया गया।

जार्जरांड सरकार के विविध महत्वपूर्ण अभिकारियों के साथ भी कई विषयों पर परमाणु किया गया। इन अभिकारियों में प्रेसीडेंट एवं स्वायत्त विभाग के प्रमुख सचिव, कर्मयोग सचिव, श्रम अधिकारी, विद्युत सचिव जैसे जनसंख्या, निर्देशक एससीसी, अध्याय आवारोंवाले अधिकार थे। सभी अधिकारी इससे सहमत थे कि आम लोगों को बेहतर सेवा प्रस्ताव करने के लिए सड़क बनाई जानी चाहिए, यहॉले धनबाद जार्जरांड के समस्त अधिकारी वालों जिले में से एक है और यहाँ यातायात का दर्शक बहुत अधिक है। यहाँ यातायात की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए सड़क का निर्माण हर दस्तर में होना चाहिए। सड़क निर्माण निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों को सार्वजनिक परिवहन महत्व में नियंत्रण करने के लिए प्रस्तावित करेगा।
क ५. सामाजिक प्रभाव और भूमि अविघणन की संभावना

परियोजनाओं की सड़क की मौजूदा आर्थिकव्यू ५५ मीटर से ५२ मीटर तक बदलती है। उप--परियोजना की सड़कों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि सभी सुधार गतिविधियों को मौजूदा आर्थिकव्यू के भीतर संपादित किया जाएगा। इस प्रकार उप--परियोजना में भूमि अविघणन का कार्य शामिल नहीं है। मौजूदा आर्थिकव्यू अतिक्रमण है और इस प्रकार इस आर्थिकव्यू के भीतर व्यापार करने वाले परिवारों के निमांग और आवनिक के स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करने की आवश्यकता है। प्रभावीत हो सकने वाले परिवारों की जनगणना सर्वेक्षण का कार्य फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के साथ किया गया था। जनगणना सर्वेक्षण के आधार पर अनुमान लगाया गया है कि:

- सड़क सुधार के कारण कुल २५५ निजी निमांग प्रभावित होंगे।
- सभी प्रभावित परिवार गैर-मालिकाना हक वाले हैं वाली अतिक्रमणकर्ता है या अवद निवासी इनमें से अधिकांश निजी निमांग प्रकृति में वाणिज्यिक हैं।
- अधिकांश प्रभावित निमांग या अस्थायी या अर्थ स्थायी निमांग हैं।

क ६. पुनर्वसूल कार्य योजना

राष्ट्रीय और राज्य स्तर की नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा से पता चलता है कि कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की प्रमुखता राज्य दर राज्य अलग-अलग हो सकती है। देश और कुछ राज्यों के पुनर्वसूल और पुनर्स्थापन नीतियों और बैंक की संरचना नीतियों के बीच दूरी भी है। इसलिए, जेएसीपी द्वारा एक विशेष पर्यावरण और सामाजिक प्रक्रिया रुपरेखा (ईएसएमएफ) खामियों को दूर कर तैयार किया गया है जो पर्यावरण, अनुप्रयोगिक पुनर्वसूल और स्वदेशी लोगों से संबंधित विशिष्ट बैंक की परिचित प्रावधानों के अनुसार है। ईएसएमएफ में एक पुनर्वसूल नीति रूपरेखा शामिल है जो प्रक्रिया में तेजी लाने और जेएसपी के अधीन सभी उप--परियोजनाओं में आरए की और एसटीपी (यदि लागू हो) को लगातार तैयार करने में मदद करेगा।
लागत, अनुमान और आर्थिक बजट

जनगणना संबंधी के दौरान बिना भ्रमण के आधार पर उप-परियोजना के लिए आर्थिक बजट तैयार किया गया है। इसके उपरियोजना में भूमिका अविश्वसनीय रूप से अनुमान नहीं है, अतः आर्थिक लागत के लिए आर्थिक बजट तैयार किया गया है। इसके उपरियोजना में भूमिका अविश्वसनीय रूप से अनुमान नहीं है, अतः आर्थिक लागत के लिए आर्थिक बजट तैयार किया गया है। इसके उपरियोजना में भूमिका अविश्वसनीय रूप से अनुमान नहीं है, अतः आर्थिक लागत के लिए आर्थिक बजट तैयार किया गया है।
शिकायत अधिकारी नामित किया जाएगा, जो सभी शिकायतों (भीमिक या लिखित) को प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार होगा। यह इस तरह की शिकायतों और उनके के गई कार्यवाही का विवरण रखेगा। यह शिकायत अधिकारी निर्देश शिकायतकर्ताओं के मामले में शिकायत फार्म को भरने में मदद भी करेगा। आरएपी लागू करने के लिए लगाए गए गैर सरकारी संगठन मददकर्ता के रूप में कार्य करेगे। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी शिकायतें/सुझाव पीआईयू प्रमुख तक पहुंच जाएं, विशेषकर पीएपी और स्थानीय समुदाय के मुद्दे। जीआईएन की प्रभावशीलता को सीएससीसी से और क्रियान्वयन में लगे नीतियों की प्रगति रिपोर्ट के जरिए जांची जायेगी।

2. राज्य स्तर पर शिकायतें/सुझाव को पंजीकृत करने के लिये संबंधित विभाग नीचे दिया गया है:

शिकायत निवारण प्रकोष्ठ
झारखंड इंटरनेशनल डेवलपमेंट कॉम्पनी लिमिटेड
तीसरी मंजिल, प्रगति सदन, कच्चरी चौक
रांची –८३४००१, झारखंड
फोन नं. ६५४९ २२५२३२
ईमेल: grc.jmdp.juidco@gmail.com

3. जीआईएन यूएलबी लेबल पर मामले को हल करने का प्रयास करेगा और शिकायत की प्राप्ति के बाद सामान्यतः
7–90 कार्यदिनों के भीतर एक सिफारिश करेगा। यदि 90 दिनों के बाद कोई निर्णय नहीं होता है, तो पीएपी या कोई अन्य पीढ़ित यहें लिखित शिकायत को उप परियोजना निदेशक (जुड़को, विश्व बैंक पीएमयू) को भेज सकता है। सभी प्रस्तुत शिकायतों और परियोजनाओं को उप–परियोजना स्तर पर पंजीकृत किया जाएगा और जुड़को—जेएमडीपी पीआईयू के डेटाबेस में जोड़ा जाएगा, इसकी जुड़को—जेएमडीपी स्टाफ द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जाएगी। ऊपर बताई गई व्यवस्था के अलावा, पीएपी को देश की न्यायपालिका के पास जाने का अधिकार है।
क ६. आरएपी को लागू करने की व्यवस्थाएं
समग्र परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ज़ुड़को की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि परियोजना अपने उद्देश्य में सफल हो सके हैं।
राष्ट्रीय ज़ुड़को में राज्य पीएमसू भी सामाजिक सुधार उपायों को बनाए रखने के लिए उत्तरदायी होगा। चयनित विकल्पों के लिए पीएमसू को बूलिएस स्तर पर पीआईयू के रूप में सहयोग करेगी। ये धनबाद रोड परियोजना के द्वारा प्रतिविधि के तरीके निष्पादन के लिए विभागों को होगी। एक समाजिक विकास विभाग नियंत्रण पहले ही एसएटी पीएमसू में काम पर रखा गया है। वह पहले से ही ईआईसी में शामिल है और डीपीआर सलाहकारों से अन्तर्गत परम्परा फर्म के सहयोग से इस आरएपी की तैयारी कर रहा है। धनबाद रोड परियोजना के सामाजिक संबंध सुधार उपायों के समन्वय, समीक्षा, सहयोग और निगरानी के लिए ज़ुड़को सामाजिक और पर्यावरण विशेषज्ञों की सेवाएं भी पीआईयू के लिए लेगा। पीएमसू और पीआईयू को परियोजना प्रबंधन कंसल्टेंट्स (पीएमसू) द्वारा सहयोग प्रदान किया जाएगा।
इनके लिए जैसा जरूरी होगा सामाजिक विशेषज्ञों की सेवाएं ली जाएगी। पीएमसू विशेषज्ञ पीआईयू और अन्य कार्यान्वयन सम्पर्कों में विशेषज्ञों की क्षमताओं को नमूना करेगे। इसके लिए ये उन्हें विशिष्टाधिकार दे दिए। धनबाद रोड उप परियोजना के लिए ज़ुड़को आरएपी और अन्य सामाजिक गतिशीलता/आइसी मंत्रिविभिन्न के कार्यान्वयन हेतु योग्य विशिष्ट सोलहती संगठनों/५५-६५स्करी संगठनों की मुहतार पर सेवाएं लेगा।

क. निगरानी और मूल्यांकन
एनजीओ/आरएपी कार्यान्वयन परस्पर दलित, पीआईयू, कार्यान्वयन एजेंसियों और किंजाइन और पर्यंत्य सलाहकारों की ओर से आंतरिक पर्यावरण और सामाजिक निगरानी की जाएगी। उन्हें यह कार्य नियंत्रित करने टूट होना होगा। समग्र रूप से पीआईयू उप परियोजना स्तर पर आरएपी कार्यान्वयन की नियन्त्रित निगरानी करेगा। पीआईयू आरएपी कार्यान्वयन पर पीएमसू को मासिक प्रमाणित स्पर्धा प्रस्तुत करेगा। पीएमसू, सुधार उपायों के अनुपालन के संबंध में उप-परियोजनाओं की तिमाही सामाजिक निगरानी करेगा। इसके लिए वह इन्हांस सोशअल स्पेशलिस्ट की सहायता लेगा। उप-परियोजना में पुनर्वास कार्ययोजना के कार्यान्वयन का बाह्य मूल्यांकन किया जाएगा। इसके लिए ही विशेष रूप से किराये पर एक ऐसा सलाहकार की सेवाएं ली जाएगी।
अध्याय 5: पृष्ठभुक्ति और परिवहन

5. पिछले दशक में झारखंड राज्य ने लगातार आर्थिक विकास का उल्लास और विशेष ताकत का परियोजना दिया है। झारखंड एक महत्वपूर्ण औद्योगिक और खनन का शहर है। यहां मुख्य खंडों के ढांग में बदलाव की जरूरत है। झारखंड के कृषि-विद्युतित मोबाइलिटी क्षेत्र, 2016 में इस मांग को पूरा करने के लिए जंक्शनों और सार्वजनिक परिवहन के विकास सहित सड़क नेटवर्क में सुधार का सुझाव दिया गया है। जुड़के के तहत झारखंड की सरकार धनबाद की शहरी संरचना को विकसित करने और मुख्य मार्ग, उप-मुख्यमार्ग तथा संकीर्ण मार्गों को मजबूत करने, विकसित और सुदर बनाने पर जोर देता है।

2. झारखंड सरकार के अर्थव्यवस्था एप्स मूंगिंग डिपार्टमेंट (मूंगिंगपी) ने यह आर्थिक तथा सामाजिक गहराई स्थानीय निकायों में नाबन सेवा विस्तार और नाबन प्रचंड श्रमिकता में सुधार लाने के उद्देश्य से झारखंड मूंगिंगसिपल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (झएम्सी) को तैयार किया है। लाभदायक झारखंड के विभिन्न उप्लब्धियों के कई उप-परियोजनाओं और उनके कार्यान्वयन पर जोर देता है। झारखंड सरकार ने झारखंड अर्थव्यवस्था एक्सेंट्रिक्स डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (JUIDCO Ltd) को झएम्सी के विकास एवं विकास प्राथमिक कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नामित किया।

3. झएम्सी की लागत के लिए झारखंड सरकार विश्व मंडल के विलय सहयोग ग्रहण कर रही है और राष्ट्रीय और सामाजिक प्रभाव रुपरेखा (ईज़सेमफ) के लिए पररमार्ग सेवाओं और यथार्थता उप-परियोजना के लिए आवश्यक पर्यावरण और सामाजिक मूल्यांकन अभ्यास संगठित करने के लिए प्रातिष्ठान कोष के हिस्से को लागू करने पर जोर देता है। झएम्सी के तहत क्रियान्वित होने वाली उप-परियोजनाओं में धनबाद रोड-एनसीबी-01 और 02 को चुना गया है।

4. उपपरियोजनाओं के तहत दो लेन की सड़क को विकसित करने के चार की किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें साइकिल ट्रेक और सावित सेवा भी होंगी। इस योजना के तहत सड़कों—चौराहों को विकसित करने धनबाद शहर के भीतर यातायात का बदल करना और परिवहन सेवाओं को अधिकतम बनाना प्रस्तावित है। शहर में यातायात के लिए यह रोड एक बाईपास रुट के तौर पर काम करेगी। इस प्रकार के सुधार से बहुआयामी सामाजिक—आर्थिक लाभ हो जाएगा कि सुधार के आर्थिक गतिविधि, पुरातन व्यावसायिक संचालन और सस्तानों के उपयोग में हानि कम होने की उम्मीद है।

5. प्रस्तावित उप-परियोजना झारखंड राज्य के धनबाद जिले में धनबाद शहर के भीतर की है। मुख्यतः कोयला खनन गतिविधियों पर आधारित है। धनबाद शहर और भारत में सबसे व्यस्त व्यावसायिक केंद्रों में से एक है। झारखंड में जमशेदपुर के बाद यह सबसे बड़ा शहर और दूसरा सबसे बड़ा नगरीय समूह है। धनबाद मूंगिंगसिपल कार्यालय (झएम्सी) को पांच सर्किटों में विभाजित किया गया है। इसके नाम हैं धनबाद मूंगिंगसिपलिटी, झारखंड आयुर्विज्ञान क्षेत्र समिति (एनएसी), कॉटर्स एनएसी, सिचिंद्र एनएसी, और छतान एनएसी। झएम्सी में कुल ५५ वार्ड हैं। प्रत्येक सर्किट में ११ वार्ड शामिल हैं। यह वर्तमान—वृद्धिपूर्ण राजमार्ग (नई दिल्ली—कोलकाता, एनएसी २) और एनएसी ३२ पर स्थित है।
यह कोलकाता (दक्षिण पूर्व में २७० किमी), जमशेदपुर (१५० किलोमीटर दक्षिण में), सांची (दक्षिण पूर्व में १५० किमी) और गाया (उत्तर पश्चिम में २२० किमी) और पटना (उत्तर पश्चिम में ३२० किलोमीटर) के साथ बेहतर डंग से जुड़ा हुआ है।

१.२ उप-परियोजना विवरण

६. वर्तमान सड़क २५५ किमी की व २ लेन वाली है। इसे ४ लेन में बदलने के साथ साइकिल ट्रैक और सेवा लेन वाली बनाने का प्रस्ताव है। सड़क को २ भागों में विभाजित किया गया है— एनसीबी—२९०० (०.०० किमी से ९२.०० किमी) और एनसीबी—२ (९२.०० किमी से ९५.५० किमी)। प्रस्तावित सड़क के लगभग २५०० मीटर अवधि के आसपास की पूर्वाधिकृत कृषि भूमि है। बार्षिक या जी टी रोड के बगल में एक हवाई अड्डा (चेंबर १३ + ५०० किमी— २५५ किमी) स्थित है। प्रस्तावित सड़क में १ मुख्य पुल और २ छोटे पुल हैं।

चित्र १: उप-परियोजना स्थल
8. प्रभाव का दायरा

प्रत्यावर्तित सड़क के लिए उपलब्ध आरोड़क्ष्य ४÷५ मीटर तक का है। उप—परियोजना की सड़कों पर सुधार इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि सभी सुधार गतिविधियों को मौजूदा आरोड़क्ष्य के मीटर संपादित किया जाएगा और इस उप—परियोजना में कोई भूमि अविधान्य शामिल नहीं है। उपलब्ध आरोड़क्ष्य का विवरण नीचे तालिका १ में दिया गया है:

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र. सं.</th>
<th>रोड आईडी</th>
<th>मूः—स्थानीय</th>
<th>सड़क का अनुरोह (सेनेज)</th>
<th>आरोड़क्ष्य की ठोसता (प्रम.)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>१</td>
<td>रोड—०१</td>
<td>लाल रेड</td>
<td>५.० से ११.७</td>
<td>५२</td>
</tr>
<tr>
<td>२</td>
<td>रोड—०२</td>
<td>लाल रेड</td>
<td>११.७ से १२.३</td>
<td>५२</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>१२.३ से १३.६</td>
<td>५२</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td>१३.६ से २०.०</td>
<td>५५</td>
</tr>
</tbody>
</table>

9.4 पुनर्वास योजना की आवश्यकता और उद्देश्य

परियोजना का उद्देश्य प्रोजेक्ट कॉन्सोल्ड में वातावरण की सुरक्षित और स्थायी ढंग से आवाजाही विकसित करना है। इसके साथ ही आवाज वाले इलाकों में सड़क के माध्यम से बेहतर जल्दी या जल्दी के समय की प्रदाना और स्थायी लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा और विभिन्न कृषि उत्पादक जरूरतों तक पहुंच को आसान बनाना है। उप—परियोजना के क्रियान्वयन के लिए लोगों को सकारात्मक रूप से आवाजाही बनाना संभवतः है। यह प्रकार, लोगों और उनकी सामाजिक—आर्थिक गतिविधियों पर उप परियोजना के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव की पहचान करने और उप—परियोजना सड़क के साथ संबंधित के लिए ही एक मूल्यांकन किया जा रहा है। सामाजिक मूल्यांकन के दौरान, परियोजना की बेहतर योजना और कार्यान्वयन के लिए परियोजना क्षेत्र की स्थायी तैयार की गई है। सामाजिक मूल्यांकन के क्षेत्र में निष्पक्ष और आधार पर, उप—परियोजना कार्यान्वयन के कारण संभवतः प्रभावों से निपटने के लिए एक पुनर्वास कार्य योजना (आरपी) तैयार की गयी है। एक पुनर्वास योजना का उद्देश्य लोगों पर नकारात्मक प्रभाव को कम करने, न्यूनतम करने की एक योजना तैयार करना है।

पुनर्वास योजना में कोई भूमि अविधान्य शामिल नहीं है, इसलिए मुख्य प्रभाव उप—परियोजना सड़क के आसपास किए गए निर्माण के इलाके एवं कम करने के विकल्पों का विश्लेषण प्रदान करती है। नुकसान की प्रकृति और प्रकार की पहचान करती है और परियोजना के लिए सहमत पहचान और सामाजिक प्रक्षेपण फं के आधार पर एक पात्रता मापदंड स्थापित करती है।
9.5 पाठ्य और पद्धति

90. यह रिपोर्ट तथा पैमाने पर क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान एक नए प्राथमिक डेटा पर आधारित है और आधारभूत जानकारी तैयार करने के लिए उपलब्ध माध्यमिक डेटा की समीक्षा द्वारा अच्छी तरह से समर्थित है। पीसीडी रिसर्च (क्षेत्र अनुसंधान) में प्रस्तावित आरोडेल्फु के भीतर आने वाले परीक्षण प्रभावित यथास्थिति, संपत्तियों की जननागणना का सब से शासित है। विभिन्न परमामर्शदाताओं के साथ सार्वजनिक परमामर्श भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रभावित लोग, सरकारी एजेंसियां, कार्यान्वयन एजेंसियां आदि शामिल थे।

9.5.1 प्राथमिक रूप से सूचनाओं का संग्रह

91. उप-परियोजना के सामाजिक पहलू का सामाधान करने के लिए उप-परियोजना के उद्देश्यों के साथ सम्बंधित सामाजिक प्रभावों का अंतर्निहित करने के लिए उप-परियोजना पर विशेषत ग्रामीण तैयार की गई। उप-परियोजना क्षेत्र के प्रमाण क्षेत्र के भीतर संस्थानों/संपत्तियों की गणना, उनका निर्माण प्रकार, संपत्ति का उपयोग, उसके स्थापना की स्थिति के साथ ही संपत्ति की हानि का प्रकार और सीमा का यूनिकैंड रूपांतरण करने के लिए एक परिसंपत्ति सूची भी तैयार की गई थी। इस परियोजना के लिए दो प्रकार के सर्वेक्षण किए गए:

- जनगणना सर्वेक्षण: परीक्षण प्रभावित क्षेत्र में एक जनगणना सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। यह एक प्रारंभिक (अनुसंधान 1) के आधार पर किया गया, जिससे उप-परियोजना के प्रस्तावित आरोडेल्फु के भीतर 90% संपत्तियों को शामिल किया गया था।

- सामाजिक-आरोडेल्फु सर्वेक्षण: परंपरा नहीं, परीक्षण प्रभावित क्षेत्र में एक सामाजिक-आरोडेल्फु सर्वेक्षण किया गया। इसका उद्देश्य उस आद्यको के सामाजिक-आरोडेल्फु स्थिति को समझना के लिए जो उप-परियोजना के कारण सीमात्व और आधार स्थापना के संबंध में किया गया था जिसके तहत आद्यको के रूप में माने जाने वाले परीक्षण प्रभावित क्षेत्र के बैंकी रूप से स्वायत्त प्रतिनिधि नमूने चुने गए थे। नया परियोजना के क्षेत्रों/समूहों/विभिन्न सामाजिक-आरोडेल्फु से चुना गया था। सर्वेक्षण में शामिल रहे परियोजना की कुल संख्या में परीक्षण नहीं प्रभावित प्रवाह शामिल है।

92. अंतिम तिथि: एक अंतिम तिथि यह तिथि है जिसे पाठ्य की योग्यता के लिए अंतिम तिथि के रूप में बताया गया है। उस तिथि तक और उस तिथि को शामिल करते हुए परियोजना प्रभावित क्षेत्र में परीक्षण किए, पाठ्य मुख्याध्यक्षों के लिए योग्य है। अंतिम तिथि के बाद क्षेत्र पर अंतिक्रमण करने वाले यथास्थिति को क्षतिग्रस्त या पुनर्बांधन सहायता के किसी अन्य रूप का अंतिक्रमण नहीं है। अन्तिम तिथि से जनगणना शुरू होती है। उस उप-परीयोजना के लिए, जनगणना सर्वेक्षण की प्रारंभिक तिथि को अंतिम तिथि माना जाता है। सर्वेक्षण द्वारा जनगणना सर्वेक्षण की शुरुआत से पहले परीक्षण के लिए अंतिम की तारीख के बारे में लोगों को जानकारी दी गई थी। इसके अलावा, हितोपदेशों के परमामर्श में अंतिम तिथि लोगों को बताई गई थी। जनगणना सामाजिक-आरोडेल्फु सर्वेक्षण 2 मार्च, 2017 को शुरू किया गया था और इसलिए अंतिम की तारीख 2 मार्च, 2019 है।

[1] ज्यार्कट द्वारा स्निनिपिल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (जेएमपी) के लिए अक्टूबर 2017 में जुड़को के साथ मिलकर उसकी सहमति से एक पर्यावरण और सामाजिक प्रबंधन अभ्यास (ईएसएमएफ) तैयार की गयी है। यह उप-परीयोजना जेएमपी का एक हिस्सा है।


1.55.2 द्वितीय चौथे से सूचना का संग्रह

12. प्रस्तावित परियोजना के सामाजिक–आर्थिक संदर्भ को समझने, सामाजिक विश्लेषण और आवश्यक जानकारी देने के लिए, परियोजना क्षेत्र की सामाजिक–आर्थिक और सांस्कृतिक स्थितियों पर प्रासंगिक आधारभूत सूचना के साथ ही झारखंड सरकार की वेबसाइट से 2011 की जनगणना के अंतिम सूचना सामग्री हासिल की गयी है।

1.56 रिपोर्टिंग आवश्यकताएं

14. पुनर्वास योजना की आवश्यकता संपत्तियों, लोगों और मुख्य हितेंद्रकों पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन करने और विश्लेषण करने के लिये है। इसके लिए प्रमाणित संपत्ति और परियोजना प्रभावित लोगों (पीएच) की व्यापक क्षेत्रियों की पहचान करना भी आवश्यक है। इसके साथ ही सामाजिक प्रभाव के लाभ एवं प्रतिकूल प्रभावों का मूल्यांकन भी जरूरी है। उपरोक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, यह रिपोर्ट निम्नलिखित अध्यायों में बांटी गई है:

अध्याय 9: परिचय और पद्धति
अध्याय 2: परियोजना क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक रुपरेखा
अध्याय 3: विकल्प का विश्लेषण
अध्याय 4: सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन
अध्याय 5: जन परामर्श और हितेंद्रक विश्लेषण
अध्याय 6: पुनर्वास की योजना
अध्याय 7: संस्थागत व्यवस्था
अध्याय 8: अनुमानित लागत और आरएडआर बजट
अध्याय 9: कार्योंयन अनुसूची
अध्याय 10: शिक्षायत निवारण तंत्र
अध्याय 11: निगमात्मक और मूल्यांकन
अध्याय २: परियोजना प्रभाव क्षेत्र की सामाजिक–आर्थिक रुपरेखा

\[ \text{सामान्य} \]

\[ १५. \] प्रस्तावित परियोजना का परियोजना प्रभाव क्षेत्र झारखंड राज्य में धनबाद के जिलों में स्थित है। परियोजना

\[ \text{गालियारे} \] के प्रभाव क्षेत्र की सामाजिक–आर्थिक संरचना का मूल्यांकन करने के लिए एक सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण

\[ \text{एसआईएस} \] जनवरी–मार्च, २०१७ के दौरान किया गया था। सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण नमूना मूल्यांकन पद्धति पर

\[ \text{आधारित} \] था जिसके तहत आबादी के रूप में माने जाने वाले परियोजना प्रभावित क्षेत्र से भेदशीरी रूप से स्तरीकृत

\[ \text{प्रतिनिधि} \] नमूने चुने गए थे। नमूना परिवारों को समूहों/बस्तियों के विभिन्न सामाजिक–आर्थिक समूहों से चुना गया

\[ \text{था} \]। नीचे दी गई तालिका में पीआईए में नमूना के वितरण को दर्शाया गया है। सर्वेक्षण प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं

\[ \text{के} \] साथ चयनित बस्तियों पर किया गया था, जिसे परियोजना प्रभाव क्षेत्र (पीआईए) के रूप में परिभाषित किया गया

\[ \text{है} \]।

\[ १६. \] परियोजना प्रभाव क्षेत्र में कुल ३२१ नमूना परिवारों का सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के

\[ \text{लिए} \] नमूना परियोजना प्रभाव क्षेत्र के शहरी, अर्थ शहरी और अन्य समूहों से लिया गया है।

\[ \text{लालिका} २: \text{परियोजना प्रभाव क्षेत्र में नमूने का वितरण} \]

<table>
<thead>
<tr>
<th>शहर नं.</th>
<th>भारत सरकार बिलिंग चौक</th>
<th>नमूने की संख्या</th>
<th>फ्रेंडली</th>
<th>एफजीडी</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>बिनौद बिहारी चौक</td>
<td>६७</td>
<td>६</td>
<td>-</td>
<td>१</td>
</tr>
<tr>
<td>कांको चौक</td>
<td>६६</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
<td>१</td>
</tr>
<tr>
<td>शरीतर चौक</td>
<td>८५</td>
<td>-</td>
<td>-</td>
<td>१</td>
</tr>
<tr>
<td>योग</td>
<td>३२१</td>
<td>४</td>
<td>-</td>
<td>३१</td>
</tr>
</tbody>
</table>

\[ \text{स्रोत: सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण, मार्च} २०१७ \]

\[ १७. \] सर्वेक्षण के दौरान एक्सप्रेस की गई जानकारी का विपरीत रूप से और निष्कर्षों का विवरण नीचे

\[ \text{दिए गए अनुसारों में} \] किया गया है।
2.2 जनसांख्यिकीय रूपरेखा

20. पीआईए धनबाद म्यूनिसिपल काम्याबीशन (डीएमसी) के भीतर मुख्य रूप से एक शहरी और अर्थ शहरी क्षेत्र है। जनवरी-मार्च 2011 के महीने में आवोजित एसईएस के मुताबिक, 2011 की जनगणना में लिंगानुपात में पुरुष थोड़े अधिक है। प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 453 है जो कि 2011 की जनगणना के मुकाबले डीएमसी के औसत 408 से अधिक है। [2] हिंदू धर्म प्रभुत्र है, जिसके बाद इस्लाम और ईसाई हैं।

2.3 परिवार का प्रकार

21. नमूना परिवारों में से अधिकांश एकल परिवार हैं, जिनमें माता-पिता और अविवहित बच्चे हैं। इनकी संख्या 63% है। "संयुक्त" परिवारों का 32% हिस्सा है, जिनमें माता-पिता के साथ विवाहित पुत्र/बेटिया शामिल है। इसके अलावा, परिवारों की कुल संख्या का 5% "विरस्त" परिवार हैं, जिनमें माता-पिता के साथ सभी भाई और उनके परिवार एक साथ रहते हैं। पीआईए में औसत परिवार का आकार 4.4 है।

2.4 अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति का जनसंख्या

22. 2011 की जनगणना के अनुसार, अनुसूचित जाति (अनुसूचित जाति) की आबादी 90.96% जबकि अनुसूचित जनजाति (एसटी) डीएमसी की कुल आबादी का 1.66% था। पीआईए में अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति केंद्र राजस्थान: 92% और 50% है।

2.5 साक्षरता

23. नमूना आबादी की कुल साक्षरता दर काफी अधिक 60% है। यह झारखंड राज्य की औसत साक्षरता दर 67.62% से अधिक है और डीएमसी (84.67%) की साक्षरता दर से अधिक है। इन साक्षरताओं में सामाजिक (25%) दसवीं तक शिक्षा हासिल करने वाले हैं जबकि इसके बाद पांचवीं तक की शिक्षा हासिल लोग (20%) हैं।

2.6 अर्थव्यवस्था

24. नमूना आबादी (83%) का अधिकांश प्रति वर्ष 30,000 से लेकर 700,000 रुपये तक की आय अर्जित करता है। 22% लोग ऐसे हैं जो 700,000 से लेकर 300,000 रुपये तक की आय समूह में शामिल हैं। पीआईए में 20% आबादी ऐसी थी जिसकी सालाना आय 3,00,000 रुपये से अधिक थी। 30,000 रुपये से कम आय वाले गरीब परिवारों की संख्या (92%) में बढ़ी है। नमूना परिवारों की औसत वार्षिक घरेलू आय ८,७५५ / रुपये थी—जो कि प्रति व्यक्ति वार्षिक आय ९,५०५ रुपये या प्रति गैर मह व्यक्ति वार्षिक आय ७,५०५ रुपये है। जहां तक किसी किसी परिवार के औसत घरेलू खर्च का सवाल है तो उसका मुख्य हिस्सा (४३%) सबसे आवश्यक दूरी उपभोग वस्तुओं पर खर्च होता है। इनमें खाद्य पदार्थ हैं। 'अन्न और ज्वाला' के पुगातम में औसत परिवार का वार्षिक व्यय ४.४% है।

[2] 2011 की जनगणना के अनुसार, धनबाद शहर की जनसंख्या ३,७५२,४३२ थी। पुरुषों की संख्या (५४%६२) जनसंख्या का ५२% और महिलाओं (४७.४७६०) की ४८% है। इसका लिंग अनुपात ८४:५३ है। धनबाद की औसत साक्षरता दर ५४.३४% है।
2.7 कुल श्रमिक

23. परियोजना पीढ़ियों के तहत कार्यरत आबादी में 54% ३०-४५ वर्ष के आयु समूह में है। गैर-कामकाजी आबादी का एक बड़ा हिस्सा महिलाओं (५५%) है, जो याददाश्त गृहिणिया हैं और यह पूरी तरह घर के काम में लगी हुई हैं। अधिकांश कामकाजी आबादी (३५ प्रतिशत) व्यापार और व्यवसाय में लगी है जिनमें दुकानदार, छोटे संबंध, परिवहन संचालक या दलाल हैं। ९८% सरकारी नौकरी में, अर्थ सरकारी या निजी सेवाओं (६६%) में है। सभी व्यवसायों में पुरुष और महिला श्रमिकों के बीच एक विशाल असमानता है। नमूने के रूप में शामिल कामकाजी आबादी में कुशल श्रम और अकुशल श्रम बल का हिस्सा क्रमशः ३१% और २७% है।

2.8 अन्य सामाजिक सुविधाएं

24. सभी समूहों में २ किमी के भीतर प्राथमिक विद्यालय हैं, उच्च विद्यालय/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ४ किमी के भीतर स्थित हैं। कुछ आंगनवाड़ी केंद्र द्वारा कार्य करते हैं। नमूना आबादी में से अधिकांश टॉकी सुरक्षित पीने के पानी की पहुँच नहीं है क्योंकि पानी के सोते में प्लोट, आर्थिक और आयरन हैं। पक्की [३] नाली कुछ स्थानों पर मौजूद है, लेकिन वर्तमान में बहुत ही खराब स्थिति में है। याददाश्त नालियाँ या तो कच्ची [४] हैं या कोई नालिया नहीं हैं।

2.9 निशाचता जनसंख्या

25. कुल नमूना परिवारों में से कुल ३०% परिवार गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) की श्रेणी में, २% बहुत गरीब, ५०% अनुसूचित जाति, २२% अनुसूचित जनजाति और ९% परिवारों की मुखिया महिलाएं हैं।

लाइन का: निशाचता का प्रकार

<table>
<thead>
<tr>
<th>संरचना का प्रकार</th>
<th>कुल एचएच का %</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>अनुसूचित जनजाति</td>
<td>३२.0%</td>
</tr>
<tr>
<td>अनुसूचित जाति</td>
<td>३०.0%</td>
</tr>
<tr>
<td>गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल)</td>
<td>५०.0%</td>
</tr>
<tr>
<td>बहुत गरीब</td>
<td>२.0%</td>
</tr>
<tr>
<td>महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवार</td>
<td>९.0%</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>३६.0%</td>
</tr>
</tbody>
</table>

[३] स्थानीय नालियाँ  
[४] अस्थाई नालियाँ
2.10 गरीबी का विश्लेषण

26. एचआईएस के मुलाखित पीआईए में 95% परिवार गरीबी रेखा से नीचे रह रहे हैं और जनसंख्या का 2% बेहद गरीब है। सर्वश्रेष्ठ में पता चलता है कि 49% परिवारों ने बचत की आदत विकसित की है, जो स्वयं पीआईए में सामाजिक सुख के संगठनों के बारे में जागरूकता का एक संकेत है।

2.11 प्रबंध

27. हाल ही के वर्षों में 10% परिवारों ने परियोजना प्रभाव क्षेत्र से पहले निकाल लिया है।

2.12 लिंग विश्लेषण

28. पीआईए में एकत्रित सभी आयु वर्गों की कुल आबादी 46.3 है। लिंग अनुपात 0-6 साल (1000) और 60+ वर्ष (1000) के आयु वर्ग में सबसे अधिक है जो महिला-पुरुष का समान अनुपात दर्शाता है।

2.13 मूल निवासी

29. मूलनिवासी जन शुद्धिकर्म (आईपीएफ) पर विचार करने वाली उपपरियोजना की स्क्रीनिंग में यह सामने आता है कि वहां का कोई मूल निवासी नहीं है और न ही पीआईए से कोई सामूहिक तालुकक है। इसलिए प्रस्तावित उपपरियोजना का मूल निवासियों पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा।
अध्याय 3: विकल्पों का विश्लेषण

3.9 भूमिका

30. विकल्पों का विश्लेषण महत्त्वपूर्ण अभ्यासों में से एक है, जिसकी प्रस्तावित परियोजना के संपर्क में विकल्पों का स्थान, प्रीडोर्मीक, रचना व संचालन के संबंध में पता लगाने के लिए जरूरत होती है। सर्वाधिक संभावित विकल्प को जब अंतिम रूप देते हुए, इस पर विचार करने के लिए संभावित सामाजिक प्रभाव की तीव्रता एक महत्त्वपूर्ण मानक है।

31. इस उप-परियोजना के लिए विकल्पों के विश्लेषण को दो स्तरों पर रखा गया है | पहले, "परियोजना-परिदृश्यों के साथ व उनके बगैर" पर विचार कर वैकल्पिक विश्लेषण किया गया था, जिसमें उप-परियोजना के सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही संभावित सामाजिक प्रभावों पर विचार किया गया। दूसरा, वैकल्पिक के समान्य प्रवाह और रचना के साथ-साथ संचालनों पर वैकल्पिक डिजाइन के प्रभाव के लिए डिजाइन नामकों को हासिल करने की आवश्यकता को समझने में डिजाइन को अंतिम तौर पर निर्धारित करने के दौरान एक विश्लेषण किया गया है। भिन्न रंग में दोनों विश्लेषणों का विस्तृत रूप से वर्णन है:

3.2 परियोजना-परिदृश्यों के "साथ" व उनके "बगैर"

32. धनबाद नगर की आबादी १८,५२,४७२ (२०११) है व कूल पंजीकृत वाहनों की संख्या २,५२,००० (२०११) है | जबकि आबादी में सामाजिक वृद्धि की दर २.५ प्रतिशत या अधिक है, लेकिन वाहनों में वृद्धि ५ प्रतिशत से अधिक है। अतः रचना २०२० तक १०,००० वाहनों की वृद्धि होगी। बिना परियोजना-परिदृश्यों के भागों में, रचना सड़कों को बैतल ही माना जाएगा। सड़कों का जाल संरक्षित है और विश्वविद्यालय यातायात के संचालन को संभालने में असमर्थ है। प्रस्तावित सड़कों कई भागों में खराब हो चुकी हैं और सर्वाधिक की चालू सड़कें बड़ा मरम्मत और खर्च की मौजूद करती हैं। आवश्यक सारखाव और बजरी का उर्जास मानवीय व पर्यावरणीय लागतों सामने लाया खर्च करते हैं। खराब सड़कों के कारण सड़क-सुरक्षा कम है, यात्रा का समय अनावश्यक रूप से लंबा और प्रभाव बाध्यकुक्त व अनुभविकीय हो जाता है। भिन्न तालिका ४, दो परिदृश्य (१) "परियोजना के साथ" एवं (२) "परियोजना के बगैर" के प्रभावों को विश्लेषण से प्रस्तुत करती है।
<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र. सं.</th>
<th>&quot;परियोजना के साथ&quot; के परिदृश्यों के प्रभाव</th>
<th>&quot;परियोजना के बगीच&quot; के परिदृश्यों के प्रभाव</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>सकारात्मक</td>
<td>नकारात्मक</td>
<td>सकारात्मक</td>
</tr>
<tr>
<td>1</td>
<td>• इधन की बर्बादी तथा वाहनों से उत्सर्जन में कमी, क्योंकि सड़क क्र. 11 में सुधार के कारण दुर्घटनाओं के संबंध में न्यूनतम होने की आशा है।&lt;br&gt;• सड़क क्र. 11 में सुधार, प्रजनन में ट्राफिक की तेजी को भी कम करेगा।&lt;br&gt;• सड़कों में सुधार के कारण वाहनियों का सरल संचालन।&lt;br&gt;• सवारी की सुखदी हुई गुणवत्ता व सरल यातायात प्रवाह के मामले में सेवा का बेहतर राज।&lt;br&gt;• दुर्घटना की दर में कमी।&lt;br&gt;• परिवहन खर्च में कमी।</td>
<td>• जमीन के इस्लामाल के प्रतिरूप में छोटे परिवर्तन।&lt;br&gt;• जीविकोपालन में अस्थायी हानि।&lt;br&gt;• बड़े स्तर पर निर्माण के दौरान मिट्टी के काम के कारण धूल में अव्यवस्थाएं के लिए वृद्धि।</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>• सेवाओं के लिए बेहतर पहुँच।&lt;br&gt;• जीवन की गुणवत्ता में सुधार।</td>
<td>शून्य</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>• परियोजना के नियोजन के दौरान स्थानीय कामनाओं को रोकू गया।</td>
<td>शून्य</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>• स्थानीय अर्थव्यवस्था की सरकार की</td>
<td>शून्य</td>
</tr>
</tbody>
</table>

33. जैसा कि उपरोक्त तालिका में प्रकट हुआ है कि परियोजना के बगीचे के परिदृश्य के मामले में, जंगलीय–वृद्धि, यातायात के प्रमाण में बढ़ती तथा आधिक विकास के कारण, फलते से ही नामुमक विचित्रताएं और बदल देने की आशा है और न ही विकाशपूर्ण कार्यक्रम है, क्योंकि यह आगे के सुधार की पहल में निष्कासन से रहने और आधिक विकास में रहस्यवत उत्पन्न करेगा। इसलिए क्षेत्र के कुल विकास के सन्दर्भ में "परियोजना के साथ" परिदृश्य सराहनीय संभव नामूना पहुँच है।
3.3 परियोजना डिजाइन विकल्प

34. 'परियोजना के साथ' परिदृश्य को अतिम रूप देने के साथ दी गई विशेषण के अनुसार रंग को संपन्न किया गया, जिससे उस सर्वाधिक संभव हिज्जाइन को तय किया जा सके, जो डिजाइन मानकों से मेल खाए और साथ ही जिसके पर्यावरणीय व सामाजिक प्रभाव न्युनतम हो। परियोजना में केवल मौजूदा आधारित संरचना को उन्नत करना शामिल है और इसमें किसी संरचना का निर्माण सम्भव नहीं है। भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) द्वारा उपलब्ध अनुसंधानों के अनुसार प्रस्तावित उप-परियोजना के लिए उच्च मार्ग-अधिकार की जरूरत है। यद्यपि समाज पर न्यूनतम नकारात्मक प्रभाव हो, यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण से बचने हेतु कई प्रामाण्य लिए गए। डिजाइन तय करने के लिए विभिन्न अनुग्रह-कार्य व सुविधाओं के साथ दो डिजाइन विकल्पों पर विचार किया गया। ये दोनों विकल्प व साथ में उनकी प्रस्तावित विशिष्टताओं को नीचे तालिका 5 में विस्तार से बताया गया है।

तालिका ५: वैकल्पिक डिजाइन की पसंद जिन पर ध्यान दिया

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रम</th>
<th>प्रारूपिक अनुप्रस्त कार्य में समझौता किया के लिए</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>I</td>
<td>आरंभिकलयू- ४५एम</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>लेन का क्रमांक -४</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>सेवा सड़क- मौजूद</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>साइकिल पथ- मौजूद</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रम</th>
<th>प्रारूपिक अनुप्रस्त कार्य में समझौता किया के लिए</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>II</td>
<td>आरंभिकलयू- २५एम</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>लेन का क्रमांक -४</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>सेवा सड़क- अनुपश्चित</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>साइकिल पथ- अनुपश्चित</td>
</tr>
</tbody>
</table>

35. विकल्प I व विकल्प II में दोनों सामाजिक प्रभावों की श्रेणी सकारात्मक व नकारात्मक हो सकती है। सामाजिक दृष्टिकोण से पसंद I व पसंद II के लाभ व नुकसान तालिका 6 में प्रस्तुत किए गए हैं।
<table>
<thead>
<tr>
<th>विकल्प-ि</th>
<th>लाम :</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>क) इस मार्गिका के अंतर्गत सेवा सड़क पर विचार हुआ</td>
<td>सेवा सड़क का उपयोग वैकल्पिक रूप से उन सड़क-उपयोगकर्ताओं द्वारा किया जा सकता है, जो अधिक गति व अधिक मात्रा में यातायात के प्रति बहुत प्रभावशील होते (जैसे कि बाईसिकल सवार/पदयात्री) है।</td>
</tr>
<tr>
<td>ख) यातायात की भीड़माध्य में कमी</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

| नुकसान : |
|---|---|
| क) डिजाइन से उन मंदिरों का स्थानांतरण होगा, जो आरंभिकल्यू में हैं। |
| ख) मंदिरों के स्थानांतरण के पहले स्थानीय लोगों की सहमति की जरूरत है। मंदिर के स्थानांतरण के लिए भूति का बचन चुनौती खड़ी करेगा। |
| ग) करीब 1500 वृक्षों को काट गिराना। |

<table>
<thead>
<tr>
<th>विकल्प-िि</th>
<th>लाम :</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>क) आरंभिकल्यू में मौजूद मंदिरों के स्थानांतरण की जरूरत नहीं होगी।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>नुकसान :</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क) सड़क के संचालन अवधि के दौरान, मंदिर के नजदीक लौहार का दौर होने के कारण विशाल भीड़ जमा हो सकती है और उससे दुर्घटना की दर बढ़ रही है।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>ख) सेवा सड़क की गैर-मौजूद मंदिर उन सड़क के उपयोगकर्ताओं (साइकिल सवार/पदयात्री) को प्रभाव कर सकती है, जो मुख्य सड़क पर अधिक गति व अधिक मात्रा में यातायात से बहुत प्रभावित होते हैं। इससे सुरक्षा जोखिम में आ सकती है।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>ग) आरंभिकल्यू की गैर-उपलब्धता के कारण जंक्शन विचार डिजाइन के साथ समझौता किया जा सकता है।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>घ) करीब 1000 वृक्षों को काट गिराना।</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

26. विकल्प एक के मामले में मंदिर के स्थानांतरण की समस्या पर चर्चा करने के लिए, प्रोजेक्ट गतिविधियों के हिस्से की प्रांरेखीय परमाणु में अंतिम रूप दिया गया। परमाणु के दौरान चर्चा की गई कि मंदिरों का स्थानांतरण संभव है। साथ ही आईआईसी की जरूरत के संदर्भ में सड़क सुरक्षा पर भी ध्यान देते हुए विकल्प संबंधित संबंध लगा। मार्गिका में अंतिम डिजाइन के दौरान विकल्प पर विचार किया गया। |
अध्याय ४: सामाजिक प्रभावो का मूल्यांकन

4.1 भूमिका

39. इस वर्ण पर सामाजिक प्रभावों के मूल्यांकन का लक्ष्य समुदाय व वस्ती पर परियोजना के प्रभाव का दर्शावेजीकरण करना है, जिससे कि पुनर्वास व पुनस्थापन की रुपरेखा तैयार की जा सके व सामाजिक प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारियाँ उपलब्ध कराई जा सकें। प्रस्तावित परियोजना यादि क्षेत्र में उल्लेखनीय रूप से सामाजिक व आर्थिक विकास लागू, लेकिन यह साथ ही प्रस्तावित आरोपीपथम में आवश्यक परियोजना साधन के साथ परिसंपर्शियों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगी। निम्न खंडों में परियोजना के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों दोनों पर चर्चा है।

4.2 परियोजना के सकारात्मक प्रभाव

38. प्रस्तावित उप-परियोजना के संमेलन व कई सकारात्मक प्रभाव है, जिन पर नीचे चर्चा की गई है:

- **काम के अवसर**: स्थानीय समुदायों में यह रोजगार के अवसर लाएगी, विशेषकर उनके लिए जो मेहनतापर मजदूरी, विशेषकर मजदूरी लाते आदि हैं। निर्माण, कारखाने, व्यवसाय व साथ ही घरेलू, काम के लिए लोग दूर के स्थानों के लिए यात्रा कर सकते हैं।

- **बेहतर अनुकूलन**: गाँवों, समुदायों व शहरी क्षेत्रों में बाजार की सुविधाएँ, स्वास्थ्य केंद्र, शिक्षा आदि की अग्रणी पहुँच के लिए बेहतर संरचना उपलब्ध कराएगी।

- **निर्माण के लिए आवश्यकता**: यह शहरी उद्यमियों को प्रोत्साहित करेगी कि वह दूर के क्षेत्रों की वाणिज्यिक खेती व औद्योगिक गतिविधियों में निवेश करें।

- **सेवाओं पहुँच को दुरावरण**: तुरंत आवश्यक के जिसे देखता, स्वास्थ्य केंद्र, सार्वजनिक वितरण प्रणाली आदि की पहुँच के लिए यह मदद पहुँचाएगी।

4.3 परियोजना के नकारात्मक प्रभाव

39. स्थानीय समुदायों पर यह परियोजना कुछ प्रतिकूल प्रभाव भी डालेगी। कुछ नुकसान प्रक्ष होते हैं। लोगों को संबंध प्रक्ष का नुकसान का अनुभव होगा, वे हैं—

- संस्थानों पर प्रभाव— आवासीय, वाणिज्यिक, आवासीय—सह—वाणिज्यिक।

- जीविका पर प्रभाव।

- साज्जा संस्थानों व धार्मिक दौड़ों के नुकसान।
40. उप-परियोजना में कोई भूमि-अधिग्रहण नहीं है तथा पीआरआउटब्लू के अंतर्गत जो संरचनायें हैं, वे
गैर-विभाजित पहाड़ों की हैं। चन्द्रबंद में सड़क क्र. एनसीई- 01 एवं एनसीई- 02 पर २५८ संरचनायें प्रभावित हुई हैं
और २७ परियोजना प्रस्तावित सड़क पर मैदानी मोड से जीओप्ले मद्द नहीं होकर काफी चोक से विनियोग विभाजी चोक तक के
निर्माण के कारण प्रभावित हुए हैं। परियोजना के प्रतिकूल सामाजिक प्रभाव विस्तृत रूप से नीचे दिये गए हैं:

* इस परियोजना के कारण वे २५८ संरचनायें जो मार्ग-अधिकार पर स्थित हैं, वे नष्ट किए जाएंगे और इन दोनों को
नष्ट करने के कारण २५८ परियोजना प्रभावित होंगे।

* नई सड़क के निर्माण से लोगों का लिंक प्रतिबंध का काम प्रभावित होगा।

* कुल समय के लिए साझा संपत्तियों पर पहुँच कठिन हो जाएगी।

* निर्माण-विनियोग के कारण यातायात-जमाब बढ़ जाएगा।

* कुल समय के लिए आर्थिक गतिशीलता प्रभावित हो सकती हैं।

41. जनगणना का सामाजिक-आर्थिक स्वरुप २०११ को सुरू हुआ, इसलिए निर्दिष्ट दिनांक २ मार्च २०११ है।

4.4. उप-परियोजना के कारण संरचित रूप से प्रभावित होनेवाली संपत्तियाँ

42. इस परियोजना के प्रस्तावित सड़क सुविधा के कारण संरचित रूप से प्रभावित होनेवाली संपत्तियों के विवरण संरचित
प्रस्तावना का उपयोग कर रिकार्ड कर लिए गए हैं। सामाजिक स्वरूप से इस प्रभाव का सामाजिक मूल्यांकन वर्तमान
आरआउटब्लू (जो प्रस्तावित आरआउटब्लू भी है) में किया जा चुका है। जनगणना से प्राप्त जनसंख्या से महत्वपूर्ण हुआ है कि
वर्तमान आरआउटब्लू में करीब २५८ संरचनायें हैं, जिनमें से एनसीई- ०१ के साथ २५३ संरचनायें प्रभावित हुई हैं और
एनसीई- ०२ के साथ ५ संरचनायें प्रभावित होनेवाली हैं। परियोजना सड़कों के साथ निम्न खंड प्रभावित संरचनाओं के
विवरण के बारे में हैं। निम्न तालिका में एनसीई- ०१ और एनसीई- ०२ के अंतर्गत प्रभावित संपत्तियों की संख्या दी गई है।

<table>
<thead>
<tr>
<th>सं. क्र.</th>
<th>विवरण</th>
<th>एनसीई- ०१</th>
<th>एनसीई- ०२</th>
<th>कुल</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>१.</td>
<td>दौड़ा</td>
<td>१३४</td>
<td>१२३</td>
<td>२५७</td>
</tr>
<tr>
<td>२.</td>
<td>सीपीआर-एस</td>
<td>०५</td>
<td>०</td>
<td>०५</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>१४३</td>
<td>१२६</td>
<td>२६९</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्थः: जनगणना स्वरूप, जूनको, मार्च २०११

4.4.9 प्रभावित होनेवाली निजी संपत्तियों

43. उन कुल निजी संपत्तियों की संख्या का अनुमान २५८ की संख्या है, जो परियोजना के कारण संरचित रूप से प्रभावित हो
सकती हैं (अनुमानक है)। इस कुल निजी संपत्तियों में से २० से एनसीई- ०१ के साथ १६३ संरचनायें हैं और एनसीई- ०२ के साथ साथ ५५
हैं। साथ ही इन निजी संपत्तियों की खींच विभिन्न श्रेणियों में की गई है, जिनसे नीचे सुलभ निर्णय किया गया है। कुल प्रभावित निजी
संपत्तियों में से २३७ प्रकृति के अनुसार वाणिज्यिक हैं। ये अधिकांश वाणिज्यिक संपत्तियों (२३७ संरचनाओं में से १५४) एनसीई- ०१
के साथ हैं। निम्न तालिका में परियोजना सड़कें एनसीई- ०१ और एनसीई- ०२ के साथ, निजी संपत्तियों का प्रकार दिये गए हैं।
### तालिका 8: प्रभावित निजी संपत्तियों का प्रकार

<table>
<thead>
<tr>
<th>सं. क्र.</th>
<th>धारा का प्रकार</th>
<th>एनसीबी— 01</th>
<th>एनसीबी— 02</th>
<th>कुल</th>
<th>(%)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>आर्थिक</td>
<td>8</td>
<td>2</td>
<td>10</td>
<td>3.88</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>वाणिज्यिक</td>
<td>186</td>
<td>88</td>
<td>274</td>
<td>64.86</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>आर्थिक सह वाणिज्यिक</td>
<td>1</td>
<td>2</td>
<td>3</td>
<td>9.16</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>कानूनी वार्ता</td>
<td>4</td>
<td>1</td>
<td>5</td>
<td>1.64</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>उपयोग में नहीं</td>
<td>1</td>
<td>2</td>
<td>3</td>
<td>9.16</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td></td>
<td>163</td>
<td>65</td>
<td>228</td>
<td>100.00</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जनगणना सर्वेक्षण, जून, मार्च 2017

#### 4.4.2 प्रभावित सर्वेक्षनों के निर्माण का प्रकार

44. निर्मित सर्वेक्षनों में से अधिकतर संस्था जो संभावित रूप से दोनों सड़कों के प्रभाव गलियारे में रही हैं, वे प्रकृतिगत रूप से अस्थायी (क्रेडिट 49%) हैं। सर्वेक्षनों के निर्माण के प्रकार के विवरण को संक्षिप्त रूप में तालिका 8 में दिया गया है।

### तालिका 9: एनसीबी— 01 एवं एनसीबी— 02 के साथ निर्माण का प्रकार

<table>
<thead>
<tr>
<th>सं. क्र.</th>
<th>निर्माण का प्रकार</th>
<th>एनसीबी— 01</th>
<th>एनसीबी— 02</th>
<th>कुल</th>
<th>(%)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>स्थायी</td>
<td>52</td>
<td>16</td>
<td>68</td>
<td>26.36</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>अव्य-स्थायी</td>
<td>54</td>
<td>15</td>
<td>69</td>
<td>26.28</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>अस्थायी</td>
<td>67</td>
<td>60</td>
<td>127</td>
<td>44.34</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td></td>
<td>163</td>
<td>65</td>
<td>228</td>
<td>100.00</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जनगणना सर्वेक्षण, जून, मार्च 2017

#### 4.4.3 संपत्तियों का स्वामित्व

45. जनगणना का सर्वेक्षण यह भी संतुष्टि प्राप्त करता है कि सभी प्रभावित ढांचे गैर-स्वामित्वकारियों के हैं। दोनों सड़कों के प्रभाव गलियारे की सर्वेक्षनों के अधीन कार या तो अतिक्रमणकारी या अव्य रूप से रहनेवाले हैं। प्रभाव गलियारे में जो संपत्ति है, उसका वस्तुविभाजन तालिका 10 में उनके स्वामित्व के प्रकार के अनुसार किया गया है।

### तालिका 10: संपत्तियों का स्वामित्व

<table>
<thead>
<tr>
<th>सं. क्र.</th>
<th>क्रम का प्रकार</th>
<th>एनसीबी— 01</th>
<th>एनसीबी— 02</th>
<th>कुल</th>
<th>(%)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>अतिक्रमणकारी</td>
<td>75</td>
<td>48</td>
<td>123</td>
<td>43.80</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>अव्य रूप से रहनेवाले</td>
<td>56</td>
<td>40</td>
<td>68</td>
<td>28.39</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>वाणिज्यिक होंदर</td>
<td>2</td>
<td>6</td>
<td>8</td>
<td>3.26</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>किराएदार</td>
<td>28</td>
<td>7</td>
<td>35</td>
<td>12.83</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td></td>
<td>163</td>
<td>65</td>
<td>228</td>
<td>100.00</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जनगणना सर्वेक्षण, जून, मार्च 2017
### 4.4.5 परियोजना से प्रभावित व्यक्तियों की सामाजिक रूपरेखा

46. जनगणना के संरक्षण का उद्देश्य प्रभावित संपत्तियों का ज्ञात होना है परियोजनाओं से प्रभावित व्यक्तियों (पीएच-एस) का एक विस्तृत डेटाबेस तैयार करना था, जिससे परियोजना से प्रभावित क्षेत्र के सामाजिक रूपरेखा को समझा जा सके। इससे परियोजना के कार्यान्वयन से प्रभावित क्षेत्र के समुदायों की जीवन-शैली में बढ़ा हस्तक्षेप के रूप में आए सकारात्मक बन नकारात्मक परिवर्तनों को जानने में मदद मिलती है। जनगणना के संरक्षण के दौरान एकत्रित प्राथमिक जानकारी के आधार पर प्रभावित जनसंख्या के सामाजिक रूपरेखा के मूल्यांकन की रूपरेखा निम्न अनुशंसेदाते हैं।

#### 4.4.5.1 पीएच-एस की धार्मिक श्रेणियाँ

47. किसी भी क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास व साथ ही पेशेवर प्रतिष्ठान को मान्य करने हेतु सामाजिक रिवाज व परंपरा मुख्य भूमिका निभाते हैं। इसे ज्ञात करने के लिये पीएच-एस की धार्मिक रूपरेखा की जांच की गई। परियोजना सरकार में अधिकांश पीएच-एस ही है वर्तमान में 84.88%। यह धार्मिक संरचनाओं के प्रकार में भी प्रतिबिंबित हुआ है, क्योंकि सभी प्रभावित धार्मिक संरचनायें (कुल संख्या 3) में हैं।

#### तालिका 11: परियोजना सड़क के साथ पीएच-एस की धार्मिक श्रेणियाँ

<table>
<thead>
<tr>
<th>नं.</th>
<th>धार्मिक समुह</th>
<th>एनसीबी- 01</th>
<th>एनसीबी- 02</th>
<th>कुल</th>
<th>% उम्र</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>हिंदू</td>
<td>936</td>
<td>80</td>
<td>1016</td>
<td>84.88</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>मुस्लिम</td>
<td>8</td>
<td>4</td>
<td>12</td>
<td>5.04</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>जात नहीं</td>
<td>14</td>
<td>11</td>
<td>25</td>
<td>20.08</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>963</td>
<td>65</td>
<td>258</td>
<td>1000</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जनगणना संरक्षण, जुल्लूबन, मार्च 2017

#### 4.4.5.2 पीएच-एस की सामाजिक श्रेणियाँ

48. आंकड़े व्याख्यानीय हैं कि अधिकांश प्रभावित क्षेत्र निष्पादन क्षेत्र में से आते हैं। कुल पीएच-एस में से 23.77% ओबीसी रूप का रूप है और उसके बाद 36.6% बांदे रूप का रूप है। केवल 20% एसटी क्षेत्र, एनसीबी- 02 के साथ परियोजना के क्षेत्र प्रभावित है। अनुशंसित पीएच-एस की आबादी अब आबादी की मुख्य धारा में है और अब उनकी कोई गोल्डनिक्स विश्वसनीय नहीं है।

#### तालिका 12: परियोजना सड़क के साथ पीएच-एस का सामाजिक स्तर

<table>
<thead>
<tr>
<th>सं. क्र.</th>
<th>सामाजिक श्रेणी</th>
<th>एनसीबी- 01</th>
<th>एनसीबी- 02</th>
<th>कुल</th>
<th>% उम्र</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>सामाजिक जाति</td>
<td>67</td>
<td>66</td>
<td>133</td>
<td>66.34</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>ओबीसी</td>
<td>48</td>
<td>12</td>
<td>60</td>
<td>37.71</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>एसटी</td>
<td>9</td>
<td>8</td>
<td>17</td>
<td>37.71</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>एसटी</td>
<td>0</td>
<td>2</td>
<td>2</td>
<td>0.84</td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>जात नहीं</td>
<td>15</td>
<td>17</td>
<td>32</td>
<td>50.08</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>96</td>
<td>65</td>
<td>258</td>
<td>1000</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जनगणना संरक्षण, जुल्लूबन, मार्च 2017
4.5.3 निष्कांत समूह

49. अतः—स्वच्छन्दशैली पीएच—एस (मरीजी रेखा के नीचे के परियोजना, नारी—मुखिया कुटब (डबल्यूएचएच), एकल दुर्ग व शारीरिक रूप से विकलंग) मुखिया कुटुंबों के बारे में जानने के लिए एक मूल्यांकन किया गया। उनके कुल संख्या व प्रतिशत के रूप में फैलाव के विभाजन को नीचे बताया गया है। ऑफ़के बताते हैं कि २५८ प्रभावित कुटुंबों में से मात्र ७५ बीपीएल कुटुंब हैं और केवल ३ कुटुंब डबल्यूएचएच में है।

तालिका ५३: परियोजना सड़क के साथ निष्कांत समूह

<table>
<thead>
<tr>
<th>सं. क्र.</th>
<th>एनसीबी— ०९</th>
<th>एनसीबी— ०२</th>
<th>कुल</th>
<th>(%)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>१</td>
<td>बीपीएल</td>
<td>६</td>
<td>८</td>
<td>१५</td>
</tr>
<tr>
<td>२</td>
<td>ऑब्सी</td>
<td>२</td>
<td>०</td>
<td>२</td>
</tr>
<tr>
<td>३</td>
<td>डबल्यूएचएच</td>
<td>०</td>
<td>१</td>
<td>१</td>
</tr>
<tr>
<td>कुल</td>
<td>८</td>
<td>१०</td>
<td>१८</td>
<td>६.६६%</td>
</tr>
</tbody>
</table>

स्रोत: जनगणना सर्वेक्षण, जुलाई 2019

4.6 निष्कर्ष

५०. परियोजनाओं के कारण प्रभावित व्यक्तियों का सामाजिक—आर्थिक विकल्पण बताता है कि अधिकांश रूप से प्रभावित संरचनाओं जो दोनों सड़कों के गलियारे में हैं, ये प्रकृति के अनुसार वाणिज्यिक हैं। परियोजनाओं के कार्यन्यान के कारण, उनकी जीविका पर प्रभाव पड़ेगा। इसके मददजर पर्यावरण कदमों को उठाने की जरूरत है, जिन्हें आरएच में समाहित किया जाए और उन प्रभावित कुटुंबों के लिए जो गीर—व्यावसायिक हैं, उनकी जीविका में सहयोग / मदद हेतु प्राक्कलनों को परियोजनाओं का प्रभाव मानक में समाहित करने की जरूरत है।
अध्याय ५ जन परामर्श

5.1 भूमिका

5१. जन परामर्श व प्रकटन के रूप में हिताधिकारी को समाजवाद का व्याख्यातिक कर बताया गया है कि वह परियोजना का दल तथा लक्ष्य और प्रभावी समूहों के बीच धि-मार्गी संचार है। हिताधिकारियों की इस सहभागिता का लक्ष्य प्राथमिक रूप से शिक्षा और खुली चर्चा के द्वारा कठिन वातावरण के प्रभावों को कम करते हुए विकास की गतिविधि या परियोजना के बारे में लोगों की समझ व उनकी स्वीकृति को प्रोत्साहित करना है। यह उत्तम प्रकार से जन-संचार व प्रकटन नीति को योजनाबद्ध तरीके से अपनाकर किया जा सकता है। जन/समुदायिक प्रतिक, समूह कंडिट, चर्चा, मुख्य जाणकारियों के बारे में साझेदारी आदि करने की जरूरत रहती है। बदले में लोगों की प्रतिक्रिया का उपयोग परियोजना डिजाइन के सुधार में सुधारक अवधारणायें हेतु किया जा सकता है। परियोजना के रूप में कार्यान्वयन के लिए यह जरूरी है। पूरी परियोजना में दोनों में ही तैयारी, कार्यान्वयन व निर्माणी के चरणों के दौरान यह एक सतत प्रक्रिया होती है। परियोजना के चक्क में यह वह प्रक्रिया है, जिसमें परामर्श व समूह कंडिट चर्चा की बैठकों के द्वारा, लोगों को हिताधिकारियों के रूप में परियोजना की तैयारी व उसके कार्यान्वयन में शामिल करने हेतु प्रयास किया जाता है।

5२. यद्यपि इस उप-परियोजना में कोई भूमि-अधिग्रहण शामिल नहीं है, लेकिन प्रस्तावित आरोपोंका का अतिक्रमण हुआ है और इसलिए यह संरचनाओं को प्राधिकत करेगा। इसलिए परियोजना के कार्यान्वयन के फलस्वरूप प्रभावित आबादी के लिए गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इन समस्याओं को कम किया जा सकता है, यदि आरोपी के कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में लोगों को ठीक से परियोजना के बारे में बताया जाए व सत्ता ती जाए और उनके मामलों की स्थिति व प्राथमिकताओं हेतु सार्थक विकल्प चुनने की अनुमति दी जाए। इससे परियोजना के बारे में अस्पष्ट को बना होगा, अन्यथा जो संभवतः उत्पन्न हो सकता है।

5.2 परामर्श का तरीका

5३. विभिन्न स्तरों पर परियोजना क्षेत्र में आर एेंड आर के मुद्दे से संबंधित जन परामर्श आयोजित हुए। हिताधिकारियों के साथ परामर्श के दौरान विभिन्न तकनीकों को अपनाया गया, जैसे कि साझेदारा, जन-सामाजिक, समूह-चर्चा आदि। परामर्श के उदेश्य इस प्रकार हैं:

• प्रभावित आबादी में परियोजना के बारे में जागरूकता निर्मित करना।
• निजी संपत्तियों, आर्थिक संसाधनों, जीविका पर जो प्रतिकूल प्रभाव हुए उनके बारे में एवं आरएपी में शमन हेतु जिन उपायों पर चर्चा हुई, उनके बारे में पीएपी-एस को जानकारियों उपलब्ध कराना।
• परियोजना के बारे में पीएपी-एस व अन्य हिताधिकारियों के दृष्टिकोणों का संज्ञान लेना व साथ ही परियोजना के बेहतर कार्यनिष्ठ हेतु उनके युगल देने हेतु अनुश्रुवित भी करना।

5.3 हिताधिकार पहचान मानक

54. परियोजना से प्रभाव या प्रभाव रूप से संबंध सभी पहचाने गए व्यक्तियों/समूहों के प्रभावों व रूपियों के रूप में हितों की सुसंगत के विश्लेषण के द्वारा परियोजना ने हिताधिकारी पहचान मानक को अपनाया है। तालिका 54 परियोजना के लिए निर्दिष्ट हिताधिकारी पहचान मानक उपलब्ध करा रही है।

<table>
<thead>
<tr>
<th>तालिका 54 : हिताधिकारी पहचान मानक</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>हिताधिकारी की क्षेत्रीय</td>
</tr>
<tr>
<td>प्रथमिक हिताधिकारी</td>
</tr>
<tr>
<td>परियोजना से प्रभावित व्यक्ति</td>
</tr>
<tr>
<td>ईई / पीआईयू</td>
</tr>
<tr>
<td>लाभार्थी</td>
</tr>
<tr>
<td>द्वितीय हिताधिकारी</td>
</tr>
<tr>
<td>नगरीय स्थानीय निकाय</td>
</tr>
<tr>
<td>राजस्व विभाग, जलसंस्थान विभाग, एसएसआई, वन विभाग</td>
</tr>
<tr>
<td>एनजीआई-एस, सीएसआई-एस, अनूसंधान संस्थाएं</td>
</tr>
<tr>
<td>संचालन, नागरिक कोर्ट</td>
</tr>
<tr>
<td>रेफ़र: मूल्यों के अध्ययन</td>
</tr>
</tbody>
</table>
5.4 विभिन्न स्तरों पर जन वर्तमान में प्रतिभागी

55. विभिन्न स्तरों जैसे कि राज्य स्तर, जिला / नगर / यूर्बनी ब्लॉक स्तरों पर परिवर्तन कार्यक्रम, पृथक कर निम्नानुसार संबंधित किए गए थे:

क. राज्य स्तर
क) झारखंड सरकार के विभिन्न मंत्रालयों व विभागों के सचिव, जिनमें निम्न शामिल हैं:

1. प्रधान सचिव, नगर विकास व आवास विभाग
2. निदेशक, राज्य नगर विकास एजन्सी
3. प्रधान सचिव, पेयजल व स्वच्छता विभाग
4. प्रधान सचिव, पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन विभाग
5. सचिव, कल्याण व आदिवासी विकास विभाग
6. सदस्य सचिव, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ख) श्रम आयुक्त, राजम, रोजगार प्रशिक्षण व कौशल विकास विभाग
g) मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग

ख. नगर/यूर्बनी ब्लॉक

क) महापिंपिय/अध्यक्ष
ख) मूलनिस्पेलितो आयुक्त
g) पारंथर
gh) निम्न विभागों के प्रतिनिधित्व:

- सड़क निर्माण विभाग
- लोक निर्माण विभाग
- जन स्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग
- यातायात पुलिस
- वन विभाग
- निःशासी विभाग
- विज्ञानी विभाग
g) टेलीफोन विभाग

ग) जगह/ स्थल स्तर

क) संभावित रूप से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों के मुख्य व सदस्य
ख) ग्रीप-एस विक्रेतागण, व्यापारी आदि के समूह
g) पीआईए के ग्रामीण

घ) स्थानीय समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ-एस)/
### 5.5 सामुदायिक परामर्श

56. मुख्य बस्तियों व नागरिक जगहों पर जन परामर्श आयोजित किए गए और आर्थिक मार्गदर्श की योजना के बारे में उन्हें सूचित कर वहाँ पीएम-एस के मंत्री/अनुभव रिकार्ड किए गए । परामर्श में स्थानीय लोगों ने सहभागिता की और उन्होंने परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर अपने बहुमुखी सुझाव दिए । इनके अतिरिक्त एसईएस व जनमान्यता के सर्वेक्षण के दौरान विशेष जन परामर्श व एफजीजी-एस में लोगों से परामर्श किया गया । उनके सुझावों के साथ इन परामर्शों का संयोजन व परियोजना के तकनीकी दल से संबंध चर्चा के परिणाम यदि कोई है, तो उन्हें नीचे तालिका 55 में प्रस्तुत किया गया है :

#### तालिका 55 : सामुदायिक परामर्श के परिणाम

<table>
<thead>
<tr>
<th>प्रतिबंध/ विभाग</th>
<th>चर्चा का सार</th>
<th>सर्वसम्मति व सुझाव</th>
<th>शमन के उपाय— तकनीकी डिजाइन हेतु आदान</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>स्थान : धनबाद, कानको चौक 13/3/2017 प्रातः 10:30</td>
<td>•परियोजना से प्रभावित संभावित व्यक्तियों, लोगों के प्रतिनिधियों, दुकानदारों, व्यवसायियों व अन्य के साथ परियोजना के लाभों व साथ ही उससे अनुमानित हानियों के संबंध में एक विवेचन भावना परमार्श आयोजित किया गया । •चर्चा के दौरान यह देखा गया कि प्रत्यक्ष परियोजना क्षेत्र के लाभों को स्थानीय लोगों द्वारा स्वीकार किया गया, लेकिन उन्हें जोर दिया कि विश्वास एवं उन लोगों को बढ़ाए कि सड़क के उपयोग में आने पर दुर्भिक्षा को कम करने के लिए वे उपचार यातायात सुरक्षा कार्यवाही को शामिल करें । •चर्चा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय था परिबंधन के बारे में, जो एक बड़े मंदिर एवं एक मूर्ति से जुड़ती है और जो परियोजना के कारण पूरी तरह प्रभावित गया । अपने प्रतिनिधियों के साथ स्थानीय आवासीय मंदिर एवं मूर्ति को पूर्ण या आश्चर्य के रूप से नष्ट करने के वे खिलाफ थे । मंदिर का निर्माण पेट्रोल पंप के मालिक श्री दिलीप व अनीसा अप्रवाश ने करवाया था । •उसी क्षेत्र में उसी समय सभी मिली महिला सहभागियों द्वारा समूह केन्द्रित चर्चा हुई ।</td>
<td>•स्थानीय लोग सहमत हैं, प्रत्यक्ष परियोजना के संबंध में, जिससे क्षेत्र में कुछ बिकास होगा, लेकिन पूरे के प्रदूषण के कारण वे आश्चर्य किए हैं । •सड़क दुर्भिक्षा की बढ़ती सुरक्षा के कारण महिला सहभागियों में उठ रहे हैं, क्योंकि यह बच्चों व छायां के संबंध में खतरनाक है, जो सामान्यतः सड़क के उपयोग में चीज़ेके नहीं रहते हैं ।</td>
<td>• यातायात सुरक्षा के लिए विशेष साक्षात्त बनाने हेतु साहसी अधिकारी सहमत हो गए हैं । यह सुझाव दिया गया है कि शासकों और इलाकों में यातायात सुरक्षा जागरूकता आत्मनिर्भर सम्पन्न किया जाए । •मंदिर के स्थानांतरण के लिए पेट्रोल पंप के मालिक श्री दिलीप व अनीसा अप्रवाश से परामर्श किया गया । यदापि कुछ लोग धार्मिक ठोस को गंट करने के खिलाफ थे, लेकिन अंत में यह तय किया गया कि यदि वैसा ही ठोस कार्यन्वयन एजुकेशन के द्वारा निर्मित किया जाता है तो उन्हें स्थानांतरण के लिए कोई आपत्ति नहीं है । पर धार्मिक-एस के एक भाग के रूप में स्थानीय लोगों ने स्थानांतरण के लिए एक प्लांट की तलाश की है</td>
</tr>
<tr>
<td>दिनांक/ स्थान</td>
<td>चर्चा का सार</td>
<td>सर्वसमता व सुझाव</td>
<td>शमन के उपाय— तकनीकी डिज़ाइन हेतु आदर्श</td>
</tr>
<tr>
<td>----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------------</td>
<td>-------------------</td>
</tr>
<tr>
<td><strong>स्थान: शक्ति चौक, धनबाद</strong> 9 9 /3/2019 साप्ताहिक 6:30</td>
<td>पत्रिका पत्रिकेवादता अथवा नगरीय क्षेत्र से गुजरती है। यह एक जंक्शन भी है और कई माल-सामान के बाहर इस जंक्शन से गुजरते हैं। पत्रिकावादता के साथ वाणिज्यिक व आयातीय संस्थान दोनों हैं। सड़क दुर्घटना व तकलीफों जैसे कि असामाजिक गतिविधियाँ जो मजबूती के आने के कारण हो सकती हैं, इनके बारे में सवाल पूछ गए।</td>
<td>• सड़क की प्रसारित पत्रिकावादता पर तीन शालाएँ हैं और लोगों ने अनुरोध किया कि दुर्घटना की जोखिम को कम करने के लिए पथयात्रा सुरक्षा की कार्यावाद को शामिल किया जाना चाहिए।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>• सूचना क्षेत्र अथवा नगरीय है और कुछ जगहों पर जहां मनोरंजन नियमित रूप से सड़क पार करते हैं। दुर्घटनाओं को कम करने के लिए मनोरंजन के पार करने के संबंध में चर्चा हुई।</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>• लोगों का यह मंतव्य था कि 2 मंदिर जो आश्चर्य रूप से प्रभावित हों, उन्हें नजरशंकर बना देना चाहिए।</td>
<td>• जबो के अपरिकृतियों के साथ स्थानीय स्तरीयों के संयुक्त प्रयास व साथ ही अन्य हिताधिकारियों, जिनमें इंदिरा गांधी समूह हैं, उन्हें स्वास्थ्य दिलाया है कि उन्हें मुश्किल उठाए गए हैं, उनके शमन हेतु उपायों को समाविष्ट किया जाएगा।</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
| | • पत्रिकावादता के साथ स्थानीय स्तरीयों के संयुक्त प्रयास व साथ ही अन्य हिताधिकारियों, जिनमें इंदिरा गांधी समूह हैं, उन्हें स्वास्थ्य दिलाया है कि उन्हें मुश्किल उठाए गए हैं, उनके शमन हेतु उपायों को समाविष्ट किया जाएगा। | स्थानीय लोगों के भय के शमन के लिए दीपीआर परमाणुएंद्रातों को रसायन दी गई कि वे नियन्त्रण प्राप्त करें। 1. उपनीति 01 के लिए पीपुल्स अंडर पास (सीपीआई) 2. जानवरों को पार करने की सुगमता के लिए 3. जानवरों अंडर पास (सीपीआई) उपनीति 01 हेतु एवं उपनीति 02 हेतु 2 प्रसारित किए गए। 3. मंदिर पर प्रभाव को स्वीकार करने हेतु अभयांतर जारी है। 4. सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान शालाओं में चलाया जाएगा। 5. मंदिरों के पुनर्वास हेतु जबर्दस्त प्राकृतिक आदर्शों में रखा गया है, लेकिन परियोजना।
<table>
<thead>
<tr>
<th>दिनांक/ स्थान</th>
<th>चर्चा का सार</th>
<th>सर्वसमति व संज्ञाव</th>
<th>शमन के उपाध–तकनीकी डिजाइन हेतु आदान</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>स्थान: विनोद बिहारी चौक, धनबाद</td>
<td>• लोगों जो अधिकांश रूप से समादित रहे, वे अवैध रूप से रहनेवाले थे (आवासीय/वाणिज्यिक/आवासीय सह वाणिज्यिक)। • डीएमिसी ने सरकार को पहले ही संन्यास कर लिया और अब वे पुनः स्थापन हेतु योजना तैयार करने की प्रक्रिया में हैं। • डीएमिसी के अनुसार 17 स्थानों की प्रचार हो चुकी है, जहाँ विक्रेताओं का पुनर्वास किया जा सकता है। • विक्रेताओं के पुनर्वास के लिए नगर निगम ने संबंधित विक्रेता संघनों से सहमतियाँ प्राप्त कर ली हैं। • लोगों ने निर्माण गतिविधियों के कारण नजरदारी के तालाबों पर होनेवाले प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की।</td>
<td>प्रशासन के द्वारा आगे प्रगति निम्नों जाने, जिनसे लोग सड़क व उन कार्यालयों का महत्व समझ सकें, जो मंदिर के पुनर्वास के लिए की जाएगी।</td>
<td>प्रशासन के द्वारा आगे प्रगति निम्नों जाने, जिनसे लोग सड़क व उन कार्यालयों का महत्व समझ सकें, जो मंदिर के पुनर्वास के लिए की जाएगी।</td>
</tr>
<tr>
<td>दोपहर 9:00</td>
<td>• दोनों सड़कों में उपलब्ध आदोव्यवस्था का उपयोग किया जाएगा और कोई भूमि अधिग्रहण नहीं होगा। • अवैध रूप से रहनेवाले, अतिरिक्तकारी, जिनमें मुख्य : हॉटल, छोटी दुकानें व अन्य वाणिज्यिक इकाइयाँ हैं, उन्हें यूनिअर दिशा जाएगा और संक्रमण में हेतु अतिरिक्तः माहौल पर भी विचार किया जाएगा।</td>
<td>प्रशासन के द्वारा आगे प्रगति निम्नों जाने, जिनसे लोग सड़क व उन कार्यालयों का महत्व समझ सकें, जो मंदिर के पुनर्वास के लिए की जाएगी।</td>
<td>प्रशासन के द्वारा आगे प्रगति निम्नों जाने, जिनसे लोग सड़क व उन कार्यालयों का महत्व समझ सकें, जो मंदिर के पुनर्वास के लिए की जाएगी।</td>
</tr>
</tbody>
</table>

| स्थान: बिरसा मुंडा पार्क चौक, धनबाद | • सड़क की सशक्तता की परिवर्तनाओं का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। • नवा का मुख्य दूर था वलवेड़ी के चहरीदीवारी के कारण प्रसारित परिवहन सञ्चालन को पुनः परिभाषित करना। • एक छोटे मंदिर के स्थानांतरण पर भी चर्चा की गई। | प्रवास के लिए केवल प्रस्तावित परिवहन सड़क ही एक संयंत्र विकल्प है, क्योंकि इससे धनबाद नगर में ट्रक्स के संचालन के कम होने में मदद मिलेगी। मंदिर के स्थानांतरण के लिए सूची की तालाब की कारण हेतु स्थानीय लोग सहमत हो गए हैं। | प्रशासन के द्वारा आगे प्रगति में सायोना में मदद के लिए लोग सहमत हो गए हैं। | प्रशासन के द्वारा आगे प्रगति में सायोना में मदद के लिए लोग सहमत हो गए हैं। |

| स्थान: गोल बिल्डिंग चौक, धनबाद | • यह नगर भारत का कोयला नगर है और साथ ही व्यापारिक केंद्र भी है। वर्तमान नगर में कई आवासीय संचालनात्मक सुविधाओं की क्रिया है, लेकिन स्थानीय लोगों का मन्त्र है कि | आरोशीय क्षेत्रों से पूरा वैश्विक प्लांट के संस्थापन और डीजी सेट्स के साथ उच्चत एकार्थिक एन्क्लोजर्स के संस्थापन जैसे | आहा है कि सड़क 2 वर्षों में पूरी हो जाएगी। | आहा है कि सड़क 2 वर्षों में पूरी हो जाएगी। |

| 9 2 / 3/2019 | | | |
### नितं/स्थान

<table>
<thead>
<tr>
<th>चर्चा का सार</th>
<th>सर्वसमातिव व सुझाव</th>
<th>शमन के उपाय- तकनीकी डिजाइन हेतु आदान</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>बेहतर संचार के कारण अच्छा आर्थिक विकास होगा व उनकी समृद्धि होगी।</td>
<td>प्रस्ताव हेतु लोग सहमत हो गए हैं।</td>
<td>डिजाइन की गई है, जिससे निर्माण गतिविधि के कारण पर्यावरणीय प्रभावों का शमन किया जा सके और संवेदनशील उसका अनुसरण करे। इसलिए, उसे बोली के दस्तावेज में शामिल किया जाएगा।</td>
</tr>
<tr>
<td>• लोगों ने शमन की उन कार्यबाईं के भी चर्चा की, जिन्हें शामिल किया जाए, जिससे निर्माण की अवधि में उत्पन्न धूल व शोर का स्तर कम हो।</td>
<td>• लोगों ने जोर से लिया कि लंबी निर्माण की अवधि के कारण निर्मित होने वाली पर्यावरणों को ठीक जा सके, इसलिए निर्माण की अवधि को कम किया जा चाहिए।</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### 5.6 धार्मिक संरचनाओं पर प्रभाव हेतु परामर्श

सड़क सुंदर की गतिविधियों के कारण उप-परियोजना की आर्थिक डिजाइन के अनुसार सात मंदिर प्रभावित हुए हैं और उनके स्थानांतरण की जरूरत है। धार्मिक संरचनाओं का स्थानांतरण एक संबंधित असल मुद्दा होता है, इसलिए सड़क की डिजाइन को अलग रूप देने से पहले यह जरूरी है कि इस पर चर्चा हो। इस समन्वय में जुड़कर के स्तर पर सभी सात धार्मिक स्थानों के लिए आगे परम्परा हुई, जिनके विशुद्ध विवरण तालिका 9 में निरूपित किए गए हैं।

### तालिका 16 : एनसीबी— 01 एवं एनसीबी— 02 के धार्मिक ठींचों के प्रभावों पर परामर्श की उपलब्धियाँ

<table>
<thead>
<tr>
<th>सं. क्र.</th>
<th>मंदिर का स्थान</th>
<th>संपर्क व्यक्ति का नाम व मोबाइल नं.</th>
<th>मंदिर का महत्व व आकार</th>
<th>मुख्य बिनु जिन पर चर्चा हुई</th>
<th>जोखिम मूल्यांकन</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>मंदिर क्र. - 7 (हनुमान मंदिर) जवीब दूरी -114000 स्थान-जानवार (मूली बस्ती)</td>
<td>तत्त्व पंडित मो. ७०५०१२३१३६४</td>
<td>•आरोधवल्लू में छोटी मूलत रखी गई है।</td>
<td>•मूलत के ऊपर कोई नहीं गठन नहीं है और वेतन स्थानीय ग्राम का रेखा, हनुमान जी के जगह लाल रंग पर पूजा करते हैं।</td>
<td>•सड़क के चौड़ी करने की परियोजना के महत्व व उसके लाभों पर चर्चा हुई और स्थानीय लोगों का कहना कि मंदिर चूँकि प्रत्याशित आरोधवल्लू पर है, इसलिए यह प्रभावित होगा और निर्माण के शुरू होने के पश्चात उसका पुनर्निर्माण जैसा कि मंदिर के मुख्य संख्यक मंदिर को उनकी व्यक्तित्व जानकारी पर रक्षा करने के लिए आयोजित किया जा सकता है और सड़क के चौड़ा करने की परियोजना की अनुमानित दे रहे हैं, इसलिए मंदिर के पुनर्निर्माण से संबंधित कोई भी जोखिम नज़र नहीं आई है।</td>
</tr>
<tr>
<td>सं. क्र.</td>
<td>मंदिर का स्थान</td>
<td>संपर्क व्यक्ति का नाम व मोबाइल नं.</td>
<td>मंदिर का महत्व व आकार</td>
<td>मुख्य बिंदु जिन पर चर्चा हुई</td>
<td>जोखिम मूल्यांकन</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>----------------</td>
<td>-----------------------------------</td>
<td>--------------------------</td>
<td>--------------------------</td>
<td>-----------------</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>मंदिर — 2   (हनुमान मंदिर) जलीब दूरी —64500 स्थान— घरजीरी (मिगफायर आइसक्रीम फ्लैक्ट्री के सामने)</td>
<td>गणेश चन्द्र मो. नं. 7206778386</td>
<td>•आरआईडब्ल्यू में छोटी मूर्ति रखी गई है। •तेह मूर्ति के ऊपर कोई छंद नहीं है। पहले स्तंभ खड़ा किया था, लेकिन मंदिर का निर्माण नहीं करवाया था। •प्रस्तावित परियोजना के लागू के बारे में विस्तार से बच्चे हुई। •मंदिर के स्थानांतरण के बारे में स्थानीय लोगों का सूचित किया गया। लोग सहयोग करने के लिए विकास परियोजना में किसी भी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करते के लिए सहमत हुए हैं। वे मंदिर के पुनर्वास के लिए सहमत भी हो गए हैं। स्थानीय लोग मंदिर के पुनर्वास के लिए जमीन तलाश करने की प्रक्रिया में हैं।</td>
<td>मंदिर के संख्यक सदस्य के चौड़ा करने की परियोजना से मलीमत वाहिक है और ये मंदिर के पुनर्वास के लिए सहमत भी हो गए हैं। इसलिए मंदिर के पुनर्वास में कोई भी जोखिम नजर नहीं आई है।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>मंदिर — 3   (हनुमान मंदिर) जलीब दूरी —7+100 स्थान— बीआ कला</td>
<td>भूषण सवागी</td>
<td>•आरआईडब्ल्यू पर मंदिर व मुख्य पुजारी का घर निर्मित किया गया है, लेकिन आरआईडब्ल्यू पर पुनर्वास के संबंध में वे दिशनी करने हेतु उपलब्ध नहीं थे।</td>
<td>पुनर्वास के संबंध में वे दिशनी करने हेतु उपलब्ध नहीं थे।</td>
<td>स्थानीय लोगों के अनुसार स्थानीय समुदाय प्रस्तावित परियोजना के बारे में वाफिक है और</td>
</tr>
<tr>
<td>सं. क्र.</td>
<td>मंदिर का स्थान</td>
<td>संपर्क व्यक्ति का नाम व मोबाइल नं.</td>
<td>मंदिर का महत्व व आकार</td>
<td>मुख्य बिंदु जिन पर चर्चा हुई</td>
<td>जोखिम मूल्यांकन</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------------------------</td>
<td>--------------------------</td>
<td>--------------------------------</td>
<td>---------------------</td>
</tr>
</tbody>
</table>
| 4      | मंदिर -४  
जरीब दूरी  
-२५ ५००  
स्थान-गंगुबा | श्री मुकुटदारी रवानी  
मो. नं.  
७७७०६२६३३२ | मंदिर के मुख्य  
संस्थान श्री  
मुकुटदारी रवानी  
व गाँव के लोग उनके  
पास उपलब्ध जगह  
पर मंदिर के  
स्थानांतरण के  
लिए सहमत  
हैं, बशर्त  
मंदिर के  
स्थानांतरण  
व उसके  
निर्माण के  
लिए प्रस्तावित  
परियोजना से  
उपयुक्त मुआवजा  
मिले। | सड़क के  
चौड़ी  
रोड पर  
छोटे  
आकार का  
शिव मंदिर  
बनाया  
है और  
इसकी  
देखरेख  
श्री  
मुकुटदारी  
रवानी  
द्वारा की  
जा  
रही  
है।  
• मंदिर के  
मुख्य  
संस्थान  
के लिए  
रोड  
पर  
छोटे  
आकार  
का  
शिव  
मंदिर  
बनाया  
है।  |
| 5      | मंदिर क्र. -५  
जरीब दूरी  
०५ ४  
स्थान-  
प्रवीण मंडल  
रणजीत मंडल  
मो.  
७६७४७८२१२५ | • यह मध्यम  
आकार  
का  
नाम  
बना  
हुआ  
मंदिर  
है और  
मंदिर  
में  
लगे  
बड़े  
संस्था  
में  
आकर  
पूजा  
करते  
• विनाकं  
०४/ ०६/ २०१९  
को  
विशेष  
पूजा  
को  
रखी  
थी।  
• स्थानीय  
समुदाय  
के  
सदस्यों  
जो  
आसोड़बलूम  
में  
है,  
उस  
मंदिर  
के  
स्थानांतरण  
के  
लिए  
स्थानीय  
लोगों  
को  
राजी  
करने  
के  
लिए  |
<table>
<thead>
<tr>
<th>सं. क्र.</th>
<th>मंदिर का स्थान</th>
<th>संपर्क व्यक्ति का नाम व मोबाइल नं.</th>
<th>मंदिर का महत्व व आकार</th>
<th>मुख्य बिनु जिन पर चर्चा हुई</th>
<th>जोखिम मूल्यांकन</th>
</tr>
</thead>
</table>
| 6     | मंदिर – 6  (काली मंदिर) | जनता | आरआउटबल्यू पर केवल बेदी आ रही है, जो मंदिर के दूसरी ओर निमित है। •एकदिन का मंदिर प्रस्तावित आरआउटबल्यू में नहीं आ रहा है और पवित्र दिनों में प्रार्थना की जाती है। | स्थानीय लोगों से बातचीत किया कि समुदाय के सदस्यों की वैविध्य व सर्वसम्मति के आधार पर निर्णय लिया जाएगा। | कई परम्परागत देवारों की जल्दी पड़नी, |}
| 7     | मंदिर – 7  (जलाशय मंदिर) | जनता | वास्तविक आरआउटबल्यू में मंदिर निमित किया गया है और सर्वसम्मत पूजा द्वारा मालिक के अनुरोध से दिलीप अग्रवाल द्वारा इसका प्रमाण किया जा रहा है। | समुदाय के सदस्यों की वैविध्य व सर्वसम्मति के आधार पर निर्णय लिया जाएगा। | समुदाय के समान लोगों जा सकता है, जो आरआउटबल्यू के बाहर है। इसलिए न्यूताम जोखिम मालूम पड़ती है। |

| मंदिर के स्थानांतरण में कोई जोखिम नहीं है। |
### सारणी १७ : सरकारी अधिकारियों के साथ परामर्श

<table>
<thead>
<tr>
<th>दिनांक/स्थान</th>
<th>विषय का सारांश</th>
<th>सहमति</th>
<th>राहत उपाय–तकनीकी डिजाइन के लिए इनपुट</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>राज्य स्तर</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>विशेष सचिव, परियोजना एवं वन विभाग</td>
<td>झारखंड मुख्यमंत्री ईमानदारी क्षेत्र में चालू जारी रखा जा रहा जा रहा गृह जल निगम या अन्य निगम जिनकी योजनाओं में परामर्श देना और समलग्न क्षेत्र में परामर्श देना बचाव पहुंच कस्ट्म लेबोरटरी जो समग्र विशेष रुप से समलग्न क्षेत्र में समाधान दिया गया था। सभी विशेष सचिव ने जारी रखा जा रहा गृह जल निगम ने नई निगम जिनकी योजनाओं में परामर्श देना बचाव लेबोरटरी जो समग्र विशेष रुप से समाधान दिया गया था। सभी विशेष सचिव ने नई निगम जिनकी योजनाओं में परामर्श देना बचाव लेबोरटरी जो समग्र विशेष रुप से समाधान दिया गया था। सभी विशेष सचिव ने नई निगम जिनकी योजनाओं में परामर्श देना बचाव लेबोरटरी जो समग्र विशेष रुप से समाधान दिया गया था। सभी विशेष सचिव ने नई निगम जिनकी योजनाओं में परामर्श देना बचाव लेबोरटरी जो समग्र विशेष रुप से समाधान दिया गया था। सभी विशेष सचिव ने नई निगम जिनकी योजनाओं में परामर्श देना बचाव लेबोरटरी जो समग्र विशेष रुप से समाधान दिया गया था।</td>
<td>इंपालेक और इंपालेक के साथ शामिल जाएगा।</td>
<td>जीवन और इंपालेक के साथ शामिल जाएगा।</td>
</tr>
<tr>
<td>स्थान: नेपाल हाउस, रांची</td>
<td>दिनांक: १८.०१.२०१४</td>
<td></td>
<td>दीपी वौली सरकारी अधिकारियों के साथ परामर्श करने पर वहां से परामर्श का कम करना और इंपालेक प्रक्रिया के लिए इनपुट</td>
</tr>
</tbody>
</table>

• उन्होंने बताया कि नगर निगम के इलाकों में निगम के नगर जल रहने वाले परिवर्तन मानकों को जेल निगमों से सीमित करना जा सकता है।

• उन्होंने निगम सामग्री के परिवर्तन के कारण निगम स्वास्थ्य पर वायु उत्सर्जन को कम करने के लिए आवश्यक
<table>
<thead>
<tr>
<th>संख्या</th>
<th>कुलार सुनान, आईएफएस, सदस्य सजिल, श्रीमती महामानी सोडेय, आईएफएस, सजिल, कल्याण विभाग</th>
<th>दिनांक: १८.०८.२०१७</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>श्रीमती हिमानी पांडेय, आईएफएस, सजिल, कल्याण विभाग</td>
<td>दिनांक: १४.०२.२०१७</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>प्रवीण कुमार टोपीय, श्रम आयुक्त और प्रवाह कुमार, श्रम आयुक्त घनबाई, श्रम मंत्री, श्रीलंका, राष्ट्रीय</td>
<td>दिनांक: २३.०९.२०१७</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>अमरिंद्र प्रताप सिंह, आईएफएस, प्रवाह सजिल, रेप्जेंटेशन एवं स्वतंत्र विभाग</td>
<td>दिनांक: २३.०९.२०१७</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

दिनांक: २३.०९.२०१७

टीम ने जोखिमीयों के संदर्भ सत्य विकास का आकलन किया और जल आपूर्ति, वर्षा जल निकासी और सड़क क्षेत्रों में प्रसारित उप-परियोजनाओं और पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव उपयोगकर्ता में संबंधित करने वाले पर्यावरणीय मुद्दों पर सुझाव मांगा।

सड़क सांदर्भिक कर्म के लिए सीटीई और सीटीओ की आवश्यकता नहीं है, लेकिन बैंकिंग प्लांट, गृह जील कंसैक्ती संदर्भ और धीमी सेट के लिए आवश्यक है।

ईप्सिमी को बीओकू में जोड़ा जाना है।

दीपीआर सतलाकार को आरआक्स्क्यू विवरण की समीक्षा करने के लिए कहा गया था। जीआरसी के मानने के लिए पहल।

ईप्सिमी ओर ईस्सुआइये का साझा किया जाएगा।

इप्सिमी और ईस्सुआइये कार्यालय सुचना बोर्ड में प्रदर्शित किया जाएगा। जीआरसी समिति के संपर्क विवरण भी प्रदर्शित किए जाएगे।

वैभवाब ने ईस्सुआइये को जोड़ा जायेगा। सभी श्रम गिरफ्त भी बीओकू का हिस्सा होंगे।

ईस्सुआइये में शामिल होने वाले श्रम शिक्षियों के लिए विशालीकरण और संबंधित को विद्यार्थियों में प्रदान की जाने वाली सुविधाएँ प्रदान करना है।

वैभव ने ईस्सुआइये को जोड़ा जायेगा।

ईप्सिमी ओर ईस्सुआइये का साझा किया जाएगा।

इप्सिमी सार्वजनिक जोहेन में उपलब्ध होगा।
स्वार्थी गृह पर चली की।
उन्होंने श्रमिक शिक्षियों में मजदूरों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की भी सूचीबद्ध की और इस पर भी जोर दिया कि श्रमिक शिक्षियों में उचित ध्वनियों सुविधा और शौचालय सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

बैठक दल ने शारखंड नगर विकास परियोजना (एलएडी) के मुख्य अभियंता और उनकी टीम का आकर्षण किया और जल अभाव, बारा जल निकायों और सड़क क्षेत्रों में प्रसारित उप-परियोजनाओं और पर्यावरणीय और सामाजिक मंत्रालय कल्याण पर्यावरणीय मुद्दों पर उनके सुझाव भेजा।

सड्डक परियोजना के बारे में, मुख्य अभियंता ने जोर देकर कहा कि धनबाद जल की कमी वाला स्थान है, परियोजना के कारण जल उपलब्धता पर किसी भी दुरुपयुक्त को कम करने के लिए उचित उपचार लागू किया जाना चाहिए।

एलएडी और एलएडीआई को साझा किया जाएगा।
एलएडी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध होगा।

एलएडी में पानी के उपलब्धता पर पड़ने वाले मुद्दों को कम करने के लिए उपचार किया जाएगा और संवेदन को इसे लागू करना होगा।

एलएडी में चाहिए.

लिखित शायद पर चली की।
उन्होंने श्रमिक शिक्षियों में मजदूरों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की भी सूचीबद्ध की और इस पर भी जोर दिया कि श्रमिक शिक्षियों में उचित ध्वनियों सुविधा और शौचालय सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

बैठक दल ने शारखंड नगर विकास परियोजना (एलएडी) के मुख्य अभियंता और उनकी टीम का आकर्षण किया और जल अभाव, बारा जल निकायों और सड़क क्षेत्रों में प्रसारित उप-परियोजनाओं और पर्यावरणीय और सामाजिक मंत्रालय कल्याण पर्यावरणीय मुद्दों पर उनके सुझाव भेजा।

सड्डक परियोजना के बारे में, मुख्य अभियंता ने जोर देकर कहा कि धनबाद जल की कमी वाला स्थान है, परियोजना के कारण जल उपलब्धता पर किसी भी दुरुपयुक्त को कम करने के लिए उचित उपचार लागू किया जाना चाहिए।

एलएडी और एलएडीआई को साझा किया जाएगा।
एलएडी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध होगा।

एलएडी में पानी के उपलब्धता पर पड़ने वाले मुद्दों को कम करने के लिए उपचार किया जाएगा और संवेदन को इसे लागू करना होगा।

एलएडी में चाहिए.

लिखित शायद पर चली की।
उन्होंने श्रमिक शिक्षियों में मजदूरों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की भी सूचीबद्ध की और इस पर भी जोर दिया कि श्रमिक शिक्षियों में उचित ध्वनियों सुविधा और शौचालय सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

बैठक दल ने शारखंड नगर विकास परियोजना (एलएडी) के मुख्य अभियंता और उनकी टीम का आकर्षण किया और जल अभाव, बारा जल निकायों और सड़क क्षेत्रों में प्रसारित उप-परियोजनाओं और पर्यावरणीय और सामाजिक मंत्रालय कल्याण पर्यावरणीय मुद्दों पर उनके सुझाव भेजा।

सड्डक परियोजना के बारे में, मुख्य अभियंता ने जोर देकर कहा कि धनबाद जल की कमी वाला स्थान है, परियोजना के कारण जल उपलब्धता पर किसी भी दुरुपयुक्त को कम करने के लिए उचित उपचार लागू किया जाना चाहिए।

एलएडी और एलएडीआई को साझा किया जाएगा।
एलएडी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध होगा।

एलएडी में पानी के उपलब्धता पर पड़ने वाले मुद्दों को कम करने के लिए उपचार किया जाएगा और संवेदन को इसे लागू करना होगा।

एलएडी में चाहिए.
रहा है।

- चूला कम करने के लिए शिशु दक्षिणी स्थापित किया जाना चाहिए।
- वीपीआर को 4 लेन की वजह से 6 लेन नहीं करना चाहिए।
- फुट-ओवर ब्रिज या जंक्शनों का निर्माण पैदल यात्री को पार करने के लिए विशिष्ट स्थानों पर किया जाना चाहिए।
- परियोजना से सभी सभी लोगों की उचित पहचान की जानी चाहिए और पीपी के लिए उचित सुरक्षा जोर दिया जाना चाहिए।
५.८. परियोजना की जानकारी का प्रकटीकरण

५९ सतत विकास के लिए सूचना साधन करना आवश्यक है। यह सार्वजनिक बहस को बढ़ावा देता है और विकास के मुद्दों की समझ को व्यापक बनाता है, विकास प्रक्रिया में पारंपरिकता और उपभोक्ता को बढ़ाता है। यह लोगों की जिम्मेदारी में सुधार के लिए जनसमर्थन को मजबूत करता है, विकास में सामिल कई पक्षों के बीच सहयोग की सुविधा देता है, और परियोजनाओं और कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार करता है। यह अब हर जगह दीवार से लिखा जा रहा है कि जनता द्वारा सूचना तक पहुंच के विस्तार के लिए विकास पर बातचीत का विस्तार होगा और गरीबों को कम करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के प्रयासों में महत्त्वपूर्ण योगदान देगा। इस विकास परियोजना में परियोजना की जानकारी (संभावना चरण के दौरान) को जनता के बीच सामान्य रूप से और विशेष रूप से नकारात्मक रूप से प्रसारित होने वाले लोगों को सार्वजनिक परम्परा के माध्यम से दिया गया है। सार्वजनिक परम्परा सटों के दौरान यह पाया गया कि स्थानीय लोगों को समय-समय पर प्रकाशित स्थानीय समाचार पत्र के माध्यम से दी गयी जानकारी द्वारा इस परियोजना के बारे में पता था।

६० योजना में पारंपरिकता करने के लिए और नीति और अन्य हिताध्यक्षों की सहयोग अभिवृद्धि के लिए परियोजना की जानकारी को सूचना साधन करने के माध्यम से प्रसारित किया जाएगा जैसा कि नीचे तालिका ६८ में प्रस्तुत किया गया है।

<table>
<thead>
<tr>
<th>परियोजना के चरण</th>
<th>सूचना और प्रतिबंधन के प्रकार</th>
<th>माध्यम / चैनल</th>
<th>लेख प्राप्तकर्ता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>डिज़ाइन / नियोजन</td>
<td>विस्तृत परियोजना जानकारी, इंस्ट्रक्शन इंस्ट्रूक्शन, आर्तिश्चित्र एंड इंस्ट्रक्शन का कार्यक्रम सारांश अंगों, इंस्ट्रूक्शन और स्थानीय भाषा में (आध्यात्मकता/सांस्कृतिक)</td>
<td>वेबसाइट, टेलीविजन, प्रिंट मिडिया, लॉकडाउन पर आधारित कार्यक्रम, बैठकें और निर्देश</td>
<td>पीएम और लाभार्थी, सरकारी विभाग, एनजीओ और संघ</td>
</tr>
<tr>
<td>उप-परियोजना कार्यक्रम</td>
<td>अधिक डिज़ाइन, इंस्ट्रक्शन, आर्तिश्चित्र इंस्ट्रूक्शन, आर्तिश्चित्र, नियोजन योजना, वितरण की प्रक्रिया और जीवांशी सारांश, नियोजन, वितरण और वाल्किफ रिपोर्ट</td>
<td>वेबसाइट, टेलीविजन, प्रिंट मिडिया, लॉकडाउन पर आधारित कार्यक्रम, बैठकें और निर्देश</td>
<td>पीएम और लाभार्थी, सरकारी विभाग, राष्ट्रीय संगठन पर आधारित कार्यक्रम, बैठकें और निर्देश</td>
</tr>
<tr>
<td>संचालन</td>
<td>उप-परियोजना के प्रश्नों के तहत उपजाऊ लाभ, अनुक्रमण और रिपोर्ट</td>
<td>वेबसाइट, टेलीविजन, प्रिंट मिडिया, लॉकडाउन पर आधारित कार्यक्रम, बैठकें और निर्देश</td>
<td>लाभार्थी और सरकारी विभाग</td>
</tr>
</tbody>
</table>

तालिका ६८ : उप-परियोजना के विभिन्न चरणों में सूचना साधन करना
5.8.1 ईएसआईए मसौदा प्रतिबंधन की प्रस्तुति

61. प्रोजेक्टेशन की आवश्यकता के हिस्से के तौर पर, 5 अक्टूबर 2017 को ईएसआईए के मसौदे के बारे में स्थानीय समुदाय, हिंदुस्तानी, ग्रामीण और यूरोपीय सदस्यों को बताया गया था। इस परियोजना के कारण उत्पन्न होने वाले प्रभाव, प्रस्तुति बैठक के दौरान ब्यौरे में उपयोग और ईएसएमी पर चर्चा की गई थी।
अध्याय ६: आर एंड आर सिद्धांत, पुनर्वसून रूपरेखा और पात्रता रूपरेखा

६.१ परिचय

६.२. यह पुनर्वसूत्र योजना दस्तावेज परियोजनाओं द्वारा नकारात्मक सामाजिक और आर्थिक प्रभावों को कम करने और इसके सिद्धांतों और टूटसिटियां का वर्णन करता है। पुनर्वसून रूपरेखा पीएची के लिए उप–परियोजना रजिस्टर के नियमों और मूल्यांकन के लिए तैयार है। सिद्धांत का यह अध्याय देश के मौजूदा कार्यक्रम और नियमों और प्रवाहित उप–परियोजना के लिए लागू होने वाले नियमों के बारे में चर्चा करता है। परियोजनाओं को कार्यान्वित करने में कानूनी और प्रक्रियाओं को समझने के लिए अधिनियमों और कानूनों का विशेषण करना अविश्वसनीय है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह चर्चा करने के लिए जहां परियोजना प्रभावित व्यक्तियों और स्थानीय आवादी विकास योजना के पुनर्स्थापन और पुनर्वसून पर विश्व बैंक की नीति का पालन करने की आवश्यकता है। सिद्धांत तथा आधार में विधायी रूपरेखा का सारांश है जिससे पुनर्स्थापन और पुनर्वसून और स्थानीय आवादी पर सामाजिक मुद्दों के साथ ही विश्व बैंक की नीति के संबंध में परियोजनाएं लागू की जाएँगी।

६.२ विनियमक रूपरेखा

६.३. परियोजना में पुनर्स्थापन और पुनर्वसून मुद्दों से निपटने के लिए नियमानुसार बांधे और सिद्धांतों को भारत सरकार, शारखंड सरकार, विश्व बैंक की सुधार (सेक्टर्स) नीतियों, मौजूदा कानूनों और नीतियों द्वारा निर्देशित किया गया है। विनियमक रूपरेखा परियोजना के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज है और मौजूदा निर्देशित सुधार नीतियों और कानूनों के आधार पर लिया जाता है और एजेंसी के लिए इन नियमों और कानूनों का पालन करना अविश्वसनीय है। पुनर्वसून योजना की तैयारी से पहले, देश के सभी लागू कानूनी और नीतिगत बांधे के विस्तृत विशेषण और विश्व बैंक की सुधार (सेक्टर्स) नीति जरूरतों को पूरा किया गया था और एजेंसी के लिए पुनर्स्थापन रूपरेखा का काम तैयार किया गया है। नीचे दिए गए अनुभव में इन बांधे के अध्ययन के लिए बिनिम राष्ट्रीय और राज्य सत्रीय विधियों का विवरण और उनकी प्रयोगता शामिल है।

६.३ राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय लागू नीतियाँ, अधिनियम एवं विनियम

६.४. इस उप–परियोजना के लिए लागू सामाजिक नियमों और विनियमों का संक्षिप्त विवरण नीचे की तालिका में दिया गया है:
### तालिका 20: राज्यीय और राज्य की प्रयोज्य नीतियाँ

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमलंबा</th>
<th>अधिनियम/नियम</th>
<th>प्रयोजन</th>
<th>प्रयोजन हाँ/नहीं</th>
<th>प्रयोजनता/मैर—प्रयोजनता पर टिप्पणी</th>
<th>विनियमक प्राधिकरण</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>१</td>
<td>कामगार क्षेत्रीय अधिनियम, १ ६ ५</td>
<td>यह नियोजन कर्मचारियों को सुरक्षा के लिए अधिक सुरक्षा के लिए अधिक प्राप्त करता है अथवा यह आवश्यक है।</td>
<td>हां</td>
<td>निर्माण कामगारों को परियोजना में शामिल किया जाएगा</td>
<td>जिला श्रम आयुक्त</td>
</tr>
<tr>
<td>२</td>
<td>अंतर—राज्य प्रवासी कामगार अधिनियम, १ ६ ५</td>
<td>यह उन श्रमिकों को सुरक्षा करता है जिनकी रेलवे के भारत में अपने मूल राज्य के बाहर मांगा जाता है, जो कार्यरत हैं या जो पाँच अथवा अधिक अंतरराज्यीय प्रवासी कामगारों को नियुक्त करते हैं उन्हें इस अधिनियम के तहत पंजीकरण प्राप्त करने की आवश्यकता है</td>
<td>हां</td>
<td>अंतर—राज्यीय प्रवासी कामगारों को परियोजना में शामिल किया जाएगा</td>
<td>जिला श्रम आयुक्त</td>
</tr>
<tr>
<td>३</td>
<td>बाल श्रम (निरोध एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, २ ० ६</td>
<td>यह बच्चों को कृपा निरोध मात्र खतरनाक यात्राओं और तरक्कों में रेलगार के लिए प्रशिक्षित करता है और आवश्यक के रूप में कामकाजी स्थितियों को निर्यात करता है।</td>
<td>हां</td>
<td>निर्माण कामगारों को परियोजना में शामिल किया जाएगा</td>
<td>जिला श्रम आयुक्त</td>
</tr>
<tr>
<td>४</td>
<td>न्यूटम मजदूरों अधिनियम, १ ४ ८</td>
<td>राज्य सरकार द्वारा संचालित और समय—समय पर संचालित किए गए मजदूरों की प्रयोजन दर का मुद्दाता</td>
<td>हां</td>
<td>निर्माण/दैनिक कामगारों को परियोजना में शामिल किया जाएगा</td>
<td>जिला श्रम आयुक्त</td>
</tr>
<tr>
<td>कमसंख्या</td>
<td>अधिनियम/नियम</td>
<td>प्रयोजन</td>
<td>प्रयोज्य हा/नहीं</td>
<td>प्रयोज्यता/नौन–प्रयोज्यता पर टिपणी</td>
<td>विनियामक प्राधिकरण</td>
</tr>
<tr>
<td>-----------</td>
<td>---------------</td>
<td>---------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------------------------</td>
<td>-------------------</td>
</tr>
<tr>
<td>५</td>
<td>विलिंग एवं अन्य नियम कामगार कल्पण सेव अधिनियम, १ ९ ६</td>
<td>नियोजक द्वारा किए गए नियोजण लगत पर सेव की लेखी और संग्रह के लिए प्रदान करने के लिए एक अधिनियम</td>
<td>हा</td>
<td>उप परियोजना में नियोजण कामगारों को शामिल किया जाएगा</td>
<td>जिला श्रम आयुक्त</td>
</tr>
</tbody>
</table>

पुनर्स्थापना और पुनर्वस्त

<p>| १         | भूमि अधिग्रहण, पुनर्वस्त और पुनर्स्थापना अधिनियम –२०१३ में उद्धित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार ज्ञारखंड भूमि अधिग्रहण, पुनर्स्थापना और पुनर्वस्त नियम –२०१५ में उद्धित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार | अधिग्रहण के लिए उद्धित मुआवजा : २ भूमि और अन्य अवल संपति, उद्धित के कारण नियोजित आबादी का पुनर्वस्त, भूमि अधिग्रहण के कारण प्रभावित सभी लोगों के आविक पुनर्वस्त अधिनियम के दायरे में पटराहारक, शेखराहक और जोतदार भी शामिल हैं | नहीं | उप–परियोजना के लिए कोई भूमि अधिग्रहण नहीं किया जाएगा | जिला कलेक्टर के अधीन संबंधित राजस्व विभाग |</p>
<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमसंख्या</th>
<th>अधिनियम/नियम</th>
<th>प्रयोजन</th>
<th>प्रयोज्य हाँ/नहीं</th>
<th>प्रयोज्यता/नौन-प्रयोज्यता पर टिप्पणी</th>
<th>विनियामक प्राधिकरण</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>2</td>
<td>अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकारियों की मान्यता) अधिनियम</td>
<td>पारंपरिक वनवासी समुदाय के अधिकारियों को कानूनी मान्यता प्रदान करता है।</td>
<td>नहीं</td>
<td>उप-परियोजना के दर्शन में वनवासी नहीं हैं और बुनियादी झंडे के कारण किसी जंगल का उपयोग नहीं किया जाएगा</td>
<td>आदिवासी मामलों का मंत्रालय, भारत सरकार और विनियम राज्य सरकार के आदिवासी कल्याण विभाग और पंचायती राज</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>फुटपाथ विक्रेताओं (सूचका आजीविका और फुटपाथ सड़क का विनियम) अधिनियम, २०१४ [झारखंड] फुटपाथ विक्रेता (आजीविका का संस्थापन और फुटपाथ सड़क का नियम), नियम २०१४</td>
<td>इस अधिनियम का उद्देश्य शहरी फुटपाथ विक्रेताओं के अधिकारियों की स्थान करना और सड़क बेंचिंग गतिविधियों को नियोजित करना है। यह फुटपाथ विक्रेताओं के संरचना और जागरूकता करने या स्वास्थ वितरण से संबंधित प्राधिकरण करता है। बेंचिंग के लिए प्रामाण्य पत्र जारी करना, सड़क विक्रेताओं के अधिकारियों और दायित्वों को निर्धारित करता है। फुटपाथ बेंचिंग योजनाओं का विकास, इस अधिनियम के तहत अधिकारियों का इस्तेमाल करने के लिए फुटपाथ बेंचिंग योजनाओं को स्वागत करने के लिए क्षमता नियोजित करता है।</td>
<td>हां</td>
<td>परियोजनाओं के कई फुटपाथ विक्रेताओं, किरायेदारी और हंडकर को प्रभावित करने की संभावना है।</td>
<td>गृहमंत्री और राज्य सरकार</td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>छोटानगपुर काश्तकारी अधिनियम, १९०८</td>
<td>यह अधिनियम आदिवासी समुदायों/छोटानगपुर पटार क्षेत्र के इलाकों के स्थानीय निवासियों को अधिकार प्रदान करता है। इस अधिनियम का मूल उद्देश्य आदिवासी भूमि के गैर-आदिवासी को हस्तांतरण को प्रतिबंधित करना था। लेकिन विकास परियोजना के मामलों में, धारा ४६ कॉप्लेक्स जिला उपयुक्त की अनुमति के साथ भूमि के हस्तांतरण की अनुमति देता है। नहीं</td>
<td>उप-परियोजना झारखंड के छोटा नगपुर क्षेत्र के आदिवासी क्षेत्र में स्थित है। प्रस्तावित उप-परियोजना ने उपलब्ध आरोड़बल्लू के भीतर हिडाइल ने सीमित करके जनजातीय जमीन के किसी भी स्थानांतरण से बचने की कोशिश की है।</td>
<td>जिला परियोजना, भूमि राजस्व विभाग</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
6.4 विश्व बैंक की सुरक्षा नीतियाँ

6.5. विश्व बैंक की पर्यावरण और सामाजिक सुरक्षा नीतियाँ का उद्देश्य विकास प्रक्रिया के दौरान लोगों और उनके पर्यावरण के लिए अनुशंसित नुकसान को रोकना और कम करना है। ये नीतियाँ विश्व बैंक और लगाये गये कर्मचारियों की पहचान, कार्यक्रमों के साथ–साथ परियोजनाओं की तैयारी और क्षेत्रज्ञान के लिए विश्लेषण प्रदान करती है। सुरक्षा योजनाएं परियोजना डिजाइन में हिस्सों की भागीदारी के लिए एक मंच प्रदान करती हैं, और स्थानीय आबादी (विश्व बैंक, 2004) के बीच स्वामित्व तैयार करने का महत्वपूर्ण साधन है।

तालिका २९ : परियोजना के लिए विश्व बैंक सुरक्षा नीतियाँ की प्रयोजनता

<table>
<thead>
<tr>
<th>विश्व बैंक सुरक्षा नीति</th>
<th>मुख्य बिनू</th>
<th>प्रयोजनता</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>आभाषी ४.१२— अनैतिक पुनर्वांत</td>
<td>□ लोगों को विश्लेषित करने वाले परियोजनाओं में लागू। □ परियोजना के लिए आत्म-स्वाभाविक सार्वजनिक बागीदारी की आवश्यकता है। □ उन लोगों की पहचान जिनके पास भूमि के औपचारिक कानूनी अधिकार हैं (जिसमें देश के कानूनों के तहत मानवता प्राप्त पर्यावरण और पारंपरिक अधिकार शामिल है)। □ उनके पुनर्वांत के अलावा विश्लेषित की आवश्यकता का आदेश करने या बेहतर बनाने के लिए। □ खोजी हुई परिसंपत्तियों और अपने पुनर्वांत सहायता के लिए मुआवजा प्रदान करने का इरादा जिन लोगों की जमीन पर कर्म किया जा रहा है, उनके पास यदि कोई पहचान वायर कानूनी अधिकार या दावा नहीं हैं। □ कृपा परियोजना के हर क्षेत्र से जमीन अधिग्रहण, परिसंपत्तियों की हानि और आजीविका सोचों पर असर जैसे मुद्दों को बढ़ावा मिलने की समस्या है। समावेश प्रभावों को दूर करने के लिए किसी भी समावेश प्रभावों और शरण उपायों की पहचान प्रत्यावर्धित है। • विभिन्न कार्यक्रम प्रावधानों के तहत सरकारी भूमि के हस्तांतरण से प्रकृतिक संसाधनों तक पहुँच, हानि, बारा, पानी आदि के नुकसान जैसे प्रतिकृत प्रभाव यह सकते हैं और आय/आजीविका/आश्रय/घरों के स्रोतों के नुकसान।</td>
<td>□ सामाजिक संबंध आंदोलन, पर आवागम अनुप्रयोग, सड़क संबंध २४ के सुधार के कारण २५७ परियोजनाओं के कुल २५८ संसाधनों पर असर पड़ेगा</td>
</tr>
</tbody>
</table>
| आभाषी ४.१३— सांस्कृतिक संपत्ति | □ उद्देश्य सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण में सहायता करना है, जैसे कि पुरातात्विक, पेट्रोलियम, नार्कोमिशन, धार्मिक और आदिवासी सांस्कृतिक मूल्यों वाले संरक्षण। • आम तौर पर उनके संरक्षण में सहायता करना और उनके उन्मूलन से बचना का प्रयास करना है। सांस्कृतिक संपत्ति को नुकसान पहुँच सकती है जो परियोजनाओं के वित्तीय प्रभाव को होता-साहित्यित करता है। | □ एनसीआर—०१ एवं ०२ में मौजूद १ मंडलों और रू मूल्यों के कारण प्रयोजक
6.5 देश के कानूनों और विश्व बैंक की सुरक्षा नीतियों के बीच दूरी का विश्लेषण

6.6 देश के कानूनों और विश्व बैंक की सुरक्षा नीति के बीच के दूरी का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है।

| तालिका 22: देश के कानूनों और विश्व बैंक की सुरक्षा नीति के बीच अंतर |
|-------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|
| **देश का कानून** | **विश्व बैंक** | **दूरी विश्लेषण** |
| भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनरस्थापना में उल्लिखित मुआवजा का अधिकार और पारदर्शिता अधिनियम, 2013 (आरएफसीटीएलएफआरआर अधिनियम, 2013) | विश्व बैंक की संचालन नीति ४.१२ | आरएफसीटीएलएफआरआर अधिनियम, 2013, स्वामित्वाधिकारियों के साथ-साथ जोड़ता, राजीव कारोबारों और वसे शेयरदारों या भूमि अधिग्रहण से तीन साल या अधिक पहले से उसपर आभिषिक के अधिकार को मान्यता प्रदान करता है। जबकि विश्व बैंक की नीति किसी जनवरण संबंध की लिथिया या किसी अन्य सहमति से कट्टरी की तारीख के अनुसार अपने कानूनी अधिकारों के बावजूद परिवर्तन प्रमाणित सभी व्यापारियों के अधिकारों को मान्यता देती है। |
| कूटपाठ विक्रेता (जीविका की रक्षा और स्ट्रोट वेंडिंग के विनियमन का संरक्षण) अधिनियम, 2014 | विश्व बैंक की संचालन नीति ४.१२ | कूटपाठ विक्रेता (जीविका की रक्षा और स्ट्रोट वेंडिंग के विनियमन का संरक्षण) अधिनियम, 2014 शहरी कूटपाठ विक्रेता कूटों के समय विक्रेताओं के लिए सर्वोपरि अधिनियम है, लेकिन लाइसेंस प्राप्त/पंजीकृत और गैर-लाइसेंस प्राप्त/गैर पंजीकृत विक्रेताओं के बीच विभेद करता है। विश्व बैंक की सुरक्षा नीतियां किसी भी प्रमाणित व्यक्ति के बीच विभेद नहीं करती हैं और आमदनी की कमी और परिस्थितियों के नुकसान के लिए तटस्थ सहायता देने की जरुरत पड़ती है। |
6.6 झारखंड म्यूनिसिपल डेवलपमेंट एजेंसी (जेएमडीपी) के लिए पुनर्व्यस्त नीति रूपरेखा (आरपीएफ)

67. इन नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा से पता चलता है कि लागू होने वाली कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं राज्य-दर-राज्य से अलग-अलग हो सकती हैं और देश और क्षेत्र राज्यों और बैंक की सुधार नीतियों के पुनर्व्यस्त और पुनर्व्यस्त नीतियों के बीच अंतर भी हो सकता है। इसलिए, जुड़कर सिमिटेड ने मौजूदा कानूनी और नीतिगत छाँटे के महत्वपूर्ण तत्त्वों को समझने की आवश्यकता महसूस की और एक ऐसे तंत्र पर सहमत हुए जो महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों का समाधान करेंगे। पर्यावरण और सामाजिक प्रबंधन रूपरेखा (ईएसएमएफ) को अंतराल को पाठने और पर्यावरण, राजनीतिक और सामाजिक पुनर्व्यस्त और व्यक्तिगत तत्त्व पर लोगों से संबंधित विश्व बैंक की परिषद नीतियों के प्रवृत्तियों के अनुसार जेएमडीपी के लिए तैयार किया गया है। ईएसएमएफ में एक पुनर्स्थापन नीति रूपरेखा शामिल है जो प्रक्रिया में रोज़ लाने में मदद करेगा और सामाजिक प्रबंधन योजना की लगातार तैयारी में मदद करेगा जिसमें जेएमडीपी के तहत किए जाने वाले सभी उप-परियोजनाओं में आरपी और टीपी (पारंद लागू हो) शामिल होंगे।

6.7 जेएमडीपी के लिए आरपीएफ का उद्देश्य और दायित्व

68. जेएमडीपी परियोजना के कारण सामाजिक कार्यों के प्रबंधन के लिए सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को निपटाने के लिए रूपरेखा (क्रेमोक) तैयार किया गया है। यह सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट का मार्गदर्शन करता है, समग्र परियोजना के लिए पुनर्व्यस्त क्रिया योजनाओं सहित शमन योजनाओं की तैयारी करता है। यह रूपरेखा जेएमडीपी के तहत सभी परियोजना सड़कों पर लागू होगी, तब तक रोड एन्सी 09 और दूसरी सड़कों में उर्जा सहित, चाहे अन्य सहजात की पूरी अवधि के दौरान विश्व बैंक के द्वारा आभिषेक या पूरी तरह से वित्त पोषित किया जाए। इस रूपरेखा में इस ढांचे का एक समग्र उद्देश्य शामिल है जो लिमिटेड नियमों के आधार पर, विश्व उप-परियोजनाएं तैयार करने और कार्यान्वयन के लिए जेएमडीपी के तहत लागू किया गया है।

- मानव बस्तियों, आदिवासी क्षेत्रों और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों में उपनव चार्ज करने के लिए उठित साक्षात करें।
- सूचीबद्ध करें कि परियोजना प्रभावित व्यक्तियों (शीर्षी) पर परियोजना से नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ रहा हो।
- प्रारंभ से ही प्रभावित लोगों को औपचारिक और खराबकाल के लिए शामिल करना।
- आर्जेंटिनियू, मूँग, मूँग और आजीविका के लक्ष्य को लेकर प्रभावित लोगों से परामर्श करें।
- परियोजनाओं के पर्यावरण और सामाजिक कार्यों की पहचान करने में समुदायों के साथ परमार्श को प्रोत्साहित करना।
6.8 आरपीएफ का पुनर्व्यवस्थापन/संशोधन

6.9 आरपीएफ एक 'अप 3 डेट' या 'लाइव दस्तावेज' होगा, जिससे जब और जहां आवश्यक हो, संशोधन के योग्य बनाता है। प्रोजेक्ट या उप-प्रोजेक्ट डिजाइन में अप्रत्याशित स्थितियों और/या परिवर्तनों का मूल्यांकन किया जाएगा और देश के कानूनों की आवश्यकताओं और बैंक की सुरक्षा नीतियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पुनर्व्यवस्थान नीति (रिसेटलमेंट पॉलिसी) रूपरेखा को अपडेट करके उपयुक्त प्रतिक्रियाएं उपलब्ध कराया जाएगा। ऐसे संशोधनों में देश/राज्य की कानूनी/नियामक व्यवस्था में पेश किए गए किसी भी भद्दलाव/संशोधन को भी शामिल किया जाएगा और अधिकांश कार्य जारी रखा जाएगा। इसके अलावा, इस दांबे के आवेदन और कार्यान्वयन के अनुमंडल की आधार पर, प्राकृतिक और प्रक्रियाओं को अद्ययान किया जाएगा, जैसा कि विविध बैंक और कार्यान्वयन एजेंसियों/विभागों के साथ परम्परा हेतु उचित है।
6.9 घनवाद रोड एनसीबी—09 और एनसीबी—02 के लिए पात्रता मानक

70. सड़क निर्माण जैसे बुनियादी रूपरेखा विकास की गतिविधियों का समाप्ति पर बड़े पैमाने पर दो दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। सबसे पहले, निर्माण का प्रत्यय प्रभाव, जो कि विशेषधार रूप से संपर्क से अविलकारी रूप से सामाजिक व्यवस्था पर बाधा उत्पन्न करती है दूसरे, आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से अप्रत्यक्ष प्रभाव जो निर्माण के बाद के चरण में बनाए गए हैं, जो आसपास के क्षेत्रों के सामाजिक तानापर बनाने पर नकारात्मक और सकारात्मक प्रभाव दालते हैं। निहितार्थों को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कार्यक्रमी रूपरेखाओं पर विचार करते हुए संभावित सामाजिक प्रभावों को प्रबंधित करने की आवश्यकता है जो विभाग बैंक की सामाजिक सूचना आवश्यकताओं की जूझों को भी पूरा करेगा। इस उप-परियोजना के लिए पात्रता मानक, जैसा कि नीचे तालिका 23 में प्रस्तुत किया गया है, पपा-परियोजना और सामाजिक प्रकाश रूपरेखा (ईएसएमएफ) द्वारा जेएमडीपी के लिए तैयार किया जाता है, जिसमें से यह उप-परियोजना एक हिस्सा है।

6.10 पात्रता मानक के लिए परियोजनाएं

71. जूड़कों के इससे एमएफ के तहत आरपी के प्रयोजन के लिए, निम्नलिखित परियोजनाएं लागू होंगी:

प्रबंधित क्षेत्र: भूमि अविनाशी के प्रयोजनों के लिए प्रतिष्ठित सरकारी प्रवर्तक क्षेत्र अविनाशी किया जा सकता है और जो भूमि आरएफसीटीएलआरआर अधिनियम, 2013 के अंतर्गत प्रतिष्ठित सरकारी राज्यहरू द्वारा अधिसूचना द्वारा घोषित किया जाएगा या जिसके लिए संबंधित भूमि सरकार को अवरोधों से हटा दिया जाएगा।

- कृति भूमि: के प्रयोजन के लिए इससे अनुसार भूमि: (१) कृषि या बागवानी, (२) क्षेत्रीय फार्मिंग, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, रेशम उत्पादन, पशुपालन या नरसिंह के बढ़ते हुए औसती जड़ी बूटियों के बीज खेती के प्रारंभ, (३) फसलें, पेड़ों, वास्ते या बारीचे की चैदार, और (४) मेडिकियों की चराइ के लिए इससे अनुसार अग्नि जमीन

- गर्मी रेखा से नीचे (बीपीएल) या बीपीएल परिवार: भारत के योजना आयोग (अब नीति आयोग के रूप में पुनर्गठन) के अनुसार, सम्य-सम्य पर और बीपीएल सूची में शामिल होने वाले समय के लिए।

- विलिंग: पर, बाहर पर या अन्य छत के बांधे, बाहेर, दीवार, ईंट, लकड़ी, कीचड़, धातु या किसी भी अन्य सामग्री, लेकिन तथ्य या अन्य पोर्टेबल और अस्थायी आश्रय शामिल नहीं है।
प्रभाव का दायरा (सीओआई): परियोजना की बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए आवश्यक न्यूनतम भूमि चौड़ाई और तटबंधों, सुविधाओं और सुविधाओं जैसे पाइप सड़कों, नालियों, उपयोगिता नलिकाओं और लाइनों, बाड़, हरे रंग के बेल्ट, सुखा क्षेत्र, काम कर रहे रिक्ट स्थान आदि

अतिम तिथि: भूमि अविभाजन के मामले में भूमि धारकों को प्रभावित करने के लिए स्थानीय समाचार पत्र में आरएफसीटीईलायज़ार अधिनियम 2013 की धारा 11 (1) के तहत भू-अविभाजन के लिए अविस्मरण जारी करने की आखिरी तारीख होगी। बिना किसी कानूनी अवधारण के, जो अतिम तिथियों अवधारण के लिए जनगणना और सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण की गुरूदात की तारीख होगी, अतिम तिथि संबंधी और पीआई१३३ प्रतिनिधि द्वारा संयुक्त निर्माण से पहले निर्माण की शुरुआत की जायगी।

अविभाजनकार: एक व्यक्ति जिसने अपनी इमारत, कृषि भूमि, व्यापार परिसर या काम के स्थानों को किसी भी प्राधिकरण के बिना सार्वजनिक 6 सरकारी जमीन में बढ़ा दिया है।

आवेदन: पीएची की आवेदन का अर्थ है कि सभी व्यक्तियों से अतिम तिथि के पहले की गई राशि सामाजिक/जनगणना सर्वेक्षण के माध्यम से या किसी समान आकलन के लिए माध्यमिक शौच के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है।

भूमि: 'भूमि' में भूमि से उपलब्ध होने वाले लाभ, और धारक से जुड़ी चीजें या धारक से जुड़ी किसी भी चीज को स्थायी रूप से जुड़ा हुआ है।

'भूमि अविभाजन' या 'भूमि का अविभाजन': आरएफसीटीईलायज़ार 2013 के अंतर्गत भूमि का अविभाजन।

गैर-कृषि मजदूर: एक व्यक्ति जो खेतीहर मजदूर नहीं है, लेकिन मुख्यतः प्रभावित क्षेत्र में अतिम तिथियों के अनुसार या प्रभावित क्षेत्र की घोषणा के तुरंत पहले के तीन साल से कम समय तक रहता है और जो प्रभावित क्षेत्र के तहत किसी भी भूमि का धारण नहीं करता है, लेकिन जो मैन्युअल मजदूर या ग्रामीण कारोबार के रूप में इस घोषणा से ठीक पहले अपनी आर्थिक कमाला है और जो मुख्य रूप से शारीरिक श्रम या प्रभावित क्षेत्र में ऐसे कारोबारों के रूप में अपनी आर्थिक अर्जित करने से विराम है।

अविस्मरण : आरएफसीटीईलायज़ार २०१३ के प्रवर्तनों के तहत भूमि अविभाजन के लिए उपयुक्त सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अविस्मरण।

- परियोजना प्रभावित परिचय (आरएफसीटीईलायज़ार अधिनियम 2013 में परिवर्तित): इसमें शामिल हैं:

- एक परिचय जिसका भूमि या अंतः अवधारण संपत्ति अविभाजन कर लिया गया है।

- एक परिचय जो किसी भी जमीन का मालिक नहीं है, लेकिन एक सदस्य या ऐसे परिचय के सदस्य कृषि मजदूर हो सकते हैं, जोतदारों या जोतदारों के किसी भी रूप में हो सकते हैं, जो सही, साझा-फसलों या कारोबारों का हिस्सा है या जो प्रभावित क्षेत्र में काम कर रहे हैं अतिम तिथि को जिसकी आर्थिक का प्राथमिक श्रम जमीन अविभाजन से प्रभावित है।
पीएच: कोई भी तरीक़ प्रक्रिया या अप्रत्यक्ष रूप से परियोजना और/या परियोजना से संबंधित गतिविधि को प्रभावित करता है, कानूनी स्थिति के बावजूद और इसमें शामिल होगा:

- कब्जा धारक
- अतिक्रमणकारी
- अनिविकृत निवासी
- किरायेदारों, पटेदार, शोयर कोंपार्स
- कर्मचारी, भूमिगैन मजदूर

परियोजना प्रभावित परिवार (पीएच): परिवार और/या गैर-परिवार के सदस्यों को एक साथ मिलकर एक सामाजिक इकाई, और जो इस परियोजना से नकारात्मक और /या रक्षात्मक रूप से प्रभावित है

किराया: जो कुछ भी विविधत रूप से नकद या प्रकार के रूप में देय है, आशिक रूप से नकदी में और आशिक रूप से, चाहे उपयोग का एक निश्चित मात्रा या उपयोग के लिए सूची के रूप में, भूमि का उपयोग या व्यवसाय या किसी भी खाते के कारण सही भूमि पर (जो कानूनी नहीं हो सकता है) लेकिन भूमि राजस्व को शामिल नहीं किया जाएगा।

विभाग की लागत: किसी भी जमीन या अन्य परिसंपत्ति का प्रतिस्थापन लागत/मूल्य, प्रभावित तरीक़ द्वारा किए जाने वाले समान भूमि या अन्य परिसंपत्ति और अन्य लागू करने को मिले/खरीदें के लिए वसाबर या पर्याप्त मूल्य/मूल्य है, नए आदातीएक्सीएसीआईआई अधिनियम 2013 के अनुसार, अतिक्रिये सांस्कृतिक के साथ समान सुविधाओं की गणना प्रतिस्थापन लागत या प्रभावित परिसंपत्तियों के बाज़ार मूल्य से अधिक है।

दुकान: कोई भी परिवार जहां किसी भी व्यापार या व्यापार पर किया जाता है और जहां ग्राहकों को सेवाएं प्रदान की जाती है।
6.11 विस्थापन लागत के मूल्यांकन के लिए विधियां

72 विस्थापन लागत के आकलन और भूमि, ढांचे और अन्य परिसंपत्तियों के मूल्यांकन के लिए मुआवजे के निर्धारण के लिए नीचे दिए गए विधियों में चर्चा की गई है:

क. भूमि के मूल्यांकन के लिए मुआवजा

73 सरकार के साथ पंजीकृत एक स्वतंत्र मूल्यांकक को शामिल करना/किराए पर लेना, जो भूमि की प्रतिस्थापन लागत का आकलन करने के लिए सहायता कर सकता है और स्क्रूम क्राइडरिका को इन्हें निषिद्धताओं द्वारा कट-ऑफ की विधि से कम से कम छह महीने पहले निरंतर रोजगार में होना चाहिए और अपने रोजगार को साबित करने के लिए विद्यमानी दस्तावेजी सबूत होना चाहिए।
ख. घरों, इमारतों और अन्य संरचनाओं की विस्तारण लागत

७४ घरों, इमारतों और अन्य अवल संपत्तियों की प्रतिस्थापन लागत, अवयूपयोग के सिना तारीखों की प्रासंगिक मुल्यात्मक अनुसूची (शीएसआर) का संदर्भ देकर प्रतिस्थापन लागत के आधार पर निर्धारित की जाएगी। आधिकारिक प्रबंध के नामांकन में, यदि अवशिष्ट संरचना को संरचनात्मक रूप से अतुल्यता या गैरकानूनी रूप से पूरे ढांचे को प्रभावित माना जाता है और तदनुसार क्षति पूरी की जाती है। विस्तारण और मूल्यांकन की स्थिति पीएनआई/आईआईपी के तहत प्रदान की गई राशि से कम है, पीएमएआई/आईएपी के तहत प्राधिकारों के बावजूद मुआवजे प्रदान की जाएगी।

घ. पेड़/फसल के लिए मुआवजा

७५ पेड़ों के लिए मुआवजा उनके बाजार मूल्य पर आधारित होगा। लकड़ी के पेड़ों की क्षमता के लिए उनकी प्रतिस्थापन लागत पर मुआवजा दिया जाएगा, जबकि कई फल के पेड़ों के नुकसान के लिए मुआवजे की गणना बर्ष की संख्या (संबंधित विभाग के अनुसार मानक प्राथमिक क्षति के अनुसार) की गणना के लिए वार्षिक उत्पादन मूल्य के रूप में की जाएगी, पेड़ों/फसल की प्रकृति के आधार पर।
<table>
<thead>
<tr>
<th>क्षेत्र</th>
<th>प्रमाणित परिसंपत्ति</th>
<th>पात्रता</th>
<th>कोई अन्य सन्दर्भ</th>
</tr>
</thead>
</table>
| गर-स्वामित्वकारी | आवासीय ढाँचा की क्षति | □ प्रमाणित संचालन को ध्यान देने के लिए एक महीने का अधिग्रहण नोटिस, □ अधिकाम, □ आवासीय संचालन की प्रतिक्रिया लागत, या □ पीएम/एपीए के लहर बेचर पीएम के लिए सरकारी मानदंडों के अनुसार चुनौति क्षेत्र बाला वैकल्पिक घर। □ या (3) पीएम/एपीए (राज्य मानदंड के अनुसार) के सम्पूर्ण वित्तीय सहायता जो सभी को स्वामित्विकरण करना है और अभिमन विधि के अनुसार घर नहीं है। □ अन्य कुशल श्रमिक के लिए प्रमाणित स्वामित्व संजुरी के अनुसार एक महीने का निवेदन भता। | आवासीय संचालनों और अन्य अचल संपत्तियों का मूल्य तीसरे पक्ष की सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मूल्यांकन प्रदान की जाएगी या सरकार द्वारा अनुमोदित चार्टर्ड इंजीनियर द्वारा निरीक्षित किया जाएगा। पुनवासिस पैकेज विकल्प वैमन के लिए पीएम के साथ प्राप्त माहिती का इस्तेमाल किया जाएगा। विश्वास के उपरांत प्राधिकृत के अनुसार पुनवासिस सहायता प्रदान की जाएगी। |}
| व्यावसायिक संचालन और वेबसे/किकोल्ल का पुकारना | प्रमाणित संचालन को ध्यान देने के लिए एक महीने का अधिग्रहण नोटिस, | □ प्रमाणित व्यावसायिक बाजार संचालन के लिए बाजार मूल्य पर मुकाबला या □ पंजीकृत विक्रेताओं के लिए, यूएलबी के परमाशंक से, पीएम की वेशिंग जॉन में पुनस्थापित किया जा सकता है। □ पंजीकृत विक्रेता के लिए फुटपाथ विक्रेता अधिनियम 2014 के वेशिंग जॉन के अनुसार यदि यह संभव नहीं है तो संबंधित यूएलबी की |}
<table>
<thead>
<tr>
<th>आवासीय सह व्यवसायिक वस्तु का पुकार</th>
<th>आवासीय संस्थान का पुकार</th>
<th>व्यवसायिक संस्थान का पुकार</th>
<th>वाणिज्यिक संस्थान और अन्य अवल संस्थानों के मुख्य को तृतीय पक्ष द्वारा निर्धारित किया जाएगा पाद्यार सरकार अनुमोदित मुद्रा/बंडन एवं हा एक सरकार अनुमोदित चार्ट इंडीनियर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>गैर-आवासीय (अंतिक्रमणक ऑर्डर)</td>
<td>आवासीय सह व्यवसायिक वस्तु का पुकार</td>
<td>आवासीय संस्थान का पुकार</td>
<td>वाणिज्यिक संस्थान और अन्य अवल संस्थानों के मुख्य को तृतीय पक्ष द्वारा निर्धारित किया जाएगा पाद्यार सरकार अनुमोदित मुद्रा/बंडन एवं हा एक सरकार अनुमोदित चार्ट इंडीनियर</td>
</tr>
</tbody>
</table>
| आवासीय का पुकार (आय) | स्वाभाविक प्रभाव के लिए सीध महीने के लिए मासिक न्यूयूयर्क मजदूर के बिकार अनुरुप मंत्रा, या | प्रमाणित आवासीय का पुकार (आय) | कंवल कृषि मजदूर, जो मूल्य के मासिक के पूर्णकालिक/स्वाभाविक रोजगार में है । या प्रमाणित आवासीय का पुकार (आय) | कंवल कृषि मजदूर, जो मूल्य के मासिक के पूर्णकालिक/स्वाभाविक रोजगार में है । या प्रमाणित आवासीय का पुकार (आय) | कंवल कृषि मजदूर, जो मूल्य के मासिक के पूर्णकालिक/स्वाभाविक रोजगार में है । या प्रमाणित आवासीय का पुकार (आय) | कंवल कृषि मजदूर, जो मूल्य के मासिक के पूर्णकालिक/स्वाभाविक रोजगार में है । या प्रमाणित आवासीय का पुकार (आय) | कंवल कृषि मजदूर, जो मूल्य के मासिक के पूर्णकालिक/स्वाभाविक रोजगार में है । या प्रमाणित आवासीय का पुकार (आय) | कंवल कृषि मजदूर, जो मूल्य के मासिक के पूर्णकालिक/स्वाभाविक रोजगार में है । या प्रमाणित आवासीय का पुकार (आय) | कंवल कृषि मजदूर, जो मूल्य के मासिक के पूर्णकालिक/स्वाभाविक रोजगार में है । या प्रमाणित आवासीय का पुकार (आय) | कंवल कृषि मजदूर, जो मूल्य के मासिक के पूर्णकालिक/स्वाभाविक रोजगार में है । या प्रमाणित आवासीय का पुकार (आय) | कंवल कृषि मजदूर, जो मूल्य के मासिक के पूर्णकालिक/स्वाभाविक रोजगार में है । या प्रमाणित आवासीय का पुकार (आय) | कंवल कृषि मजदूर, जो मूल्य के मासिक के पूर्णकालिक/स्वाभाविक रोजगार में है । या
<table>
<thead>
<tr>
<th>हथियार का पुनावजन किया जाता है।</th>
<th>गतिविधियों पर पूर्णक्षेप निर्माण व्यवस्था के लिए योग्य हों। यह गतिविधियों अवधि के दौरान प्रचारण की लिस्ट अवधि के अधार पर परिवर्तन के निमित्त वरण के दौरान अधिकतम तीन महीने तक उपलब्ध कराया जाएगा।</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>कमजोर पीएचसी</td>
<td>प्रभावित किसान को एक महीने का निश्चित प्रारंभिक सहायता भत अनुशंसा मजदूरी के प्रभावित न्यूनतम मात्रिक मजदूर के समक्ष होता है। प्रभावित होने से पहले पुनावजन किया जाएगा</td>
</tr>
<tr>
<td>सहायता से अधिक विशेषता पीएचसी को अन्य सहायता से अधिक मिलती है।</td>
<td>संयुक्त सत्याग्रह के दौरान गैर सरकारी संस्था के सम्बन्ध में पाठ पीएचसी पात्र कमजोर परिवर्तन प्रभावित व्यक्तियों को संयुक्त सत्याग्रह की पहचान करेगा। पीएचसी के साथ परिवार में एक प्रशिक्षण की आवश्यकता मूल्यांकन किया जाएगा। ताकि पीएचसी किशोरी के स्पष्ट हास्य प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किया जा सके।</td>
</tr>
<tr>
<td>असुरक्षित पीएचसी के लिए ₹10,000 रुपयों की एक बार सहायता, जिनको स्थानांतरित करना होगा।</td>
<td>सौभाग्य सत्याग्रह के दौरान साबित सदस्य, जिनको आधीयतिक प्रभावित होती है, कोशल विकास प्रशिक्षण के लिए हकदार होगा।</td>
</tr>
<tr>
<td>पीएचसी आवास में, वैडिंग जॉन में पुनर्वास प्रक्रिया के दौरान संवेदनशील पीएचसी को प्रारंभिक सहायता की जाएगी।</td>
<td>पीएचसी के साथ परिवार में एक स्वस्थ प्रशिक्षण की आवश्यकता मूल्यांकन किया जाएगा। ताकि पीएचसी किशोरी के स्पष्ट हास्य प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किया जा सके।</td>
</tr>
<tr>
<td>सोमवार</td>
<td>सोमवार का प्रभावित करना जैसे कि पूजा के स्थान, सामुदायिक महत्व, रक्त आदि</td>
</tr>
<tr>
<td>पुनरावृत्त या बदलते, अगर सम्बन्ध हो, या आसपास के क्षेत्र में ऐसी ही संरक्षण स्थापित करने के लिए प्रतिस्थापन लागत पर मुआवजा</td>
<td>पीएचसी, यह सूचनित करेगा या युक्ति दूसरी एलोनन्सिलेशन, संगठन या व्यक्ति के मामले में हो।</td>
</tr>
</tbody>
</table>
अध्याय ५: आर्थिक कार्यान्वयन के लिए संस्थागत व्यवस्थाएँ

8.1 सामान्य

७६. पुनर्वास कार्य योजना के प्रबंधन और कृत्यान्वयन के लिए उपयुक्त संस्थागत व्यवस्था की जाएगी। समग्र परियोजना का कार्यान्वयन करना जुड़को की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि परियोजना के उद्देश्यों को हासिल किया गया है। तीन प्राथमिक हिताधिकारियों के बीच जिम्मेदारियों के प्रभावी संचार और वितरण को स्थापन करने के लिए एक तीन सत्रीय प्रबंधन संरचना की परिकल्पना की गई है:

- उच्चतम स्तर पर एक अधिकार प्रचार समिति (ईसी) है
- दूसरा स्तर राज्य स्तर पर एक जूडको—पीएमसी२ है
- तीसरा स्तर गृहव्यवस्था स्तर पर एक जूडको—पीएआई२२ है

७७. परियोजना प्रबंधन रूपरेखा को सभी विभिन्न स्तरों पर जेपीजी पैंट स्मृति प्रतिभागियों में प्रभावी संचार और जिम्मेदारियों के वितरण को स्थापन करने के लिए परिकल्पित किया गया है और नीचे उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई है।

क. अधिकार प्रचार समिति:

७८. उच्चतम स्तर पर, परियोजना को एक अधिकार प्रचार समिति (ईसी) द्वारा निर्देशित किया जाएगा, जो निर्देशण और नीतिगत निर्णय प्रदान करेगी। समिति की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य सचिव/सचिव/प्रबंधन सचिव, यूडीएवीको एवं इसमें प्रभावी सचिव और विभाग के मुख्य सचिव, प्रेमजन और सचिवता विभाग के मुख्य सचिव और एसबीएवी निदेशक शामिल होंगे, जो समिति के सदस्य सचिव होंगे। अधिकार प्रचार समिति हर साल कम से कम दो बार मुलाकात करेगी। हालांकि, ईसी की जस्ती और आवश्यकता के आधार पर जितनी संभव हो उतनी ही मिल सकती है।

ख. परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमसी२)

७९. परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमसी२) की परियोजना प्रबंधन और निष्पादन की संपूर्ण जिम्मेदारी होगी। पीएमसी२ दिन—प्रतिदिन परियोजना प्रबंधन, समन्वय और कार्यान्वयन की सीधी जिम्मेदारी ग्रहण करेगा। यह परियोजना कार्यान्वयन कार्यक्रम और परियोजना संचालन मैनेजर (ओएम) के अनुसार परियोजना के प्रदर्शन की तैयारी, कृत्यान्वयन और निष्पादन में मुख्य भूमिका निभाएगा। पीएमसी२ परियोजना ग्राहकों को लागू करने के लिए दिन—प्रतिदिन के फैसले की सुविधा प्रदान करेगा और अंतर—अंतरक्रम समन्वय के लिए जिम्मेदारी होगा। पीएमसी२ वार्षिक कार्यक्रम, वजह, खर्च योजना तैयार करना, निर्धारणों का विवेचन, समीक्षा निष्पादन और जवाबदेही, दस्तावेज तैयार करने और व्यापारिक समीक्षा वैकल्पिकों की निष्पादन करना, साथ ही साथ अनुबंध और परियोजना कर्मचारियों की निजीता करना और परामर्श कार्य, विषयक तैयार करना और अन्य दस्तावेज तैयार करना और गुणवत्ता नियंत्रण प्रदान करना है। प्रसारित परियोजना की सभी परियोजना प्रबंधन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पीएमसी२ का सहयोग करने के लिए जुड़को एक पीएमसी२ की खर्चें करेगा।
80 पीएमू में समर्पित पर्यावरण सुरक्षा विशेषज्ञ और सामाजिक सुरक्षा विशेषज्ञ शामिल होंगे। पीएमू स्तर पर पर्यावरण और सामाजिक विशेषज्ञों को काम पर रखा गया है, और जेम्हीपी के लिए सुरक्षा दस्तावेज तैयार करने को सहायता देने के लिए जेम्हीपी परियोजना की तैयारी चरण में काम किया जा रहा है। पीएमू स्तर पर पर्यावरण और सामाजिक विशेषज्ञ (नीचे चित्र १० देखें) होंगा।

81 जुड़के पीएमू पहले से ही परियोजना की तैयारी के माध्यम से संचालित और कर्मचारी से लेख किया जा चुका है। एक पर्यावरण और सामाजिक विशेषज्ञ को भरता किया गया है और सुरक्षा उपायों की तैयारी प्रक्रिया का समर्थन किया गया है। निम्नलिखित के लिए पीएमू जिम्मेदार होगा:

- हिताधारक प्रतिमार्श और सार्वजनिक व्यक्ति
- डीपीआर, इरासेयर, विज्ञान, बोली दस्तावेजों की तैयारी, टेंडरिंग शोधकूल इत्यादि का अनुमोदन
- इरासेयर के लिए टीमोफार की तैयारी
- उप-परियोजना डीपीआर इरासेयर और इरासेयर पीएमू की तैयारी
- कार्यान्वयन के तहत परियोजनाओं का साइट विजिट और निरीक्षण
- आरएपी का कार्यान्वयन
- कार्यान्वयन अभिलक्षण को तकनीकी सहायता सलाहकारों और अन्य सुरक्षा प्रबंधन के लोगों की नियुक्ति, में सहायता प्रदान करती है
- तृतीय-पक्ष लैंड-जोखिम के माध्यम से गुणवत्ता आवश्यक
- एमआईएस और जैविक रिपोर्टिंग को बनाए रखना
- प्रातिष्ठानिक प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, निगमनी और रिपोर्टिंग
- सहमत कार्यान्वयन प्रक्रियाओं और अन्य विशेष बैंक आवश्यकताओं, आदि के साथ अनुपालन सुनिश्चित करना
- उप-परियोजनाओं के लिए आवश्यक सभी एनआईसी और मंजूरी प्राप्त करना
घ. परियोजना क्रियान्वयन इकाई (फीआईयू)

82 पीएमयू के अनुसार, जुड़कों यूपैल्बी स्तर पर पीआईयू स्थापित करेगा, जो पीएमयू के साथ संयुक्त रूप से यूपैल्बी स्तर पर कार्यान्वयन पर्यवेक्षण के लिए जिम्मेदार होगा, साथ ही साथ यूपैल्बी को ओ एंड एम क्वालिटी एथेंस समर्थन प्रदान करना होगा। यूपैल्बी स्तर पर उप परियोजनाओं से पहले पीआईयू पूरी तरह से चालू हो जाएगा, शिविर वर्क की गतिविधियों को शुरू करना। यूपैल्बी मुख्य रूप से परियोजना निवेश के ओ एंड एम के लिए जिम्मेदार होंगे।

83 पीआईयू में परियोजना प्रबंधक शामिल होंगे, जो यूपैल्बी की इंजीनियरिंग टीम के सदस्य हैं, जो बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास, पर्यवेक्षण और प्रबंधन पर पर्यावरण विशेषज्ञ और सामाजिक विशेषज्ञ के प्रबंधन के लिए यूपैल्बी इंजीनियरिंग की नीतियों प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करेगा। जुड़को परियोजना के निष्पादन और ओ एंड एम नर्तकों पर यूपैल्बी का ओपरेटरिंग सलाह प्रदान करेगा यह परियोजना एक परियोजना प्रबंधन परमाणुदता फर्म की सेवाओं के लिए लागू करेगी जो कार्यान्वयन और पर्यावरण और सामाजिक कार्यों से परिवर्तन की क्षमता को मजबूत करेगी। पीआईयू का समर्थन करने के लिए, कार्यान्वयन के स्तर के दौरान, एक सीएसपीयू परमाणुदता फर्म काम पर रखा जाएगा। निम्नलिखित के लिए पीआईयू जिम्मेदार होंगे:

- कार्यान्वयन के तहत उप-परियोजना खंडों पर निरीक्षण दौरा करना।
- कार्यान्वयन पर पीएमयू में मानक प्रगति प्रतिवेदन को सुधार करें
- जेएमडीपी कार्यान्वयन चरण के दौरान सुस्था अनुपालन की रिपोर्टिंग
- पीएमयू को इंस्पेक्शन की प्रगति और व्यवस्था रिपोर्टिंग
- जिला स्तरीय समन्वय समितियों, यूपैल्बी आदि के साथ समन्वय

84 यूपैल्बी और पीआईयू की निम्नलिखित जिम्मेदारी होंगी:

- जेएमडीपी के तहत बनाए गए नगरेय बुनियादी ढाँचे के संचालन और रखरखाव के दौरान ईएसएमपी की निगरानी करना, और सभी ईएसएमपी गैर-अनुपालन गुद्ध का समाधान करना।
- सुस्था उपायों को सुनिश्चित करने के लिए त्योहारों और दीर्घकालिक दौरान यातायात प्रबंधन नियंत्रण योजनाओं, उपयोगिता स्थानांतरण योजनाओं और किसी विशेष व्यवस्था के निर्माण और कार्यान्वयन में संबंधित की सहायता करना।
- पीआईयू ई एंड एस विशेषज्ञ परियोजना खंडों पर जाएंगे और इंस्पेक्शन निरीक्षण जांच सुस्थी संकल्पित करेंगे
जल आपूर्ति परियोजनाओं के लिए, गूगल—पीआइसी, उपयुक्त चरण के दौरान आवश्यक पर्यवेक्षण गुणवत्ता की निगरानी और ईसएसएस निगरानी से संबंधित।

परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक सरकारी अनुमोदन/परिमाण/लाइसेंस और आदेश प्राप्त करने में सहायता करना।

संबंदों के अपशिष्ट प्रबंधन का पर्यवेक्षण और क्षेत्र प्रबंधन योजनाओं को अपने हाथ में लेना।

सभी सामुदायिक जागरूकता और भारीदारी गतिविधियों के कार्यान्वयन में हिस्सा लेना।

साइट की सुरक्षा, पीपीई, ईसएसएस व्यवस्था सुनिश्चित करना कि यह समृद्धता तरीके से कार्यान्वित किया जा रहा है।

शिकायत निवारण और संकल्प

अर एंड आर गतिविधियों के लिए अनुतिम राशि के साथ खर्च को बनाए रखें।

नागरिक भारीदारी, सामुदायिक भारीदारी के माध्यम से पर्यावरण सामाजिक व्यक्तिगत सुनिश्चित करने और उपयोगका शिकायत निवारण के लिए एक तंत्र स्थापित करना और समय पर उपयोगको शिकायतों को सुनने के लिए सामाजिक पहुंच और आवश्यक सुरक्षा, शिक्षा और संचार (आईईई) की गतिविधियों को पूरा करना। यह उपलब्ध कराई गई सेवाओं पर नागरिकों से समय पर प्रतिक्रिया प्राप्त करेगा। और समय-समय पर ज्यों को अधिनियम करेगा और शहरी गरीबों और अवस्थाओं की आवश्यकताओं की देखभाल करेगा।

**चित्र 2: संस्थानिक व्यवस्था**

ज्यों को

- परियोजना कार्यान्वयन इकाई

  - पूर्ण रूप से परियोजना प्रबंधन और गुणवत्ता निगरानी सुपोर्ट
  - कार्यान्वयन सुपोर्ट (इंजीनियर, संचालक, पुष्टि, अन्य)

  - परियोजना कार्यान्वयन इकाई हरेक शहर के लिये एक

  - हिजाइन सुपोर्ट

   - कार्यान्वयन सुपोर्ट

     - इंजीनियर, पुष्टि

     - डबलबूईरी—पीएमसी

     - डबलबूईरी—सीएससी

     - औपचारिक सिद्धांत

     - प्रत्यक्ष सिद्धांत (निर्माण गुणवत्ता समिक्षा, ईसएसएस निगरानी सिद्धांत)
५.२ उप-परियोजना स्तर पर आरएपी कार्यान्वयन समर्थन अभिकरण

५५ आरएपी को लागू करने के लिए, जूडको-पीएमयू एक या एक से अधिक एजेंसियों की सेवाएं लेगी, जो को मानक बोली प्रक्रिया के माध्यम से पुनर्वास और पुनर्वास संबंधी समस्याओं की अनुमति गैर-सरकारी संगठन/कंसाल्टेंसी फर्म हो सकती है। कार्यान्वयन एजेंसी आरआरओं के साथ निकट समन्वय में काम करेगी और पीआईयू को रिपोर्ट करेगी। आरएपी कार्यान्वयन एजेंसी की सेवाओं से जुड़ी वित्तीय मामलों को जूडको-पीएमयू द्वारा पेष किया जाएगा। कार्यान्वयन एजेंसी की व्यापक भूमिकाएं और जिम्मेदारियाँ निम्नानुसार होगी:

- आरएपी कार्यान्वयन एजेंसी जूडको-पीएमयू और पीएपी के बीच मुख्य संपर्क होगी.
- सीओआई के संबंध में पीएपी के विस्तृत संबंधक्षण के संचालन और पीएपी डेटा के संचालन के लिए उपरोक्तवाही होगा जैसे ईसआईए सालाहकारों द्वारा तैयार किया गया है.
- आरएपी के प्रारंभ में आरआरओं के साथ सार्वजनिक यूनियन अभियान को शामिल करना,
- पीएपी के साथ तालमेल विकसित करना,
- पीएपी, पंचायत राज संस्थाओं और परियोजना क्षेत्र में संबंधित सरकारी कार्यलयों आदि में आरएडीआर पैकेजों के पारे विस्तारित करने
- जनसंपर्क सह सामाजिक-आर्थिक संबंधक्षण और आर एंड आर अधिकारी से प्रमाणण के दौरान गणना नहीं किये जा सकने वाले पीएपी शामिल करने,
- पीएपी के लिए पहचान पत्र बनाने और जूडको-पीएमयू से अनुमोदन के लिए प्रारूप तैयार करने,
- फोटो पहचान पत्रों की तैयारी और वितरण,
- सूचना योजना तैयार करना,
- जूडको-पीएमयू से अनुमोदन के लिए आरआरओं को माइक्रो-प्लान प्रस्तुत करना,
- जूडको-पीएमयू में सूचना-योजना के अनुसरण करने,
- पुनर्वास और पुनर्वास के संबंध में पीएपी के साथ नियुक्त अंदाज तक पर परमिंट स्वापित करना,
- पीएपी के कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम को व्यवस्थित करने,
- क्षेत्रीय और आर एंड आर से संबंधित सभी मामलों में पीएपी की सहायता करना,
- अपने मामलों को जीआरसी में जाकर पैडिट्स (मुआयना और सहायता के लिए) को सहायता और सुविधा प्रदान करना,
- पीएपी के संयुक्त खाते खोलने में सहायता करना,
- वैकल्पिक आर्थिक आजीविका के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना और पीएपी को सूचित विकास तैयार करने में सक्षम बनाना.
86 जूडको-जेएमडीपी सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन की संस्थागत व्यवस्था 3 में नीचे दी गई है।

चित्र 3: जेएमडीपी का संगठन चित्र

7.3 पर्यावरण और सामाजिक विशेषज्ञ की मूलिकाएं और जिम्मेदारियां

87 जूडको के गीतर, यूर्फकालिक पर्यावरण और सामाजिक विशेषज्ञ को ईएसएमपी लागू करने और इसके साथ अनुपलन सहित परियोजना के तहत पर्यावरण और सामाजिक प्रबंधन से संबंधित सभी मामलों को संभालने के लिए नियुक्त किया जाएगा। संपूर्ण परियोजना काल के लिए जेएमडीपी के पास एक पूर्णकालिक पर्यावरण और सामाजिक विशेषज्ञ उपलब्ध होगा।
पर्यावरण विशेषज्ञ और सामाजिक विशेषज्ञ की प्रमुख निम्नलिखित मार्गदर्शियों में शामिल हैं:

- पर्यावरण और सामाजिक प्रबन्धन के कार्यन्वयन एजेंसी टीमों और संबंधी कार्यकर्ताओं का उन्मुखीकरण और प्रशिक्षण।
- ईंसाईए प्रतिबंध और उसकी आवश्यकता पर निरन्तर रखने/प्रदान करने और सुरक्षा दस्तावेजों के अनुसरण के लिए अग्रणी भूमिका निभाना।
- ईंसाईए और सुरक्षा अंकनकरण करने के लिए सलाहकारों की मात्रा
- ईंसाईपी/आरएसी/टीडीपी कार्यन्वयन पर कार्यन्वयन एजेंसियों द्वारा प्रस्तुत की गई निगरानी रिपोर्ट की समीक्षा करना।
- उप-परियोजना नियोजन, डिजाइन और निर्माण के दौरान ईंसाईपी अनुपालन की समीक्षा करने के लिए परियोजना रिपोर्ट पर कम से कम हिमाशी दौरा आयोजित करना।
- समन्वय आदेश, अनुसूची कार्यवाही और परियोजना के लिए जरूरी अपेक्षित पर्यावरण मंत्री प्राप्त करें, यदि आवश्यकता हो, तो कार्यवाही आवश्यकताओं के अनुपालन के लिए पीआईपी परामर्श लेना।
- पीआईपी के पर्यावरण विशेषज्ञ के सहयोग से, पीआईपी कर्मचारियों, संबंधी कार्यकर्ताओं और परियोजना कार्यन्वयन में शामिल अन्य लोगों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास, व्यवस्थापन और वितरण करना।
- पर्यावरण और अन्य नियोजक मामलों पर विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ संपर्क करें।
- परियोजना के पर्यावरणीय प्रदर्शन की समीक्षा करें, समय-समय पर पर्यावरण निगरानी रिपोर्ट संकलित करें और आवश्यक अनुसूची कार्यवाही के लिए परियोजना निदेशक को इसके बारे में सारांश दें।
- सरकारी एजेंसियों और विश्व बैंक को परियोजना के संचालन के चरण के निर्माण के दौरान ईंसाईपी के कार्यन्वयन के साथ-साथ सहायता के लिए सहायता प्रदान करें।
- ईंसाईनियरिंग डिजाइन में पर्यावरणीय मुद्दों के एकीकरण और परियोजनाओं में नगरीय बुनियादी परियोजनाओं के निर्माण और बुनियादी कार्यक्रमों में उपयोग को कार्यान्वित करने और पीआईपी के पर्यावरण और सामाजिक आधिकारिक की सहायता से इस प्रोजेक्ट की सुयोग्यता दस्तावेज तैयार करना।
- कार्यन्वयन और सामाजिक प्रबन्धन के पहलुओं पर डिजाइन सलाहकारों के मार्गदर्शन और इनपुट प्रदान करना।
- जुड़को परियोजना निदेशक और विश्व बैंक की रिपोर्टिंग।
- पर्यावरण गुणवत्ता लेखा परियोजना सलाहकारों के साथ समन्वय।

पर्यावरण और सामाजिक विशेषज्ञ उप-परियोजना डिजाइन और अनुबंध दस्तावेजों में पर्यावरण और सामाजिक विद्याओं के एकीकरण से संबंधित मामलों से भी निपटेंगे, इसके लिए संदर्भ की शर्त की तैयारी, रिपोर्टिंग, दस्तावेजीकरण, निगरानी और
पर्यावरण और सामाजिक पहलुओं पर मूल्यांकन और कार्यक्षेत्र एजेंसियों और पीआईयू के साथ समय-समय सुनिश्चित करेगा। जिला और ग्रामीण क्षेत्र पर पीआईयू कार्यक्षेत्र पर्यावरण और सामाजिक रीढ़निं चेकस्टेट तैयार करने और आवश्यक होने पर विस्तृत ई/एसए. और जहाँ भी आवश्यक हो वहाँ आर्थिक/एसटी/एसएसमर्थन की तैयारी और क्रियान्वयन का समर्थन करेंगे। जुड़के के पर्यावरण और सामाजिक विशेषज्ञों को पीआईयू में तैनात पूर्णकालिक पर्यावरण और सामाजिक विशेषज्ञों/नोडल अधिकारी द्वारा समर्थित किया जाएगा। ये विशेषज्ञ पूर्व परियोजना काल के लिए उपलब्ध होंगे।

7.4 प्रशिक्षण कीमत एवं क्षमता निर्णय

90 आर्थिक के सफल और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए क्षमता निर्णय और प्रशिक्षण सभी एजेंसियों का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जुड़के—पीआईयू को इस में महत्वपूर्ण मुख्य किमी होनी होगी। इस भाग में परियोजना प्रभावी द्वारा क्रियान्वयन के विशेष पड़ों पर नियोजित किए जाने वाले क्षमता निर्णय एवं पर्यावरण के विश्वसनीय दोषों की जानकारी देने की कोशिश मिली दिखती अनुसार की गई है।

लातिका 24: क्षमता निर्णय/प्रशिक्षण के प्रकार

<table>
<thead>
<tr>
<th>चरण/स्तर</th>
<th>क्षमता निर्णय/प्रशिक्षण का प्रकार</th>
<th>संगठन/एजेंसी/कर्मचारी</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>आर्थिक चरण</td>
<td>क्रियान्वयन में पेश आने वाली प्रमुख समस्याओं के बारे में चर्चा करने के लिए – पाठी के ज्ञान और अनुभव बांटने के लिए 2 दिवसीय अनुकूलन कार्यशाला।</td>
<td>पीएमए, पीआईयू एवं एनजीओ</td>
</tr>
<tr>
<td>माह—1</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>आर्थिक चरण</td>
<td>क्रियान्वयन प्रक्रिया, ज्ञानविकास और प्रमुख समस्याओं के बारे में एनजीओ एवं पीआईयू स्टाफ का प्रशिक्षण</td>
<td>पीआईयू एवं एनजीओ</td>
</tr>
<tr>
<td>माह—1</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रियान्वयन चरण</td>
<td>क्रियान्वयन समस्याओं के बारे में 1 दिवसीय तिमाही समीक्षा कार्यशाला नोट: तिमाही समीक्षा कार्यशाला का आयोजन उद्धेश्य प्रविष्ट सुचना प्रणाली स्थापित करने के लिए और प्रविष्ट से निर्णयों को क्रियान्वयन के लिए निर्णय लेने में महत्वपूर्ण सहयोग के तौर पर अन्वेषण के लिए किया जाना चाहिए।</td>
<td>पीएमए, पीआईयू, निगरानी राष्ट्रीय एवं एनजीओ</td>
</tr>
<tr>
<td>माह—3</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रियान्वयन चरण</td>
<td>प्रणालिया, निगरानी के संकेत और निगरानी दागा विकसित करने वाले निगरानी परम्परागत प्रक्रिया के लिए 2 दिवसीय अनुकूलन कार्यशाला</td>
<td>पीएमए, पीआईयू, निगरानी राष्ट्रीय एवं एनजीओ</td>
</tr>
<tr>
<td>माह—6</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रियान्वयन चरण</td>
<td>पीएसपी की आवश्यकताओं के आकलन का प्रशिक्षण। पीएसपी के लिए आजीविका सहयोग कार्यक्रम की सुरंगेश तैयार करना। पीएसपी के प्रशिक्षण का प्रबंध करना।</td>
<td>पीआईयू, एनजीओ एवं निगरानी परम्परागत।</td>
</tr>
<tr>
<td>माह—2</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
अध्याय ५: अनुमानित लागत एवं आर एंड आर बजट

५.१ प्रस्तावना

५१ उप-परियोजना के लिए आर एंड आर बजट की गणना जनमणिक सर्वेक्षण के दौरान विचित्र हिसेब गए प्रभावों पर आधारित है।

५.२ संरचना की क्षति के लिए मुआवजा

५२ आचरण संपत्ति की पुनर्स्थापना लागत बिना अध्ययन के मौजूद तिथि के बेरिक रेड्रू ऑफ रेड्स (बीएसआर) के अनुरूप निर्धारित की गई है। परियोजना क्रियान्वयन के अंतर्गत २५८ खंड ग्रामवासियों हो जायेंगे। गणना के अनुसार प्रभावित होने वाले परिवारों को धांचे की क्षति के लिए एनसीवी-०२ के लिए २.३२ करोड़ रुपए एवं २.२७ करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाएगा।

५.३ परियोजना से प्रभावित परिवारों को मिलने वाली आर एंड आर सहायता

५३ धांचे की क्षति के लिए मुआवजे के अवधारणा उप-परियोजना के लिए निर्धारित अनुदान धांचे के अंतर्गत प्रभावित परिवारों की अतिरिक्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इस में पात्रता मानक जहां पर भी लागू होगा के अनुसार परियोजना से प्रभावित होने वाले परिवारों को आर्थिक की क्षति के लिए एजाक्च दिया जाने वाला स्थानांतर मात्रा, मुआवजा मात्रा आर्थि भी शामिल होगा।

५.४ धार्मिक एवं समुदायिक संरचना का स्थानांतर एवं विस्तार

५४ जनमणिक सर्वेक्षण के अनुसार परियोजना की सहकर से ७ धार्मिक धांचे प्रभावित होगे। प्रस्तावित धार्मिक धांचे के औसत स्थानांतर लागत ४००, ००० रुपए अनिवार्य की गई है। इस गणना के अनुसार कुल स्थानांतर लागत ६०, ०००, ०० रुपए होगी।

५.५ कुल आर एंड आर बजट

५५ प्रस्तावित परियोजना का कुल आर एंड आर बजट एनसीवी-०१ के लिए ८.३३ करोड़ रुपए एवं एनसीवी-०२ के लिए २.७५ करोड़ रुपए बनता है। एनसीवी-०१ और एनसीवी-०२ के बजट अनुमान की विरुद्ध जानकारी कमश: तालिका २५ और २६ में दी गई है। आकस्मिकता प्राकाश आर एंड आर क्रियान्वयन के दौरान होने वाले अनिवार्य और अन्य लागतों के लिए रखे गए हैं।
### तालिका २५: एनसीबी-०१ के लिए पुनर्वास बजट

<p>| पैकेज ३१ ए (चमक से विनोद बिहारी चौक तक) |<br />
| --- | --- |
| 1. होटल (गर, दुकान, इंस्टाल या अपने सजावट या भोजन से जुड़ी पार्श्वस्थितियों) की बाति के लिए पर्यावरण |</p>
<table>
<thead>
<tr>
<th>का प्रकार</th>
<th>रु प्रति कि. मीटर</th>
<th>क्षेत्रफल कि.मीटर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>क. पक्ष</td>
<td>३५५००.००</td>
<td>३५५२.००</td>
</tr>
<tr>
<td>झ. अतिशय-पक्ष</td>
<td>३५५००.००</td>
<td>३५५२.००</td>
</tr>
<tr>
<td>न. घर्षण</td>
<td>२६३८.००</td>
<td>६२७६.००</td>
</tr>
<tr>
<td>झ. चारिदाय टिकाऊ (मंडल में)</td>
<td>४२५०.००</td>
<td>४.५२</td>
</tr>
<tr>
<td>पूर्ण योग (६)</td>
<td>२४८.६३.६४.०१</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

| 2. आवश्यक साहित्य (आयामकर्ता/अन्य केंद्रयांशों पर प्रभाव) |  
| --- | --- |
| क. आवश्यक मानक | ६००००.०० | ६००००.०० |
| झ. पौदे आवश्यक मानक की बाति | ३००००.०० | ६००००.०० |
| झ. सजावट सहयोग | १००००.०० | १००००.०० |
| झ. एक शाखा का गुजारात मान | ७५५०.०० | ७५५०.०० |
| पूर्ण योग (७) | ८५५०.०० |

| झ. दुकान/कारोबार/भवानी की बाति |  
| --- | --- |
| बाजार गुण्य के अनुसार उपयोग के लिए मुकाबला | ८८ |
| झ. व्यवसायिक सजावट या इंस्टाल की बाति | ३००००.०० | ६००००.०० |
| झ. सजावट सहयोग | १००००.०० | १००००.०० |
| झ. एक शाखा का गुजारात मान | ७५५०.०० | ७५५०.०० |
| पूर्ण योग (८) | ८५५०.०० |

| झ. पूर्वस्थिति/वर्तमान पुरातन वाणिज्यिक की बाति |  
| --- | --- |
| बाजार गुण्य के अनुसार उपयोग के लिए मुकाबला | २५ |
| झ. व्यवसायिक सजावट या इंस्टाल की बाति | ३००००.०० | ६००००.०० |
| झ. सजावट सहयोग | १००००.०० | १००००.०० |
| झ. एक शाखा का गुजारात मान | ७५५०.०० | ७५५०.०० |
| पूर्ण योग (९) | ८५५०.०० |

| झ. वातावरण से प्रभावित होने वाले संग्रहालय परिसर |  
| --- | --- |
| झ. पूर्वस्थिति होने पहले एक्स्वार वर्तमान | ३००००.०० | ६००००.०० |
| पूर्ण योग (३) | ६००००.०० |

| 3. समानांतर संपत्ति संस्थाओं पर प्रभाव |  
| --- | --- |
| झ. पूर्वस्थिति होने पहले एक्स्वार वर्तमान | ३००००.०० | ६००००.०० |
| पूर्ण योग (४) | ६००००.०० |

| 4. नियमों के दौरान प्रभाव |  
| --- | --- |
| झ. आवश्यकताओं के लिए ५० प्रतिशत | ३५२३६.५७.६० |
| पूर्ण योग (५) | ३५२३६.५७.६० |

| कुल योग (२)+३+४+५ | ४५२३६.५७.६० |
### तालिका २६: एनसीबी—०२ के लिए पुनर्वास बजट

<table>
<thead>
<tr>
<th>दागी भाग</th>
<th>वर्ष प्रति वर्ष मीटर</th>
<th>क्षेत्रफल वर्गमीटर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>क. पक्षी</td>
<td>७४६५०.००</td>
<td>३०७६.६८</td>
</tr>
<tr>
<td>ख. अग्रे-पक्षी</td>
<td>८८७०.००</td>
<td>३५५.२२</td>
</tr>
<tr>
<td>ग. गतिविधि</td>
<td>२६६०.००</td>
<td>६६६.०३</td>
</tr>
<tr>
<td>घ. चारदीवारी (मीटर में)</td>
<td>४४२०.००</td>
<td>०</td>
</tr>
</tbody>
</table>

| पूर्ण योग (क) | २२६६६६६६४.०२ |

### २. आर्थिक सहायता (आयातकारों/अवैध कब्जाधारियों पर प्रभाव)

<table>
<thead>
<tr>
<th>का आयात की क्षति</th>
<th>४</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>पौष्पिक/आइपाइल के अंतर्गत अनचाहू या बेचेद भीमाहार के लिए आयात प्राप्तकाल</td>
<td>४</td>
</tr>
<tr>
<td>दीवारों का स्थानांतरण के लिए सहयोग</td>
<td>२०००.००</td>
</tr>
<tr>
<td>आयातक कितरेदारों की क्षति</td>
<td>६०००.००</td>
</tr>
</tbody>
</table>

| पूर्ण योग (ख) | २५०००.०० |

### ध. दुकान/बाज़ार/व्यापार की क्षति

| बाजार मूल्य के अनुसार दागी भाग के लिए मूलबाजार | ३०५ |
| व्यापारशासिक कितरेदार की क्षति | २०००.०० |
| दीवारों का स्थानांतरण सहयोग | १२०.०० |
| एक माह का पुनर्निर्माण भरा | ६७४०.०० |

| पूर्ण योग (ग) | ४५२००.०० |

### ध. क्षतियों से प्रभावित होने वालों समाजी अनुकूलन परिवार

| जिन्हें पुनर्निर्माण होना पड़े उन्हें एकमुख सहयोग | ७०००.०० |

| पूर्ण योग (घ) | ४२०००.०० |

### समुदायिक संस्थान संस्थानों पर प्रभाव

| जिन्हें पुनर्निर्माण होना पड़े उन्हें एकमुख सहयोग | २५०००.०० |

| पूर्ण योग (ङ) | ४२५००.०० |

### निर्माण द्वारा प्रभाव

| अकादमिकता के लिए १० प्रतिशत | २५६६६६६६४.०२ |

| पूर्ण योग (ञ) | २५६६६६६६४.०२ |

### कुल योग (क)+ (ख)+ (ग)+ (घ)+ (ङ)+ (ञ)

| २२६६६६६६६६४.०२ |
९७ कुल बजट २,७४४,४७० करोड़ रुपए बनता है (यानि २.७५ करोड़ रुपए)

९८ उपरोक्त बजट विभिन्न व्यय श्रेणियों का सांकेतिक रूपसे प्रस्तुत करता है और परियोजना के आगे बढ़ने के साथ ही महंगाई दर के अनुसार इसका समायोजन किया जाएगा और क्रियान्वयन के दौरान अतिरिक्त पीएच की विस्तृत जानकारी प्राप्त होने पर अगर जिला स्तरीय समिति का बाजार मूल्य अंकलन इससे उधित पाता है तो यूनिट की लागत में बढ़ावा किया जाएगा।
### अध्याय 6: आरएपी के क्रियान्वयन की समय सारणी

19. आरएपी का क्रियान्वयन 24 माह की अवधि के दौरान किया जाएगा। क्रियान्वयन की समय सारणी निम्न तालिका में दी गई है।

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>गतिविधियाँ</th>
<th>मासिक</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>आरएपी प्रतिवेदन एवं अन्य संबंधित दस्तावेज प्राप्त करना</td>
<td>3-4</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>मूल संचालन एवं समुदाय व जिले के साथ घनिष्ठता बनाना</td>
<td>6-8</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>आरएपी के बारे में परियोजना स्टाफ का अनुकूलन प्रशिक्षण</td>
<td>11-12</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>एनटीएस के लिए पत्रांव एवं सरकार प्रतिवेदन जमा करना</td>
<td>15-16</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### v. आईईसी एवं जागरूकता अभियान

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>गतिविधियाँ</th>
<th>मासिक</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>7</td>
<td>पीएनसी के लिए आर एंड आर मैं नैति बनाना एवं वितरित करना</td>
<td>1-3</td>
</tr>
<tr>
<td>8</td>
<td>आरएपी के बारे में जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान आयोजित करना</td>
<td>6-8</td>
</tr>
<tr>
<td>9</td>
<td>प्रतिभागी प्रविधि द्वारा घनिष्ठता बनाना</td>
<td>12-13</td>
</tr>
<tr>
<td>10</td>
<td>परियोजना स्टाफ, संबंधित एवं जनजाति के साथ परमर्श बैठक करना</td>
<td>15-16</td>
</tr>
<tr>
<td>11</td>
<td>प्रभाव जनजाति की पहले/एंड के बारे में जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान आयोजित करना</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

### g. भूमि एवं निर्माण मूल्य निर्धारण
| कार्यक्रम | गतिविधियाँ | माध्यम
<table>
<thead>
<tr>
<th></th>
<th></th>
<th></th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>13</td>
<td>भूमि एवं ढांचे (समृद्धिवृद्धि) का माप लेना एवं मूल्य निर्धारित करना</td>
<td>12/13/14/15/16/17/18/19/20/21/22/23/24</td>
</tr>
<tr>
<td>14</td>
<td>अनुदान पाना और पहचान पत्र वितरण के लिए ईमाज़ की तस्वीर छीनना</td>
<td>12/13/14/15/16/17/18/19/20/21/22/23/24</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### ब. लघु योजनाएँ एवं भुगतान

<table>
<thead>
<tr>
<th>कार्यक्रम</th>
<th>गतिविधि</th>
<th>माध्यम</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>15</td>
<td>लघु योजनाएँ बनाना (रकेट-साइटेट सम्बन्धी)</td>
<td>12/13/14/15/16/17/18/19/20/21/22/23/24</td>
</tr>
<tr>
<td>16</td>
<td>भुगतान के लिए संयुक्त नामा पर बैंक खाते खोलना</td>
<td>12/13/14/15/16/17/18/19/20/21/22/23/24</td>
</tr>
<tr>
<td>17</td>
<td>अनुदान/भुगतान/सहयोग वाही का भुगतान</td>
<td>12/13/14/15/16/17/18/19/20/21/22/23/24</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### र. समाप्ति प्रक्रिया

<table>
<thead>
<tr>
<th>कार्यक्रम</th>
<th>गतिविधि</th>
<th>माध्यम</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>22</td>
<td>प्रशिक्षण आवश्यकताओं को चिह्नित करना (प्रशिक्षण आवश्यकताओं का अक्षालन)</td>
<td>12/13/14/15/16/17/18/19/20/21/22/23/24</td>
</tr>
<tr>
<td>23</td>
<td>लघु योजनाओं पर आधारित व्यवसायिक वैश्विक उन्नयन प्रशिक्षण आदि</td>
<td>12/13/14/15/16/17/18/19/20/21/22/23/24</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### ए. समाप्ति प्रक्रिया

<table>
<thead>
<tr>
<th>कार्यक्रम</th>
<th>गतिविधि</th>
<th>माध्यम</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>26</td>
<td>पीएचडी द्वारा डक्सपूरी को तिमाही प्रतिवेदन जमा करना</td>
<td>12/13/14/15/16/17/18/19/20/21/22/23/24</td>
</tr>
<tr>
<td>27</td>
<td>समाप्ति प्रतिवेदन जमा करना</td>
<td>12/13/14/15/16/17/18/19/20/21/22/23/24</td>
</tr>
</tbody>
</table>
अध्याय 10: शिक्षायत निवारण ढांचा

10.1 प्रस्तावना

100 जीआरएम वह प्रकृति है जो परियोजना से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को परियोजना की योजना बनाने, निर्माण या क्रियान्वयन के
तरीकों के बारे में शिक्षित करने या सुझाव देने के स्थान बनाता है। परियोजना से संबंधित किसी गतिविधि से उत्पन्न होने वाली
नातीय या रोम शिकायत होती है। परियोजना के दौरान आरएम क्रियान्वयन के दौरान प्रभावी शिकायत निवारण ढांचे की
आवश्यकता है जो पीएम के साथ तथा निरीक्षण करने में सहायता करेगा।

10.2 उप-परियोजना के लिए शिकायत निवारण ढांचा

101 प्रादेशिक स्तर पर एवं गूलबी स्तर पर शिकायत निवारण प्रक्रिया (जीआरएम) स्थापित किया जाएगा। जिसका उद्देश्य प्रभावित
समुदायों के साथ ही परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान उत्पन्न होने वाली पर्यावरण एवं सामाजिक चुनौतियों से जुड़ी संबंधित
प्रतिक्रियाएं, समस्या, शिकायतों को प्राप्त करना और उनका समाधान करना होगा। साथ ही उप-परियोजना के क्रियान्वयन के बाद
सामाजिक समस्याओं और एकजुटता से जुड़े सामाजिक मसलों पर गौर करना भी है। जूड़कों के जीआरएम के साथ सूचनाओं के
आदान-प्रदान के कुछ साधनों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- सार्वजनिक स्थानों पर पर्यटन
- सूचना पत्र
- जूड़कों की वेबसाइट
- दूरसंचार उपकरण

102 उप-परियोजना निदेशक (जूड़कों, पीएम), का उत्तरदायित्व होगा कि वह उप-परियोजना की गतिविधियों से संबंधित सभी
शिकायतों के प्रबंध के लिए बहुलप्रशिक्षित जीआरएम स्थापित करे। जीआरएम २ स्तरों पर कार्य करेगा: समुदायिक स्तर पर, जहाँ पर
हर समस्या को सुलझाने का प्रयास किया जाएगा, उप-परियोजना के स्तर पर जहाँ पर शिकायत निवारण समिति का गठन किया
जाएगा और प्रवेश स्तर पर अधीन ढांचा होगा। जहाँ पर किसी व्यक्ति को किसी विशेष गतिविधि से संबंधित या परियोजना स्तर
पर शिकायत होगी वहाँ पर एक महिला सदस्य सहित पांच सदस्यीय जीआरएम का गठन किया जाएगा।

- एक सदस्य गूलबी/क्रियान्वयन प्राधिकरण से
- एक चयनित प्रतिनिधि (स्थानीय परियोजना क्षेत्र से—महिला को प्राधिकरण की जानी चाहिए)
- महिला समाज/महिला मंडल जैसी महिलाओं के समाधान से समुदायिक प्रतिनिधि
- (परियोजना क्षेत्र में) स्थानीय स्तर पर जाना—माना व्यक्ति जो स्थानीय नागरिकों की ओर से बोल सके (जिसे गूलबी के
  बीच अस्तित्व प्रतिनिधि नियुक्त किये गए)
- पीएम से समुदाय विकास अधिकारी
- गूलबी स्तर के समुदायिक प्रबंधक या मुख्य नगर पालिका अधिकारी का प्रतिनिधि
10.3 पीएपी को शिकायत का क्षेत्र स्पष्ट करना होगा। शिकायत निवारण समिति परिवालन एवं रख—रखाव की अवधि के दौरान केवल आजीविका को प्रभावित करने वाली या संयुक्त—/जोनोपसोगी सेवाओं को क्षति पहुँचाने या पहुँचाने का वाहिक करने वाली निम्न गतिविधियों से संबंधित शिकायतें ही सुनेगा। भ्रष्टाधार नीति संबंधित शिकायतें का निवारण ज्ञारखंड के भ्रष्टाधार—विरोधी कानून के अंतर्गत किया जाएगा।

10.4. पीएपी (या उनके प्रतिनिधि) लिखित पत्र, फोन और ईमेल के जरिए जीआरसी के पास अपनी शिकायत दर्श करवा सकते हैं या परियोजना स्टाफ के साथ सहायता या आवेदन बैठकों के दौरान अपनी आवाज उठा सकते हैं। परियोजना स्थल पर स्थानीय व्यक्ति में एक सरल शिकायत पत्र भी उपलब्ध होगा जिससे शिकायतकर्ता को मदद होगा। प्रदेश स्तर पर शिकायत निवारण सेल का पता:

शिकायत निवारण सेल
ज्ञारखंड इंस्ट्रक्ट्रक्सर डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड
लॉकल ताल, प्रांति सदन, कच्चहरी बीच
रंगपुर-834001, ज्ञारखंड
द्वारका: 6512242302
ईमेल: grc.jmdp.juidco@gmail.com

Grievance Redressal Cell
Jharkhand infrastructure Development Company Limited
3rdFloor, Pragati Sadan, Kutchery Chowk
Ranchi-834001, Jharkhand
Phone No: 651 2243203
Email: grc.jmdp.juidco@gmail.com

10.5. जीआरसी शिकायत प्राप्त होने के 7 से 30 कार्य दिनों के अंदर बैठक कर समुदायक स्तर पर शिकायत का निवारण का प्रयास करेगा और समाधान की सिफारिश करेगा। अगर 30 दिन के बाद भी कोई केंद्रता नहीं होता है तो पीएपी अपनी शिकायत उप परियोजना निदेशक (जुड़को, वर्ल्ड बैंक पीएम) को अपनी शिकायत भेज सकता है। उप परियोजना निदेशक (जुड़को, वर्ल्ड बैंक पीएम) अपनी सभी शिकायत की जांच और निवारण 20 दिनों के अंदर करेगी। इस बात का साक्ष्य दिया जाता है कि जांचकर्ता को व्यक्ति से कुछ शिकायतों के निवारण में अधिक समय लग सकता है। उदाहरण के लिए भूमि से जुड़े प्रवृत्तियों में अधिक समय लग सकता है। जीआरसी ही सबी शिकायतों उप—परियोजना स्तर पर पंजीकृत होतीं और जुड़को—जोएमडी पीएम रूप से उपस्थितित करेगा। ऊपर बताए गए जिसे के अलावा पीएपी को देश की न्यायालीका के पास जाने का अधिकार है।
अध्याय १५: निगरानी एवं मुल्यांकन

१५.१ प्रस्तुति

१०६ नियमित निगरानी के हिसाब से तीन पर पीआईयू, क्रियान्वयन एजेंसी और प्रारूप एवं परिवर्तन परमाणुदाताओं द्वारा समयमेत आंतरिक सामाजिक निगरानी की जाएगी। पीआईयू सीएसएफसी और क्रियान्वयन एजेंसी आरएची के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी करेगी। पीआईयू आरएची क्रियान्वयन का मानक प्रमाणीकरण पीएमपु के पास जमा करेगा। पीएमपु आंतरिक सामाजिक विश्लेषणों की मदद से उप-परियोजना के सुधा मानकों के पालन की तिमाही सामाजिक निगरानी करेगा।

१०७ उपपरियोजना के पुनर्वास प्रक्रिया योजना के क्रियान्वयन का बाहरी आंकलन इस उद्देश्य के लिए विशेष तौर पर रखे गए आंकलन परमाणुदाता द्वारा भी किया जाएगा। भागीदार नियमों और सूचनाएँ स्तर पर अन्य भागीदारों के साथ भागीदार परमाणु कार्यालयों का आयोजन क्रियान्वयन की हर तिमाही के दौरान एक बार होगा, जिसमें उप परियोजना के क्रियान्वयन से उत्तरन होने वाले पर्यावरणीय एवं सामाजिक मसलों के बारे में उनकी प्रतिक्रिया ली जाएगी।

१५.२ सुधा निगरानी एवं प्रतिवेदन योजना

१०८ विश्व बैंक के पास जमा किए जाने वाले तिमाही निगरानी प्रतिवेदनों के अलावा जुड़को आरएची क्रियान्वयन की स्थिति के बारे में एक सालाना प्रतिवेदन तैयार करेगा और अपना प्रतिवेदन विश्व बैंक को देगा। ईसामएफ के अपेक्षाओं के अनुसार अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पीएमपु, संरक्षित पीआईयूज के जरिए जेएमफी की अंतर्गत अनुमोदित सभी नियमों की निगरानी करेगा। यह निगरानी निम्नलिखित सभी पदार्थों के दौरान पूरी की जाएगी। निगरानी पर्यावरणीय एवं सामाजिक सुधा अनुपालन प्रतिवेदनों के जरिए की जाएगी जो कि सभी नियमों के तिमाही प्रमाण प्रतिवेदन का हिस्सा होंगे। निगरानी के लिए पीएमपु और पीआईयूज के सामाजिक विश्लेषण नियमित रूप से मुआयना भी करेगे।

तालिका २६: प्रतिवेदन समय सारणी

<table>
<thead>
<tr>
<th>संस्थान</th>
<th>प्रतिवेदन समय सारणी</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>जुड़को पीएमपु</td>
<td>सुधा नियमों के क्रियान्वयन के बारे में विश्व बैंक को तिमाही प्रतिवेदन</td>
</tr>
<tr>
<td>पीआईयूज</td>
<td>ईसामएफ क्रियान्वयन के बारे में पीएमपु को मानक प्रतिवेदन</td>
</tr>
<tr>
<td>सीएसएफसी</td>
<td>उप परियोजना के ईसामएफ अनुपालन के सभी पहलुओं के बारे में मानक प्रमाण प्रतिवेदन</td>
</tr>
</tbody>
</table>
१०९ जेएमडीपी के ईसामूफ के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए तीसरा पक्ष जांच एजेंसी द्वारा स्वतंत्र सामाजिक/अनुभाग निगमनी अंकंकेशन किया जाएगा। अंकंकेशन द्वारा तैयारी और निगमन के पड़ावों में परियोजना की समीक्षा इन बातों के लिए होगी (क) उप-परियोजना की जांच (ख) निवेश का पर्यावरणीय और सामाजिक श्रेणीकरण (व) ईसामूफ द्वारा अनुकूलित निर्देशों और प्रणालियों के अनुसार संयुक्त उप-परियोजनाओं के लिए पर्यावरणीय और सामाजिक प्रबंधन योजनाएँ बनाएं (ग) सामाजिक और पर्यावरणीय मापदंडों के क्रियान्वयन में विचलन, यदि कोई हो तो, (घ) उप-परियोजना स्तर पर उठाए गए सकारात्मक कदम, यदि हो तो (ङ) उप-परियोजना स्तर पर सामाजिक और पर्यावरणीय प्रबंधन कार्यक्रमों में सुधार के लिए सुझाव और (च) परियोजना स्टाफ, सहायक परम्परागत और सत्ताधारक के लिए क्षमता निर्माण और परिक्षण आवश्यकताएं अगर आवश्यक हों तो। अंकंकेशन परम्परा संख्या अंकंकेशन प्रतिवेदन जमा किए जानें के बाद जुड़को द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा भी करेंगी और अंकंकेशन अनुभाग प्रतिवेदन भी जमा करेंगी। जारी उप-योजनाओं की ई०२ एवं एस२ श्रेणी के कम से कम ५० प्रतिशत हिस्से एवं ई०१ एवं एस१ श्रेणी के ५०० प्रतिशत हिस्से के लिए यह अंकंकेशन वार्षिक स्तर पर होगा।
अनुच्छेद ५: जनगणना प्रसारणी

के लिए ज़ूड़को जनगणना संबंध

<table>
<thead>
<tr>
<th>विशिष्ट पहचान क्रमांक (सुवार्ड)</th>
<th></th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>संबंध का विशेषता:</td>
<td>10 सामान्य पहचान</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>10 उप-परियोजना साधन का नाम</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>12 ठीकीआर का साधन क्रमांक</td>
</tr>
<tr>
<td>13 बेंज एंड सैकड़ा</td>
<td>किन्नर</td>
</tr>
<tr>
<td>14 बार क्रमांक</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>15 जिला</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>16 मौजूदा पीएपी का नाम</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>17 पिता/पत्नी का नाम</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>18 प्रतिवादी का नाम, अगर वह पीएपी नहीं है</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>19 संपत्ति का प्रयोग</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>20 समाजिक अग्रणी:</td>
<td>01 एसटी 02 एससी 03 एसबीसी 04 जनरल</td>
</tr>
<tr>
<td>21 अगर एसटी या एससी है, तो लिखें</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>22 एसएच की क्षीति का दर्जा</td>
<td>01 मैजिक 02 उपलेभ 03 लेफ्टिनेंट 04 एकल दंड</td>
</tr>
<tr>
<td>23 अगर बीपीएल है, बीपीएल काउंट क्रमांक लिखें</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>24 क्या आपके पास उक्त पते का प्रमाणपत्र है</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>25 फिल्मों का बिना</td>
<td>02 पास का बिना</td>
</tr>
<tr>
<td>26 फिल्मा</td>
<td>04 अन्य</td>
</tr>
<tr>
<td>27 पीएपी की अग्रणी:</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>28 अगर फिल्मा है, तो फिल्मा कौन लेता है (नाम)</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>29 जनानक अगर कोई हो</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>30 मानिक किराया</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>31 जन सुलगाओं के लिए अदालगी</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>32 मिली</td>
<td>02 पास</td>
</tr>
<tr>
<td>33 संबंध</td>
<td>08 अन्य</td>
</tr>
<tr>
<td>2.1</td>
<td>प्रभावित ढाँचे का विवरण</td>
</tr>
<tr>
<td>2.1.1</td>
<td>प्रभावित ढाँचे की विस्तृत जानकारी</td>
</tr>
<tr>
<td>2.1.2</td>
<td>विवरण का प्रकार</td>
</tr>
<tr>
<td>2.1.3</td>
<td>प्रभावित ढाँचे की सामग्री</td>
</tr>
<tr>
<td>2.2</td>
<td>प्रभावित ढाँचे का क्षेत्र</td>
</tr>
<tr>
<td>2.3</td>
<td>प्रभावित ढाँचे का क्षेत्र का कारण</td>
</tr>
<tr>
<td>2.4</td>
<td>प्रभावित ढाँचे का बाहरी मुद्दा</td>
</tr>
<tr>
<td>2.5</td>
<td>प्रभावित ढाँचे का प्रमाण</td>
</tr>
<tr>
<td>2.6</td>
<td>प्रभावित ढाँचे का प्रमाण (क) अनुसार दरार</td>
</tr>
<tr>
<td>2.7</td>
<td>प्रभावित ढाँचे का प्रमाण (क) अनुसार दरार</td>
</tr>
<tr>
<td>2.8</td>
<td>प्रभावित क्षेत्र के परिपत्र में पशु</td>
</tr>
<tr>
<td>2.9</td>
<td>भौतिक स्थानांतर आवश्यकता है</td>
</tr>
<tr>
<td>2.9.1</td>
<td>सेवक/ सेवकी नहीं</td>
</tr>
<tr>
<td>2.9.2</td>
<td>स्थानीय/ स्थानीयी नहीं</td>
</tr>
</tbody>
</table>

| पंप, ता क्षेत्र |
| पंप, ता क्षेत्र |
| पंप, ता क्षेत्र |

| 2.9.1.1 | भौतिक स्थानांतर आवश्यकता है |
| 2.9.1.2 | भौतिक स्थानांतर आवश्यकता है |
| 2.9.1.3 | भौतिक स्थानांतर आवश्यकता है |

| 2.9.2.1 | स्थानीय/ स्थानीयी नहीं |
| 2.9.2.2 | स्थानीय/ स्थानीयी नहीं |
| 2.9.2.3 | स्थानीय/ स्थानीयी नहीं |

| 2.9.3.1 | भौतिक स्थानांतर आवश्यकता है |
| 2.9.3.2 | भौतिक स्थानांतर आवश्यकता है |
| 2.9.3.3 | भौतिक स्थानांतर आवश्यकता है |

| 2.9.4.1 | स्थानीय/ स्थानीयी नहीं |
| 2.9.4.2 | स्थानीय/ स्थानीयी नहीं |
| 2.9.4.3 | स्थानीय/ स्थानीयी नहीं |
अनुच्छेदक २: पुनर्स्थापन -०१ के अंतर्गत प्रभावित बांधे (बेंगलुरु - १४+६०० से ५६+४००)

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>बंगला</th>
<th>बंधक क्रमांक</th>
<th>बांधे का क्रमांक</th>
<th>पीएपी का नाम</th>
<th>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</th>
<th>बांधे का प्रयोग</th>
<th>तस्वीर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>१</td>
<td>१०००००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचएल१२ तीव्री</td>
<td>बिनोद नायक</td>
<td>१०.०७</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="https://via.placeholder.com/150" alt="Image 1" /></td>
</tr>
<tr>
<td>२</td>
<td>१०००००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचएल२</td>
<td>तिवारी</td>
<td>१०.०७</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="https://via.placeholder.com/150" alt="Image 2" /></td>
</tr>
<tr>
<td>३</td>
<td>१३४५००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचएल३</td>
<td>घनशाम राजक</td>
<td>४.४७</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="https://via.placeholder.com/150" alt="Image 3" /></td>
</tr>
<tr>
<td>४</td>
<td>१०४६००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचएल४</td>
<td>गोविंद महतो</td>
<td>१०.५६</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="https://via.placeholder.com/150" alt="Image 4" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>विभाग</td>
<td>सडक क्रमांक</td>
<td>बांध का क्रमांक</td>
<td>ग्रामीण का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (कि)</td>
<td>बांध का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>५</td>
<td>हाँ</td>
<td>१०५१०००</td>
<td>११-ए</td>
<td>एचबीसी</td>
<td>बलाई रघुनाथ</td>
<td>१२.९१</td>
<td>व्यावसायिक</td>
</tr>
<tr>
<td>६</td>
<td>हाँ</td>
<td>१४४६०००</td>
<td>११-ए</td>
<td>एचबीसी</td>
<td>बिपि सिंह</td>
<td>५.४०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
</tr>
<tr>
<td>७</td>
<td>हाँ</td>
<td>२०५८०००</td>
<td>११-ए</td>
<td>एचआर१</td>
<td>आनंद कुमार मंडल</td>
<td>७.६१</td>
<td>व्यावसायिक</td>
</tr>
<tr>
<td>८</td>
<td>हाँ</td>
<td>३०५८०००</td>
<td>११-ए</td>
<td>एचआर१०</td>
<td>लजमन कुमार महतो</td>
<td>५.८८</td>
<td>व्यावसायिक</td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>ढांचे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>ढांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>10</td>
<td>104600</td>
<td>17-ए</td>
<td>एचआर11ए</td>
<td>तपन ढे</td>
<td>550</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>11</td>
<td>104600</td>
<td>17-ए</td>
<td>एचआर12बी</td>
<td>दन्तशे 2</td>
<td>850</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>12</td>
<td>104600</td>
<td>17-ए</td>
<td>एचआर12</td>
<td>सुधी राम ठाकुर</td>
<td>850</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>13</td>
<td>114000</td>
<td>17-ए</td>
<td>एचआर13</td>
<td>मीना देवी</td>
<td>850</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांध का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांध का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>---------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>---------------------------------</td>
<td>---------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>१५</td>
<td>१५०००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचआर१४ए</td>
<td>जगदीश पंडित</td>
<td>४.७०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१५</td>
<td>१५०००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचआर१६बी</td>
<td>सोनिया देवी</td>
<td>४.५०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१६</td>
<td>१५०००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचआर१६सी</td>
<td>लशित पंडित</td>
<td>४.७०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१७</td>
<td>१५०००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचआर१६ई</td>
<td>टोपेश्वर पंडित</td>
<td>४.५०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>नोमिनेशन</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>---------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>१८</td>
<td>१८८८०००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचआर१४एफ</td>
<td>कल्पना देवी</td>
<td>४.५०</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१९</td>
<td>१९५२०००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचआर१५</td>
<td>सरत कुमेर</td>
<td>५.२४</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>२०</td>
<td>२०२००००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचआर२२</td>
<td>राज कुमेर मॉडल</td>
<td>७.५०</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>२१</td>
<td>२१४४०००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एचआर२३</td>
<td>फिरेन ठाकुर</td>
<td>५.५०</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>नंबर</td>
<td>वापसी का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-----</td>
<td>-----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>22</td>
<td>00+100</td>
<td>17-ए</td>
<td>मनोज कुमार</td>
<td>5.50</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1" alt="Image" /></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>23</td>
<td>00+100</td>
<td>17-ए</td>
<td>अजय मंडल</td>
<td>5.70</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2" alt="Image" /></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>24</td>
<td>00+100</td>
<td>17-ए</td>
<td>अनिता ठाकुर</td>
<td>5.70</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3" alt="Image" /></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>25</td>
<td>00+100</td>
<td>17-ए</td>
<td>किशोर कुमार मंडल</td>
<td>5.70</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4" alt="Image" /></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>26</td>
<td>00+700</td>
<td>17-ए</td>
<td>एचआर८</td>
<td>बंद है</td>
<td>४.००</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>27</td>
<td>04+800</td>
<td>17-ए</td>
<td>एचआर६</td>
<td>अमित कुमार मोंडल</td>
<td>५.८४</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>28</td>
<td>00+100</td>
<td>17-ए</td>
<td>एलए</td>
<td>दिशाकन मोंडल</td>
<td>७३.७६</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>25</td>
<td>00+700</td>
<td>17-ए</td>
<td>एलश्री</td>
<td>शिबमिसतन्या भादव</td>
<td>७३.७६</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>ढांचे का क्रमांक</td>
<td>पीएमी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>ढांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>30</td>
<td>0044800</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल458ी</td>
<td>मो. तबीब</td>
<td>78.76</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>31</td>
<td>0444800</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल107ए</td>
<td>बंद है</td>
<td>70.04</td>
<td>चारदीवार</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>32</td>
<td>0444800</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल108ी</td>
<td>मुकेश कुमार महतो</td>
<td>70.04</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>33</td>
<td>0444800</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल111</td>
<td>निर्मल महतो</td>
<td>70.45</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-----------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>३४</td>
<td>३४४५००</td>
<td>१५-ए</td>
<td>एल०१२ए</td>
<td>परसुराम महतो</td>
<td>७७.८५</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>३५</td>
<td>३४४५००</td>
<td>१५-ए</td>
<td>एल०१२बी</td>
<td>परसुराम महतो</td>
<td>७७.८५</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>३६</td>
<td>३४४५००</td>
<td>१५-ए</td>
<td>एल०१३</td>
<td>महाबीर महतो</td>
<td>७७.७५</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>३७</td>
<td>३४४५००</td>
<td>१५-ए</td>
<td>एल०१४ए</td>
<td>नसीब खान</td>
<td>७२.६६</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वगनाट</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>---------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>38</td>
<td>02+000</td>
<td>77-ए</td>
<td>एल1483ी</td>
<td>व्हादुर रवानी</td>
<td>12.66</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>46</td>
<td>02+000</td>
<td>77-ए</td>
<td>एल1483ी</td>
<td>त्रिवेदी मेहता</td>
<td>12.66</td>
<td>आवासीय</td>
<td><img src="https://example.com/image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>40</td>
<td>02+000</td>
<td>77-ए</td>
<td>एल15</td>
<td>रितेश महतो</td>
<td>6.02</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>49</td>
<td>02+000</td>
<td>77-ए</td>
<td>एल15</td>
<td>रितेश महतो</td>
<td>6.02</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचे का क्रमांक</td>
<td>पीएची का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>-------</td>
<td>---------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>42</td>
<td>02+200</td>
<td>11-ए</td>
<td>एल76</td>
<td>कार्तिक शां</td>
<td>70.76</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image 1" /></td>
</tr>
<tr>
<td>43</td>
<td>05+200</td>
<td>11-ए</td>
<td>एल77</td>
<td>नारायण महतो</td>
<td>11.01</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image 2" /></td>
</tr>
<tr>
<td>44</td>
<td>05+400</td>
<td>11-ए</td>
<td>एल77</td>
<td>सुमन रखानी</td>
<td>20.24</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image 3" /></td>
</tr>
<tr>
<td>45</td>
<td>08+500</td>
<td>11-ए</td>
<td>एल78</td>
<td>प्रयोग में नहीं है</td>
<td>11.01</td>
<td>प्रयोग में नहीं है</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image 4" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>ग्रामवासी</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>------------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>४६</td>
<td>४२२२००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एलए</td>
<td>घनशाम ठाकुर</td>
<td>२६.५३</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>४७</td>
<td>४२२२००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एलबी</td>
<td>मो. सराजदीन</td>
<td>२६.५३</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>४८</td>
<td>४२२२००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एलबी</td>
<td>राहित कुमार मण्डल</td>
<td>२६.५३</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>४९</td>
<td>४२२२००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एलबी</td>
<td>पंकज कुमार मोडल</td>
<td>२६.५३</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>ब्यौरे</td>
<td>सडक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-------</td>
<td>------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>৫০</td>
<td>০০১০০</td>
<td>১১-এ</td>
<td>এল২১</td>
<td>মহনলाल तिवारी</td>
<td>৫৬.২৩</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>৫১</td>
<td>০৫৮০০</td>
<td>১১-এ</td>
<td>এল২০</td>
<td>बंद है</td>
<td>৫০.৭৮</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>৫২</td>
<td>০৫৪০০</td>
<td>১১-ए</td>
<td>এল২১</td>
<td>राकेश हुमर</td>
<td>৫৫.৭৮</td>
<td>आवासीय</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>৫৩</td>
<td>০৫৯০০</td>
<td>১১-এ</td>
<td>এল২১</td>
<td>बंद है</td>
<td>৪৫.৭৭</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>यंत्र</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांध का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांध का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-----</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>५४</td>
<td>०५+३००</td>
<td>१२-ए</td>
<td>एल२२थी</td>
<td>बंसर महतो</td>
<td>७५.३१</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>५५</td>
<td>०५+३००</td>
<td>१२-ए</td>
<td>एल२४</td>
<td>हरि मेहता</td>
<td>८.५५</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>५६</td>
<td>०५+२००</td>
<td>१२-ए</td>
<td>एल२५</td>
<td>सूजनी</td>
<td>५.६५</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>५७</td>
<td>०५+३००</td>
<td>१२-ए</td>
<td>एल२६</td>
<td>प्रकाश</td>
<td>५.६२</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेगेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------</td>
<td>---------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>55</td>
<td>05+200</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल२७</td>
<td>गोपा च. महतो</td>
<td>१४.००</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>56</td>
<td>05+200</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल२६</td>
<td>मो. परवेज+</td>
<td>५५०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>60</td>
<td>05+400</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल२६ और एल२२</td>
<td>हीरा लाल</td>
<td>११.७६-८.१२</td>
<td>आवासीय</td>
<td><img src="https://example.com/image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>67</td>
<td>00+400</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल२३</td>
<td>बंद है</td>
<td>१३.७६</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेतन</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>62</td>
<td>054300</td>
<td>97-ए</td>
<td>एल20</td>
<td>हीरालाल राजक</td>
<td>70.72</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>63</td>
<td>054300</td>
<td>97-ए</td>
<td>एल21</td>
<td>एसके मुक्तेस</td>
<td>6.77</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>64</td>
<td>054400</td>
<td>97-ए</td>
<td>एल23</td>
<td>संतु कुमार</td>
<td>11.07</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>65</td>
<td>054400</td>
<td>97-ए</td>
<td>एल24</td>
<td>गुरुकुल महतो</td>
<td>6.46</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांध का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांध का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>66</td>
<td>044400</td>
<td>77-ए</td>
<td>एल25</td>
<td>शैलेश सिंह</td>
<td>75.84</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>67</td>
<td>044400</td>
<td>77-ए</td>
<td>एल36ए</td>
<td>रामप्रभृति सिंह</td>
<td>70.66</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>68</td>
<td>044400</td>
<td>77-ए</td>
<td>एल26बी</td>
<td>लालू कु मेहतो</td>
<td>70.66</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>69</td>
<td>044160</td>
<td>77-ए</td>
<td>एल37</td>
<td>जगदीश मेहतो</td>
<td>11.66</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>---------</td>
<td>-------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------</td>
</tr>
<tr>
<td>७०</td>
<td>०५१६००</td>
<td>०७-ए</td>
<td>एल३८</td>
<td>चंदन शर्मा</td>
<td>२३.४५</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>७१</td>
<td>०००६००</td>
<td>०७-ए</td>
<td>एल४</td>
<td>बंद है</td>
<td>६.०</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>७२</td>
<td>१००६००</td>
<td>०७-ए</td>
<td>एल४०</td>
<td>पूरा पंडित</td>
<td>६.०६</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>७३</td>
<td>१००४००</td>
<td>०७-ए</td>
<td>एल४१</td>
<td>शंकर कुंद पंडित व मादीला पंडित</td>
<td>१६.१२</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेंज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएनी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>---------</td>
<td>------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>74</td>
<td>130900</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल42</td>
<td>नेपाल रबानी</td>
<td>97.88</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>75</td>
<td>117000</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल43</td>
<td>बंद है</td>
<td>20.20</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>76</td>
<td>118000</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल44ए</td>
<td>जीतन कुमार</td>
<td>70.16</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>77</td>
<td>117000</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल43बी</td>
<td>बंद है</td>
<td>70.16</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सडक क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंट्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>७८</td>
<td>३४००००</td>
<td>९७-ए</td>
<td>एल४५</td>
<td>संजीव पंडित</td>
<td>२०.१६</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>७८</td>
<td>३४००००</td>
<td>९७-ए</td>
<td>एल४६</td>
<td>अमित कुमार शां</td>
<td>२१.३५</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>८०</td>
<td>३४००००</td>
<td>९७-ए</td>
<td>एल४७</td>
<td>मनोज रबानी</td>
<td>६.०१</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>८९</td>
<td>३४००००</td>
<td>९७-ए</td>
<td>एल४८</td>
<td>ओंकार सिंह</td>
<td>१२.७२</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>82</td>
<td>014400</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल५</td>
<td>महादान मंडल</td>
<td>73.22</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>84</td>
<td>014400</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल६</td>
<td>सूखीर मंडल</td>
<td></td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>85</td>
<td>014400</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल८ बी</td>
<td>बंद है</td>
<td>76.47</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>86</td>
<td>014400</td>
<td>17-ए</td>
<td>एल८ सी</td>
<td>भोला दत्त</td>
<td>75.47</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेनेजा</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांध का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (कि)</td>
<td>बांध का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>---------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>ध7</td>
<td>0344000</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एलए</td>
<td>मनी राजक</td>
<td>१२.६८</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>ध8</td>
<td>0344000</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एलबी</td>
<td>बिक्रम कुमार</td>
<td>१२.६८</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>ध6</td>
<td>0344000</td>
<td>१७-ए</td>
<td>एल</td>
<td>रतिलाल राजक</td>
<td>८.२९</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६०</td>
<td>0001000</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर१</td>
<td>जगदीश सिंह</td>
<td>६.५५</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेब्ले</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>६१</td>
<td>०२००००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर१०ए७</td>
<td>मुक्तिप्रवाह मोडक</td>
<td>३५.०८</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६२</td>
<td>०२००००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर१०ए२</td>
<td>मुक्तिप्रवाह मोडक</td>
<td>३५.०८</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६३</td>
<td>०२००००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर१०बी</td>
<td>नरेन्द्र मोडल</td>
<td>३५.०८</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६४</td>
<td>०२००००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर१०बी</td>
<td>नरेण्द्र मोडल</td>
<td>३५.०८</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------</td>
</tr>
<tr>
<td>65</td>
<td>024000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर्षोसी</td>
<td>भादुर मोदक</td>
<td>15.68</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>66</td>
<td>024000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर्षोसी</td>
<td>भादुर मोदक</td>
<td>16.77</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>67</td>
<td>024000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर 19वें व बी</td>
<td>बंद है</td>
<td>12.64</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>68</td>
<td>024000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर्ष12वें</td>
<td>सुनील शर्मा</td>
<td>13.74</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांध का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांध का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>66</td>
<td>024000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर१२वी</td>
<td>मोहेश प्रमाणिक</td>
<td>13.14</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>100</td>
<td>024000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर१२सी</td>
<td>दीनदया देवी</td>
<td>13.14</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>101</td>
<td>024000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर१२वी</td>
<td>बीजोपी खानी</td>
<td>13.14</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>102</td>
<td>024000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर१३</td>
<td>श्री गोपाल रबानी</td>
<td>18.05</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेनेज</td>
<td>सडक क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>103</td>
<td>03+200</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर०३ए</td>
<td>प्रयोग में नहीं है</td>
<td>78.42 व्यासायिक</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>104</td>
<td>04+200</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर०४बी</td>
<td>अखी महतो</td>
<td>78.42 व्यासायिक</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>105</td>
<td>04+200</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर०५ए</td>
<td>मुटक धारी महतो</td>
<td>7.47 व्यासायिक</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>106</td>
<td>04+200</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर०६बी</td>
<td>मुटक धारी महतो</td>
<td>7.47 व्यासायिक</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>107</td>
<td>044600</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर16.सी</td>
<td>कारेश रवानी</td>
<td>13.54</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>108</td>
<td>044600</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर16.डी</td>
<td>दिलीप कुं. मेहता</td>
<td>13.54</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>109</td>
<td>044600</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर17.ए</td>
<td>दसरथ महतो</td>
<td>12.42</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>110</td>
<td>044600</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर17.डी</td>
<td>किशोर कुं. महतो</td>
<td>12.42</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------</td>
</tr>
<tr>
<td>111</td>
<td>0444100</td>
<td>19-ए</td>
<td>आरकोर्टी</td>
<td>जगन्नाथ कुमार</td>
<td>12.53</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>112</td>
<td>0444100</td>
<td>19-ए</td>
<td>आरकोर्टी</td>
<td>दिलीप ठाकुर</td>
<td>12.53</td>
<td>आवासीय</td>
<td><img src="image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>113</td>
<td>0444100</td>
<td>19-ए</td>
<td>आरकोर्टी</td>
<td>गंगाधर महतो</td>
<td>12.53</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>114</td>
<td>0444100</td>
<td>19-ए</td>
<td>आरकोर्टी</td>
<td>छोटेलाल महतो</td>
<td>12.53</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वैनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>---------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>975</td>
<td>05+200</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर०८</td>
<td>मनोरुप महतो</td>
<td>11.01</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>976</td>
<td>05+100</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर०६ए</td>
<td>नारसान मेहता</td>
<td>20.66</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>977</td>
<td>05+100</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर०६वी</td>
<td>किसान रवानी</td>
<td>20.66</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>978</td>
<td>05+100</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर०२ए</td>
<td>सोहित मोंडल</td>
<td>7.48</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएची का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>---------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-----------</td>
</tr>
<tr>
<td>116</td>
<td>064000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आरसी</td>
<td>संजय कुं. मंडल</td>
<td>7.48</td>
<td>व्यासात्मिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image 1" /></td>
</tr>
<tr>
<td>120</td>
<td>064000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर२०ए</td>
<td>बिकृम राजानी</td>
<td>6.06</td>
<td>व्यासात्मिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image 2" /></td>
</tr>
<tr>
<td>121</td>
<td>064000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर२०ए व बी</td>
<td>कमल राजानी</td>
<td>व्यासात्मिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image 3" /></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>122</td>
<td>064000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर२०ए</td>
<td>भानू प्रसाद महतो</td>
<td>6.06</td>
<td>व्यासात्मिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image 4" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वृग्रेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------</td>
<td>------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------</td>
</tr>
<tr>
<td>१२३</td>
<td>०६४०००</td>
<td>११-ए</td>
<td>आर२१</td>
<td>मनज ठाकुर</td>
<td>६०६०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१२४</td>
<td>०६४०००</td>
<td>११-ए</td>
<td>आर२२</td>
<td>भगीरथ महतो</td>
<td>७५५७</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१२५</td>
<td>०६४०००</td>
<td>११-ए</td>
<td>आर२३</td>
<td>मनज रवानी</td>
<td>११६३</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१२६</td>
<td>०६४०००</td>
<td>११-ए</td>
<td>आर२४ए</td>
<td>जलखर ठाकुर</td>
<td>११३१</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रमय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>---------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>127</td>
<td>064600</td>
<td>77-ए</td>
<td>आर२४वी</td>
<td>जोरेंद्रव रघुनाथ</td>
<td>99.39</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>128</td>
<td>064600</td>
<td>77-ए</td>
<td>आर२४वी</td>
<td>निरंजन रघुनाथ</td>
<td>99.39</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>129</td>
<td>064600</td>
<td>77-ए</td>
<td>आर२४वी</td>
<td>अजय सिंह</td>
<td>99.39</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>130</td>
<td>034600</td>
<td>77-ए</td>
<td>आर२५</td>
<td>झंडू रघुनाथ</td>
<td>99.36</td>
<td>आवासीय</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएच का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>--------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>121</td>
<td>08+700</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर 26</td>
<td>निलेश ओझा</td>
<td>13.47</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>122</td>
<td>09+600</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर 27</td>
<td>बंद है</td>
<td>14.48</td>
<td>चारणदीवारी</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>123</td>
<td>10+1000</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर 28</td>
<td>चेंकु महतो</td>
<td>10.16</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>124</td>
<td>08+700</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर 25</td>
<td>जगीश महतो</td>
<td>11.44</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेनेज</td>
<td>सडक क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>135</td>
<td>08+100</td>
<td>19-ए</td>
<td>आर२</td>
<td>हीरामन सिंह</td>
<td>8.55</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>136</td>
<td>08+200</td>
<td>19-ए</td>
<td>आर२२</td>
<td>बूपाल व भेला</td>
<td>8.73</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>137</td>
<td>08+200</td>
<td>19-ए</td>
<td>आर२३</td>
<td>चनेवार्ड महतो</td>
<td>12.70</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>138</td>
<td>08+200</td>
<td>19-ए</td>
<td>आर२४</td>
<td>मिखालेश्वर नाथकर्मी</td>
<td>8.26</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वैने</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केन्द्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>१२१</td>
<td>१०७००</td>
<td>७७-ए</td>
<td>आर४५</td>
<td>लाजू महतो</td>
<td></td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१२०</td>
<td>१०७००</td>
<td>७७-ए</td>
<td>आर४६</td>
<td>एसके तेलब</td>
<td>६.०५</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१२१</td>
<td>१०७००</td>
<td>७७-ए</td>
<td>आर४७ए</td>
<td>किनू प्रमाणिक</td>
<td>६.५५</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१२२</td>
<td>१०७००</td>
<td>७७-ए</td>
<td>आर४७बी</td>
<td>मनोज कुमार महतो</td>
<td>६.५५</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>बजेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांध का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांध का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>१०४</td>
<td>05+600</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर३८</td>
<td>निम्न खानी</td>
<td>१८.२६</td>
<td>आवासीय</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१४५</td>
<td>05+600</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर३८</td>
<td>सुनील मोदल</td>
<td>१५.०३</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१४६</td>
<td>१०+६००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर५०</td>
<td>राजू महतो</td>
<td>१२.११</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>आंचल का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>--------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>------------------</td>
<td>-------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>142</td>
<td>304700</td>
<td>71-ए</td>
<td>आर्फ़ू1</td>
<td>डा. अस्मत हसीन अंसारी</td>
<td>32.82</td>
<td>आवासीय</td>
<td><img src="image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>143</td>
<td>304700</td>
<td>71-ए</td>
<td>आर्फ़ू2</td>
<td>मेंू. पंडित</td>
<td>15.53</td>
<td>व्यासायिक</td>
<td><img src="image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>144</td>
<td>304800</td>
<td>71-ए</td>
<td>आर्फ़ू3</td>
<td>संतोष सूराज</td>
<td>15.64</td>
<td>व्यासायिक</td>
<td><img src="image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>150</td>
<td>304800</td>
<td>71-ए</td>
<td>आर्फ़ू4</td>
<td>संतोष कुमार महतो</td>
<td>38.52</td>
<td>व्यासायिक</td>
<td><img src="image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>---------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>१५१</td>
<td>१०४६००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर्जनी</td>
<td>सलीम अंसारी</td>
<td>७५.२२</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td>![Image 1]</td>
</tr>
<tr>
<td>१५२</td>
<td>१०५१००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर्ज०६</td>
<td>छोटू पंडित</td>
<td>७५.२१</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td>![Image 2]</td>
</tr>
<tr>
<td>१५३</td>
<td>१०५२००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर्ज०७</td>
<td>कालू पंडित</td>
<td>७५.२२</td>
<td>आवासीय व व्यवसायिक</td>
<td>![Image 3]</td>
</tr>
<tr>
<td>१५४</td>
<td>१०५३००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर्ज०८</td>
<td>बंद है</td>
<td>७५.४४</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td>![Image 4]</td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वार्षिक</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीयूष का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>---------</td>
<td>-------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>-------------</td>
<td>---------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>155</td>
<td>117400</td>
<td>11-ए</td>
<td>आर५६</td>
<td>एम. किशोर</td>
<td>73.25</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>156</td>
<td>117400</td>
<td>11-ए</td>
<td>आर६०ए</td>
<td>अरविंद सिंह</td>
<td>78.62</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>157</td>
<td>117400</td>
<td>11-ए</td>
<td>आर६०श्री</td>
<td>नीरज लाल बरमन</td>
<td>78.62</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>158</td>
<td>117400</td>
<td>11-ए</td>
<td>आर६०श्री</td>
<td>राजेश शाँ</td>
<td>78.62</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>वेगेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>१५८</td>
<td>११४२००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर६.९७</td>
<td>धनंजय स्वामी</td>
<td>१६.४३</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१६०</td>
<td>०५२७००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर७</td>
<td>विश्वनाथ मोंडल</td>
<td>१६.२६</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१६१</td>
<td>०५५८००</td>
<td>१७-ए</td>
<td>आर८</td>
<td>नंदेंद्र कु. मोदक</td>
<td>१४.२८</td>
<td>आवासीय</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांधे का क्रमांक</td>
<td>पीएची का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांधे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>162</td>
<td>074-008</td>
<td>17-ए</td>
<td>आर8</td>
<td>बंद है</td>
<td>11.25</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image-url" alt="Image" /></td>
</tr>
</tbody>
</table>
### अनुच्छेद 3: पृष्ठसााँ—02 के अंतर्गत प्रभावित घरों (चेलेज – 000+000 से 15+700)

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रांक</th>
<th>चेलेज</th>
<th>सड़क क्रांक</th>
<th>ढाँचा क्रांक</th>
<th>पीपी का नाम</th>
<th>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</th>
<th>घरों का प्रयोग</th>
<th>तस्वीर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>12+700</td>
<td>15—वी</td>
<td>एचएल70वी</td>
<td>रामू बर्मा</td>
<td>5.60</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>15+700</td>
<td>15—वी</td>
<td>एचएल70वी</td>
<td>शामू बर्मा</td>
<td>5.60</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>13+800</td>
<td>15—वी</td>
<td>एचएल72</td>
<td>बंद है</td>
<td>16.88</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>12+800</td>
<td>15—वी</td>
<td>एचएल72</td>
<td>दालू, सम महत्ता</td>
<td>16.88</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेन्ज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>---------</td>
<td>-------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------</td>
</tr>
<tr>
<td>५</td>
<td>५५+५००</td>
<td>९५—६३८०</td>
<td>एचएल१२</td>
<td>राजेश कुमार</td>
<td>८८०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६</td>
<td>५५+५००</td>
<td>९६—६३८०</td>
<td>एचएल७२</td>
<td>रघु यादव</td>
<td>८७०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>७</td>
<td>५५+५००</td>
<td>९६—६३८०</td>
<td>एचएल७२</td>
<td>गुनागर भण्डारी</td>
<td>५८०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>८</td>
<td>५५+५००</td>
<td>९६—६३८०</td>
<td>एचएल८</td>
<td>मुनिली</td>
<td>५७०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>------------------</td>
<td>--------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>६</td>
<td>७२+०००</td>
<td>९१-वी</td>
<td>एचएल६</td>
<td>राजकमल मेहता</td>
<td>५.७०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>७०</td>
<td>७२+२००</td>
<td>९१-वी</td>
<td>एचएल६ व आर१७एल, आर-ई व एफ</td>
<td>अमित कुंज महतो</td>
<td>५.८०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>११</td>
<td>७२+५००</td>
<td>९१-वी</td>
<td>एचआर१६.ए</td>
<td>किशन वर्मा</td>
<td>७६.७२</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१२</td>
<td>७२+५००</td>
<td>९१-वी</td>
<td>एचआर१६.बी</td>
<td>कालीचंन्द धीवर</td>
<td>७६.७२</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>-------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>-------</td>
</tr>
<tr>
<td>१२</td>
<td>३२+०००</td>
<td>३२-वी</td>
<td>एचआर१६-वी</td>
<td>दयाल मंडल</td>
<td>९३.९२</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१४</td>
<td>३२+२००</td>
<td>३२-वी</td>
<td>एचआर१७-वी</td>
<td>सुजित संघ</td>
<td>६.२०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१५</td>
<td>३२+२००</td>
<td>३२-वी</td>
<td>एचआर१८-वी</td>
<td>दानिश आलम</td>
<td>६.२०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>१६</td>
<td>३२+२००</td>
<td>३२-वी</td>
<td>एचआर१६</td>
<td>भोला कुमार</td>
<td>५.६०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनज</td>
<td>संक्रमक क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-----------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>17</td>
<td>125+600</td>
<td>91–92</td>
<td>एचआर20</td>
<td>गोपाल प्रसाद</td>
<td>12.20</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>18</td>
<td>125+700</td>
<td>91–92</td>
<td>एचआर21</td>
<td>बंद है</td>
<td>8.80</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>19</td>
<td>125+800</td>
<td>91–92</td>
<td>एचआर22ए</td>
<td>बंदू गोपे</td>
<td>17.50</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>20</td>
<td>125+800</td>
<td>91–92</td>
<td>एचआर22बी</td>
<td>सहदेव महता</td>
<td>17.50</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>शीर्ष का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-------</td>
<td>-------------</td>
<td>--------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>---------------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>-------</td>
</tr>
<tr>
<td>21</td>
<td>72+800</td>
<td>91-बी</td>
<td>एचआर२२सी</td>
<td>हरिलाल महतो</td>
<td>47.50</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>22</td>
<td>72+800</td>
<td>91-बी</td>
<td>एचआर२२डी</td>
<td>अजय महतो</td>
<td>47.50</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>23</td>
<td>72+800</td>
<td>91-बी</td>
<td>एचआर२३ए</td>
<td>चेमेस गोप</td>
<td>16.80</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>24</td>
<td>72+800</td>
<td>91-बी</td>
<td>एचआर२२बी</td>
<td>विनोद गोप</td>
<td>16.80</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>25</td>
<td>22+800</td>
<td>11—वी</td>
<td>एवआर2125</td>
<td>सुनील गोप</td>
<td>16.80</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>26</td>
<td>12+700</td>
<td>11—वी</td>
<td>एवआर27</td>
<td>राम लक्ष्मण सिंह</td>
<td>8.60</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>27</td>
<td>14+600</td>
<td>11—वी</td>
<td>एवआर25</td>
<td>संजय प्रसाद चौरसिया</td>
<td>6.40</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>28</td>
<td>17+500</td>
<td>11—वी</td>
<td>एल50</td>
<td>हुकम सिंह</td>
<td>20.05</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>26</td>
<td>72+000</td>
<td>11-पी</td>
<td>एल54ए</td>
<td>भुआल राय</td>
<td>6.48</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>20</td>
<td>72+000</td>
<td>11-पी</td>
<td>एल54भी</td>
<td>जयनारायण मॉडल</td>
<td>6.48</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>21</td>
<td>72+000</td>
<td>11-पी</td>
<td>एल54भी</td>
<td>धर्मचार दोबी</td>
<td>6.48</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>32</td>
<td>72+500</td>
<td>11-पी</td>
<td>एल5२</td>
<td>राकेश कुमार</td>
<td>72.30</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>33</td>
<td>12+500</td>
<td>11-वी</td>
<td>एलवृ</td>
<td>सनी कु. वर्मा</td>
<td>6.55</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>34</td>
<td>12+600</td>
<td>11-वी</td>
<td>एल५४</td>
<td>अशोक कु. वर्मा</td>
<td>7.64</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>35</td>
<td>12+800</td>
<td>11-वी</td>
<td>एल५५</td>
<td>रणजीत सिंह</td>
<td>7.63</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>36</td>
<td>15+000</td>
<td>11-वी</td>
<td>एल५६</td>
<td>समरेश सिंह</td>
<td>7.32</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएम का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>--------------</td>
<td>--------------</td>
<td>-------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>--------------</td>
<td>------</td>
</tr>
<tr>
<td>27</td>
<td>45+300</td>
<td>99—बी</td>
<td>एल57ए</td>
<td>सुनील</td>
<td>6.76</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>28</td>
<td>45+300</td>
<td>99—बी</td>
<td>एल57बी</td>
<td>रणजीत कुंज, राजक</td>
<td>6.76</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>29</td>
<td>45+300</td>
<td>99—बी</td>
<td>एल57बी</td>
<td>चंदी बनराय</td>
<td>6.76</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>30</td>
<td>45+300</td>
<td>99—बी</td>
<td>एल57बी</td>
<td>शिव कुमार</td>
<td>6.76</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>---------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>४१</td>
<td>१६+३००</td>
<td>११—बी</td>
<td>एल५८ए</td>
<td>महेंद्र साहब</td>
<td>७०.६४</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>४२</td>
<td>१६+३००</td>
<td>११—बी</td>
<td>एल५८बी</td>
<td>उदय कुमार सिन्हा</td>
<td>७०.६४</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>४३</td>
<td>१६+३००</td>
<td>११—बी</td>
<td>एल५८सी</td>
<td>सुनील कु. राम</td>
<td>७०.६४</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>४४</td>
<td>१६+३००</td>
<td>११—बी</td>
<td>एल५६ए</td>
<td>सूदीस्त कुमार</td>
<td>५.८३</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>---------------</td>
<td>---------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>----------</td>
</tr>
<tr>
<td>45</td>
<td>15+3200</td>
<td>11—बी</td>
<td>एल56 बी</td>
<td>टोटन दासगुप्ता</td>
<td>५.६३</td>
<td>व्यापारिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>46</td>
<td>16+6000</td>
<td>11—बी</td>
<td>एल6 बी</td>
<td>बंद है</td>
<td>५.६०</td>
<td>व्यापारिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>47</td>
<td>15+3000</td>
<td>11—बी</td>
<td>एल67 बी</td>
<td>बंद है</td>
<td>५.६०</td>
<td>व्यापारिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>48</td>
<td>18+2000</td>
<td>11—बी</td>
<td>एल62 बी</td>
<td>प्रयोग में नहीं है</td>
<td>२०.०४</td>
<td>प्रयोग में नहीं है</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेन्ज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएची का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>------</td>
<td>-------------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-----------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>५६</td>
<td>७९४६००</td>
<td>९५-बी</td>
<td>एल६३ए</td>
<td>श्रीमोती देवी</td>
<td>७८.६२</td>
<td>आवासीय</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>५०</td>
<td>७९४६००</td>
<td>९५-बी</td>
<td>एल६३बी</td>
<td>जोयपाल मुंडा</td>
<td>७८.६२</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>५१</td>
<td>७९४६००</td>
<td>९५-बी</td>
<td>एल६३सी</td>
<td>राजन मोदी</td>
<td>७८.६२</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>५२</td>
<td>७९४६००</td>
<td>९५-बी</td>
<td>एल६४</td>
<td>राम बबस भाजी</td>
<td>७८.८२</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>53</td>
<td>78+600</td>
<td>77—वी</td>
<td>एल64ए</td>
<td>महाबीर मंडल</td>
<td>20.84</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>54</td>
<td>78+600</td>
<td>77—वी</td>
<td>एल65बी</td>
<td>अमरनाथ सिंह</td>
<td>20.84</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>54</td>
<td>78+600</td>
<td>77—वी</td>
<td>एल66</td>
<td>गणेश मंडल</td>
<td>21.32</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>55</td>
<td>78+600</td>
<td>77—वी</td>
<td>एल78</td>
<td>विकायवर</td>
<td>21.27</td>
<td>आवासीय</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चैनल</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>-------</td>
<td>-------------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>५७</td>
<td>५५+०००</td>
<td>११—बी</td>
<td>एल७६</td>
<td>सूरज चक्कान</td>
<td>२१.२७</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>५८</td>
<td>५५+०००</td>
<td>११—बी</td>
<td>आर६.२ए</td>
<td>सुनील कुमार सच्ची</td>
<td>१५.४०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>५६</td>
<td>५५+०००</td>
<td>११—बी</td>
<td>आर६.२बी</td>
<td>राजेश गोप</td>
<td>१५.४०</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६०</td>
<td>५५+०००</td>
<td>११—बी</td>
<td>आर६.३ए</td>
<td>मो. हेदर</td>
<td>१५.८३</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="https://example.com/image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>61</td>
<td>12+600</td>
<td>11-वी</td>
<td>आर्ड.3वी</td>
<td>राम वाटर जादव</td>
<td>14.63</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>62</td>
<td>12+600</td>
<td>11-वी</td>
<td>आर्ड.4वी</td>
<td>मो. कुर्बान</td>
<td>6.66</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>63</td>
<td>12+600</td>
<td>11-वी</td>
<td>आर्ड.4वी</td>
<td>अर्जुन महतो</td>
<td>6.66</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>64</td>
<td>12+600</td>
<td>11-वी</td>
<td>आर्ड.5वी</td>
<td>पुंजन कुमार</td>
<td>12.31</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>लीडर का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>--------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>६४</td>
<td>१२+०००</td>
<td>९१—५६६</td>
<td>आर६६६</td>
<td>गीता देवी</td>
<td>४.४५</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="64.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६५</td>
<td>१२+०००</td>
<td>९१—५६६</td>
<td>आर६६६</td>
<td>बंद है</td>
<td>४.४५</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="65.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६६</td>
<td>१२+०००</td>
<td>९१—५६६</td>
<td>आर६६६</td>
<td>आनंद शां</td>
<td>६.०१</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="66.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६७</td>
<td>१२+०००</td>
<td>९१—५६६</td>
<td>आर६६६</td>
<td>सनी कुमार</td>
<td>७०.३३</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="67.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६८</td>
<td>१२+०००</td>
<td>९१—५६६</td>
<td>आर६६६</td>
<td>सनी कुमार</td>
<td>७०.३३</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="68.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रांक</td>
<td>वांचा क्रांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>--------</td>
<td>-----------</td>
<td>-------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>---------</td>
</tr>
<tr>
<td>66</td>
<td>15+100</td>
<td>91-बी</td>
<td>आर६६</td>
<td>मुकेश केरी</td>
<td>6.27</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>70</td>
<td>15+100</td>
<td>91-बी</td>
<td>आर७०</td>
<td>राम कृष्ण सिंह</td>
<td>6.66</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>71</td>
<td>15+200</td>
<td>91-बी</td>
<td>आर७१</td>
<td>मनोज स्वामी</td>
<td>7.07</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>72</td>
<td>15+200</td>
<td>91-बी</td>
<td>आर७२ए</td>
<td>मानवर सिंह</td>
<td>6.28</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रांक</td>
<td>बांचा क्रांक</td>
<td>पीएची का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचा का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>-------</td>
<td>-------------</td>
<td>-------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-----------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>73</td>
<td>15+200</td>
<td>11-ली</td>
<td>आर्कवी</td>
<td>मो. जहांगीर</td>
<td>6.28</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>74</td>
<td>15+200</td>
<td>11-ली</td>
<td>आर्कवी व दी</td>
<td>रानू मंडल</td>
<td>6.28</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>75</td>
<td>15+200</td>
<td>11-ली</td>
<td>आर्कवी ए</td>
<td>राजा राम महतो</td>
<td>5.84</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>76</td>
<td>15+200</td>
<td>11-ली</td>
<td>आर्कवी</td>
<td>राजू परमानिक</td>
<td>5.84</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>-------</td>
<td>--------------</td>
<td>---------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>७७</td>
<td>१५+२००</td>
<td>११—बी</td>
<td>आरजैंकी</td>
<td>मनोज प्रसाद साहू</td>
<td>१०.२४</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td>![Image]</td>
</tr>
<tr>
<td>७८</td>
<td>१५+२००</td>
<td>११—बी</td>
<td>आरजैंकी</td>
<td>संजीव प्रमाणिक</td>
<td>१०.२४</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td>![Image]</td>
</tr>
<tr>
<td>७६</td>
<td>१५+२००</td>
<td>११—बी</td>
<td>आरजैंकी</td>
<td>खेडू मोदक</td>
<td>१०.२४</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td>![Image]</td>
</tr>
<tr>
<td>८०</td>
<td>१६+२००</td>
<td>११—बी</td>
<td>आरजैंकी</td>
<td>बीजू मंडल</td>
<td>७.६४</td>
<td>व्यवसायिक</td>
<td>![Image]</td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएपी का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बाँचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>------</td>
<td>-------------</td>
<td>--------------</td>
<td>----------------</td>
<td>-------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>81</td>
<td>75+800</td>
<td>91–वी</td>
<td>आर०७६</td>
<td>देवेंद्र, ठाकुर</td>
<td>6.46</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>82</td>
<td>75+800</td>
<td>91–वी</td>
<td>आर०७७ए, वी व शी</td>
<td>प्रयोग में नहीं है</td>
<td>8.65</td>
<td>प्रयोग में नहीं है</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>83</td>
<td>75+800</td>
<td>91–वी</td>
<td>आर०८०ए, व शी</td>
<td>प्रदीप मोदी</td>
<td>7.27</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>84</td>
<td>75+800</td>
<td>91–वी</td>
<td>आर०८०सी</td>
<td>रमा संकर</td>
<td>9.27</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएसी का नाम</td>
<td>मौजूदा केन्द्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचे का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>---</td>
<td>---</td>
<td>---</td>
<td>---</td>
<td>---</td>
<td>---</td>
<td>---</td>
<td>---</td>
</tr>
</tbody>
</table>
| ८५ | ७५+५०० | ११—बी | आर८०२ | श्याम सुंदर कुमार | ७५.३१ | आवासीय एवं व्यासाधिक | ![Image](image1)
| ८६ | ७६+८०० | ११—बी | आर८१ | कांशीनाथ मेहता | ८०.४१ | व्यासाधिक | ![Image](image2)
| ८७ | ७७+२०० | ११—बी | आर८२ | बंद है | ७६.२८ | व्यासाधिक | ![Image](image3)
| ८८ | ७८+६०० | ११—बी | आर८३ | बंद है | ७६.४६ | चारदीवारी | ![Image](image4)
<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>चेनेज</th>
<th>सड़क क्रमांक</th>
<th>बांचा क्रमांक</th>
<th>पीएपी का नाम</th>
<th>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</th>
<th>बांचे का प्रयोग</th>
<th>तस्वीर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>८६</td>
<td>७५+५००</td>
<td>११-बी</td>
<td>आर८४</td>
<td>राजेश मेहता</td>
<td>९७.०२</td>
<td>आवासीय एवं व्यावसायिक</td>
<td><img src="image1.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६०</td>
<td>७५+५००</td>
<td>१२-बी</td>
<td>आर८५</td>
<td>बंद है</td>
<td>७०.०६</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image2.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६१</td>
<td>७५+५००</td>
<td>१२-बी</td>
<td>आर८६</td>
<td>भूकर करमाकर</td>
<td>८३.८</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image3.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>६२</td>
<td>७५+५००</td>
<td>१२-बी</td>
<td>आर८७</td>
<td>बंद है</td>
<td>६.०७</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td><img src="image4.png" alt="Image" /></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चेनेज</td>
<td>सड़क क्रमांक</td>
<td>बांचा क्रमांक</td>
<td>पीएची का नाम</td>
<td>मौजूदा केंद्रीय रेखा से दूरी (मी)</td>
<td>बांचा का प्रयोग</td>
<td>तस्वीर</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>--------------</td>
<td>---------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------------------------------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
</tr>
<tr>
<td>63</td>
<td>75+700</td>
<td>99-बी</td>
<td>आरपैसी</td>
<td>सुनील यादव</td>
<td>99.27</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>64</td>
<td>75+700</td>
<td>99-बी</td>
<td>आरपैडी</td>
<td>मुना यादव</td>
<td>98.27</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>65</td>
<td>99+600</td>
<td>99-बी</td>
<td>एलएचए</td>
<td>कालीचरण रामनी</td>
<td>8.15</td>
<td>व्यावसायिक</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>संख्या</td>
<td>साइड</td>
<td>बाएं</td>
<td>तस्वीर</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>-------</td>
<td>-------</td>
<td>------</td>
<td>--------</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>1</td>
<td>00+000</td>
<td>बाएं</td>
<td>प्रतीक्षा शेड + थीका माझी की मूर्ति (20 वर्ष पुरानी)</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>00+000</td>
<td>बाएं</td>
<td>मंदिर: (15 वर्ष पुराना)</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>00+000</td>
<td>बाएं</td>
<td>काली मंदिर (12 वर्ष पुराना)</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>00+000</td>
<td>बाएं</td>
<td>शहीद मनेन्द्रनाथ मंडल की मूर्ति (30 वर्ष पुरानी)</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>00+000</td>
<td>बाएं</td>
<td>नव-निर्मित मंदिर (6 माह पुराना)</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6</td>
<td>00+000</td>
<td>दाएं</td>
<td>प्रतीक्षा शेड</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>7</td>
<td>01+000</td>
<td>बाएं</td>
<td>प्रतीक्षा शेड</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>8</td>
<td>02+000</td>
<td>दाएं</td>
<td>प्रतीक्षा शेड</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>चैनेल</td>
<td>साई</td>
<td>दांत की किस्म</td>
<td>तस्वीर</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>--------</td>
<td>------</td>
<td>---------------</td>
<td>--------</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>8</td>
<td>02+700</td>
<td>दाएं</td>
<td>गंडूरा में मंदिर (8 वर्ष पुराना)</td>
<td><img src="image1.jpg" alt="Image" /></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>10</td>
<td>03+200</td>
<td>दाएं</td>
<td>निर्माण शेड</td>
<td><img src="image2.jpg" alt="Image" /></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>11</td>
<td>04+800</td>
<td>दाएं</td>
<td>प्रतीक्षा शेड</td>
<td><img src="image3.jpg" alt="Image" /></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>12</td>
<td>05+700</td>
<td>दाएं</td>
<td>प्रतीक्षा शेड</td>
<td><img src="image4.jpg" alt="Image" /></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>13</td>
<td>06+100</td>
<td>दाएं</td>
<td>मंदिर (22 वर्ष पुराना)</td>
<td><img src="image5.jpg" alt="Image" /></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>14</td>
<td>07+100</td>
<td>दाएं</td>
<td>प्रतीक्षा शेड</td>
<td><img src="image6.jpg" alt="Image" /></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>15</td>
<td>08+700</td>
<td>बाएं</td>
<td>प्रतीक्षा शेड</td>
<td><img src="image7.jpg" alt="Image" /></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>क्रमांक</td>
<td>खेती</td>
<td>साईड</td>
<td>ढांचे की किस्म</td>
<td>तस्वीर</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>-------</td>
<td>-------</td>
<td>----------------</td>
<td>--------</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>१६</td>
<td>०५+४००</td>
<td>बाएं</td>
<td>हनुमान मंदिर (१६ वर्ष पुराना)</td>
<td>![Image]</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>७७</td>
<td>११+०००</td>
<td>दाएं</td>
<td>हनुमान मंदिर (६ वर्ष पुराना)</td>
<td>![Image]</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>७८</td>
<td>११+४००</td>
<td>दाएं</td>
<td>प्रतीका शेड</td>
<td>![Image]</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
अनुच्छेद ५: एनसीबी-०८ के अंतर्गत समुदायिक संपत्ति संसाधन (चेनेज - ००४००० से १५०७००)

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>चेनेज</th>
<th>साईड</th>
<th>भाषे की किस्म</th>
<th>तस्वीर क्रमांक</th>
<th>तस्वीर</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>१</td>
<td>१५४६००</td>
<td>दाएं</td>
<td>प्रतीक्षा शेड</td>
<td>१५७८—आरके</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>